

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 18, 1985 ( वैशाख 28, 1907)  
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 18, 1985 (VAISAKHA 28, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मार्च 1985

सं० ए० 32013/3/84 प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-11-84 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में श्री एम० एम० शर्मा, अधीक्षक (त० सं०) को 11-3-85 से 31-10-85 तक अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक त० सं० "ग्रुप क" रु० 700-40-900-४० रो०-1100-50-1300 में के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर श्री एम० एम० शर्मा की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें नियमित नियुक्ति अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता को कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 1 अप्रैल 1985

सं० ए० 38013/8/84-प्रशा०-III—कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 33/12/73—स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार राष्ट्र-1-66GI/85

(16899)

पति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न डेस्क अधिकारी श्री एम० के० अरोड़ा को 31 मार्च, 1985 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर मरकुरी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 8 अप्रैल 1985

सं० ए० 12034/2/83-प्रशा०-II (ii) — इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 12034/2/83-प्रशा०-II (i) दिनांक 29-10-84 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतद् द्वारा वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) श्री बी० आर० मणि को 13-4-85 से 12-10-85 तक छः महीने की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्री बी० आर० मणि की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है तथा इससे उन्हें वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद में वरिष्ठता का अथवा नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 11 अप्रैल 1985

गृह मंत्रालय

सं० ए० 12022/1/85-प्रशा०-II—राजभाषा विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/7/85-रा० भा० (से०) दिनांक 1-3-1985 के अनुसरण में श्री रोगेन्द्र नाथ गुप्त को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ०१-3-85 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक उप निदेशक (राजभाषा) (के० सं० रा० भा०-ग्रुप 'क' वेतनमान रु० 1100-1600) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एम० पी० जैन,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1985

सं० 40 पी० आर० एम०-12—केन्द्रीय सतर्कता आयोग में, मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पदावधि समाप्त होने पर श्री आनन्द चिन्तामण पंचधारी (केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा) को 2 अप्रैल, 1985 (अपराह्न) से कार्यभार से मुक्त किया जाता है और 2-4-1985 (अपराह्न) से उनकी सेवाएं आवास और निर्माण मंत्रालय को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 23 अप्रैल 1985

सं० 2/13/84-प्रशासन—महानिदेशक निर्माण, केन्द्रीय निर्माण विभाग द्वारा उनका स्वैच्छिक निवृत्ति नोटिस की अनुवर्ती स्वीकृति होने पर श्री रवि कुमार भल्ला, सहायक तकनीकी परीक्षक (उद्यान) को 22 अप्रैल, 1985 अपराह्न से इस आयोग में उनके कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,  
अवर सचिव (प्रशासन)

कार्मिक और प्रशिक्षण

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

सं० 5/1/85-प्रशा०-5—राष्ट्रपति ने श्री एस० सेन, पुलिस अधीक्षक को दिनांक 24 अप्रैल, 1985 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 5/1/85-प्रशा०-5—राष्ट्रपति ने श्री के० माधवन, पुलिस अधीक्षक को दिनांक 24 अप्रैल, 1985 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

के० चक्रवर्ती  
उप-निदेशक (प्रशा०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल  
नई दिल्ली-110003, दिनांक 26 अप्रैल 1985

सं० ओ० दो 1911/84-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, डाक्टर लक्ष्मण राव को 5 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनसे जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 27 अप्रैल 1985

सं० ओ० दो 1301/76-स्थापना—श्री हरी मिह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पुलिस उप-अधीक्षक 52 वाहिनी, ने० ए० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-3-1985 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 29 अप्रैल 1985

सं० ओ० दो 2007/85-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, डाक्टर (मिसेज) रानी सी० टी० एम० को 27 फरवरी 1985 से 22 मार्च 1985 अपराह्न तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर, तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० अशोक राज  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० ई०-16013(2)/15/82-कार्मिक-1—केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति की अवधि पूर्ण करने पर अपने राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, श्री अजीत मक्केना, भा० पु० से० (राजस्थान-73) ने 22 अप्रैल 1985 के अपराह्न से सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 अप्रैल 1985

सं० ई०-32015(3)/17/84-कार्मिक-1—राष्ट्रपति श्री अजीत मिह को 9 अप्रैल, 1985 के अपराह्न से 27-8-85 तक की अवधि के लिए या तब तक समय तक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर तथा अस्थायी रूप से के० ओ० पु० ब० नूनिट, ओ० टी० पी० पो०, ओबरा में कामाडेट के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह०/अपठनोय  
महानिदेशक/औसुध

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग वित्तीय वर्ष में परिवर्तन नमिति

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(7)-ए०/84—वित्तीय वर्ष में परिवर्तन समिति का कार्यकाल समाप्त होने जाने पर

श्री एन० एम० यजमुदार, भारतीय प्रशामन सेवा (उ० प्र० 57) 30 अप्रैल, 1985 के अपराह्न से इस समिति में संयुक्त सचिव के पद के कार्यभार से मुक्त हो गए हैं।

जे० पी० मिश्र,  
प्रशामन तथा लेखा अधिकारी

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 अप्रैल 1985

स० प्रशामन 1 का० आ० मख्या 105--हरि कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री निमल देव वरिष्ठ वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 अप्रैल 1985 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 23 अप्रैल 1927 है।

स० प्रशामन 1 का० आ० मख्या 106--हरि कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री बी० सी० दास वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 अप्रैल 1985 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 6 अप्रैल 1927 है।

दिनांक 27 अप्रैल 1985

स० प्रशामन-1/का० आ० मख्या 110--श्री मान निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों अब महाद्वार लेखा परीक्षा अधिकारी को 22-4-85 अपराह्न से अगले आदेश तक 840-1200 रु० के वेतनक्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम	नाम
स०	

1. श्री डी० के० जांशी
2. श्री आर० एम० गौतम

मोहना खुराना,  
उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म० प्र०

खालियर, दिनांक 22 अप्रैल 1985

स० प्रशामन II/समूह-1/पदोन्नति/ले० प० अ०/25/45--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापन्न ले० प० अ० के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000 द० अ०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाए गए दिनांक से कार्यभार ग्रहण

करते की दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया है।

नाम	स्थाई क्रम०	कार्यभार शुरू करने की ति०	आवृत्ति
-----	-------------	---------------------------	---------

श्री जी० पी० अग्रवाल	01/312	8-4-85	म० ले० (ले० पूर्वाह्न प०) द्वितीय म० प्र०
----------------------	--------	--------	---

(प्राविहार/महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम के आदेश दिनांक 1-10-1985)

ह० आठनीय  
उपमहालेखाकार (प्रशामन)

महालेखाकार कार्यालय (लेखा और हकदारी)-महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1985

स० प्रशामन-1/सामान्य/31-इण्डIII/-सी-I-(1)/15--महालेखाकार-1 (लेखा और हकदारी) महाराष्ट्र बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमिक	नाम	दिनांक
1	श्री एन० टी० गनोरकर	8-4-1985 (पूर्वाह्न)
2	श्रीमती एम० बी० जावडेकर	8-4-1985 (पूर्वाह्न)

एम० विश्वनाथन,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशामन

श्रम मंत्रालय

कारखाना मलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र

महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 26 अप्रैल 1985

स० 33/4/84-स्थापना-विभागाध्यक्ष कारखाना मलाह सेवा और श्रम विज्ञान बम्बई ने श्री ए० पी० मट्टाचार्य को पहाण अनुमति अधिकारों के पद पर इस महानिदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र तकता में दिनांक 10-4-1985 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रु० में नियुक्त किया है।

एम० बी० हेरडेपाटिल,  
उप महानिदेशक और  
विभागाध्यक्ष

## वाणिज्य मंत्रालय

## वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1985

सं० ए०-12025(III)/3/83-प्रशासन-III-राष्ट्रपति, श्री भवन सिंह पाल को 29 दिसम्बर, 1984 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र कलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड- (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-32015(1)/84-प्रशासन-III-राष्ट्रपति, श्री बी० के० व्यास को 17 अक्तूबर 1984 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई में सहायक निदेशक ग्रेड-II (तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० के० अग्निहोत्री,  
अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

(प्रशासन अनुभाग ए-6)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० ए-6/247(49)/57—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) और भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड-II (अभियांत्रिकी शाखा) के स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी) श्री एन० एन० भादुड़ी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जनवरी 1985 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० एल० कपूर,  
उप निदेशक (प्रशासन)

## उद्योग मंत्रालय

## औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

सं० 12(215)/61-प्रशा० (राज०)/खण्ड-3-राष्ट्रपति, अन्तीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के उपनिदेशक (यांत्रिकी) श्री के० एस० सुरप्पा को दिनांक 8-4-85 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, उसी क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र में निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(543)/81-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (इंजीनियर उद्यमियों को सहायता) तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा (एम० टी० 1972) के अधिकारी श्री एच० बी० लालरिंगा ने दिनांक 26 फरवरी 1985 (अपराह्न) से निदेशक, ग्रेड-1 (इंजीनियर उद्यमियों को सहायता) पद का कार्यभार छोड़ दिया। अपने राज्य के कैंडर में वापस जाने की तैयारी के लिए उन्हें 27 फरवरी 85 से 26 मार्च, 1985 तक की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

2. स्वीकृत छुट्टी की समाप्ति के बाद, श्री लालरिंगा की सेवाएं मणिपुर सरकार के अधीन होंगी।

सं० ए०-19018(728)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री सुनील कुमार गुप्ता को लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में 19-3-1985 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(780)/85-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के अधीन लघु उद्योग शाखा संस्थान, हलद्वानी के लघु उद्योग संबद्ध अधिकारी (रसायन) श्री एम० पी० जोशी को दिनांक 18-9-84 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

## वाणिज्य तथा पूर्ति मंत्रालय

## पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1985

सं० ए०-1/2(440)—निदेशक निरीक्षण बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक (स्तर-II) श्री पी० सी० वरगीज को सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) श्री ई० आई० देवसी की अवकाश रिक्ति में, दिनांक 4 फरवरी 1985 के पूर्वाह्न से 23 मार्च 1985 तक उसी कार्यालय में पूर्णतः आधार तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में तदर्थ सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) श्री बी० सी० वरगीज को दिनांक 23-3-85 के अपराह्न से उसी कार्यालय में अधीक्षक (स्तर-II) के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

राजबीर सिंह,  
उपनिदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० ए-1/1(I) 2581: श्री अमर प्रकाश जनागल का संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन कर लिए जाने पर राष्ट्रपति ने उन्हें दिनांक 17 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में अस्थाई आधार पर उप निदेशक (विक्रीकर) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राजबीर सिंह  
उपनिदेशक (प्रशा०)



दिनांक 27 अप्रैल 1985

सं० 12(316)/62-प्रशा० (राज०) (खण्ड-3)---  
राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के निदेशक ग्रेड-2  
(यात्रिनी) श्री ए० आर० शर्मा को निवृत्ति की आयु प्राप्त  
कर लेने पर दिनांक 31 मार्च, 1985 (अपराह्न) से, सरकारी  
सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सी० सी० राय  
उपनिदेशक (प्रशासन)

ठी० पेन्शन रेडडी को सहायक भू-वैज्ञानिक के रूप में भार-  
तीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक  
वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-  
40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर,  
स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28-12-84  
के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी  
निदेशक (कामिक)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 अप्रैल 1985

सं० 4228 बी०/ए०-19012 (1-आर० के० यू०)/82-  
19ए-भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक  
श्री आर० के० उपाध्याय को इस विभाग से 31-7-84  
(अपराह्न) से त्याग-पत्र पर मुक्त किया जा रहा है।

सं० 4260 बी०/ए०-19012 (1-एस० के० एस० आर०)/  
79-19ए-श्री स्वपन कुमार सिन्हा राय, सहायक भू-वैज्ञानिक  
ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 3-10-81  
(अपराह्न) से पद त्याग दिया है।

दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० 4439 बी०/ए०-19012 (1-डी० सी० एल० आर०)/  
83-19ए-इस कार्यालय के दिनांक 16-10-84 की  
अधिसूचना सं० 7102 बी०/ए०-19012 (1-डी० सी०  
एल० आर०)/83-19ए से अधिसूचित भारतीय भू-वैज्ञानिक  
सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक श्री टी० सी० लिंगा राजू की  
नियुक्ति तिथि 21-8-83 (पूर्वाह्न) के बरसे 21-8-84  
(पूर्वाह्न) पढ़ी जाय।

अमित कुमारी  
निदेशक (कामिक)  
कृते महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 अप्रैल 1985

सं० 4406 बी०/ए०-19012 (3-आई० के० जे०)/80-  
19बी०-भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ  
डॉ० आई० के० जैन ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में उच्च  
प्रशिक्षण संस्थान (एडवान्स ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट) रसायन, बम्बई  
में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु 6-2-85 के अपराह्न से कार्यभार  
सौंप दिया है।

दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० 4426 बी०/ए०-19012 (1-टी० पी० आर०)/  
83-19ए-भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

सं० ए०-19011(221)/78-स्था० ए०-विभागीय  
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० बी० देशमुख,  
कनिष्ठ खनन भू-विज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न  
रूप में वरिष्ठ खान भू-विज्ञानी के पद पर दिनांक 6 अप्रैल  
1985 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा,  
सहायक प्रशासन अधिकारी,  
कृते महानियंत्रक,

(कोयला विभाग)

कोयला खान अधिकार कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1985

सं० प्रशासन 12(1) 85-श्री बी० सहाय, लेखापाल को  
रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 के वेतनमान में  
दिनांक 25-2-1985 अपराह्न से कोयला खान आयुक्त के  
सहायक सचिव (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त किया गया।

सं० प्रशासन 12(2) 85-श्री एस० अहमद, लेखापाल को  
रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 के वेतनमान में  
दिनांक 26-2-85 पूर्वाह्न से कोयला खान कल्याण आयुक्त के  
सहायक सचिव (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त किया गया।

सं० प्रशासन 12(3) 85-श्री बी० सी० पाल, प्रधान  
लिपिक को रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 के वेतन  
में दिनांक 25-2-85 अपराह्न से कोयला खान कल्याण  
आयुक्त के सहायक सचिव (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त  
किया गया।

आर० एस० शिवानी  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद।

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

सं० 4/65/84-एच० आई०-महानिदेशक, आकाशवाणी  
एतद्वारा श्री एन० बाबू राव को 1-6-84 में अगले आदेश  
तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000  
द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, आकाशवाणी  
कुशापा में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादन के पद पर  
नियुक्त करते हैं।

हरीशचन्द्र जयाल,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

सं० 17/7/84-एस०-4—महानिदेशक आकाशवाणी, नई  
दिल्ली निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनके  
सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नति होने पर उनके नामों  
के सामने दी गई तिथि से अगले आदेशों तक नियुक्त करते  
हैं :—

अ० सं०	नाम	तैनाती केन्द्र	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	श्री टी० के० चलपति	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	2-4-85 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० राजू	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	2-4-85 (पूर्वाह्न)
3.	श्री रमेश चन्द्र	उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, खामपुर	30-3-85 (पूर्वाह्न)
4.	श्री मुहम्मद मुजीब-उर- रहमान	आकाशवाणी, डिब्रूगढ़	8-4-85 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एम० एल० गंधीर	टी० वी० आर० सी०, ध्वानी	4-4-85 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एच० एल० मक्कर	पी० ई० यू० दूरदर्शन, नई दिल्ली	29-4-85 (पूर्वाह्न)
7.	श्री डी० आर० गुप्ता	आकाशवाणी, शिमला	6-4-85 (पूर्वाह्न)
8.	श्री आर० एन० नन्दीब	दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर	6-4-85 (पूर्वाह्न)
9.	श्री मुहम्मद अबदुर्रहमान	उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, चिन्सुरा	5-4-85 (पूर्वाह्न)

डी० एस० जैन,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

सं० ए० 19020/47/77-(एच० क्यू०) प्रशासन-1—  
श्री एच० टी० बंसारा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय  
में राज्य समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त  
हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 15 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न)  
से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी  
(नेफ़रोग विज्ञान) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

बी० के० जाना  
उप निदेशक प्रशासन (जी०)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० ए० 12031/9/83-ई० पी० आई०—स्वास्थ्य सेवा  
महानिदेशक ने श्री हरीश चन्द्र को 25 मार्च, 1985 के पूर्वाह्न  
से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली  
में लाइब्रेरियन ग्रेड-1 के पद पर नियुक्त किया है।

नारायण सिंह,  
उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

सिचार्ड एवं शक्ति मंत्रालय  
(सिचार्ड विभाग)  
महाप्रबंधक का कार्यालय  
फरक्का बांध परियोजना

मुर्शिदाबाद (प० ब०), दिनांक 13 फरवरी 1985

सं० ई०/पी०-एफ०-11/267/1256—डा० दीपेश मंडल  
के एतद्वारा चिकित्सा अधिकारी के रूप में राजपत्रित समूह  
“ख” (सामान्य केन्द्रीय सेवा), स्थानापन्न रूप में फरक्का  
बांध परियोजना अस्पताल में दिनांक 29-9-84 के पूर्वाह्न से  
इस कार्यालय के पदांक ई०/पी०-/(डाक्टरस् रु/344(2)  
दिनांक 17-1-1983 के शर्तों पर नियुक्त किया जाता है।  
जिसका वेतनमान २० 650-30-740-35-810-द० रो०-  
35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा सामान्य  
भत्तों के साथ जो इस पर मिलते हैं।

आर० डी० रन्धीदेवन,  
महा प्रबंधक  
फरक्का बांध परियोजना

परमाणु ऊर्जा विभाग

अध्य और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० डी० पी० एस०/2/1(4)/82-प्रशा०/10428—अध्य  
और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री आर० सुन्दरराजन,  
सहायक, परमाणु ऊर्जा विभाग को इस निदेशालय में दिनांक

11 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 पपए के वेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है

पी० गोपालन  
प्रशासन अधिकारी

नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० एस० राजू  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
प्रादेश, हैदराबाद

राजस्थान परमाणु बिजलीघर

अनुशक्ति, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० रापबिध/सर्ती/7(10)/85-स्थल/531—भारी पानी परियोजना, तालचर से स्थानान्तरण होने के बाद श्री प्रकाश चन्द जैन को राजस्थान परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, एतद्वारा दिनांक 16 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी-2 के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

डी० जी० कुलकर्णी  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टर्न फाईबर ग्लास प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 29193/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न फाईबर ग्लास प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डी० डी० एंड कं० (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 23110/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डी० डी० एंड कं० (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इंजीनियर्स एंड फरनांस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 23950/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इंजीनियर्स एंड फरनांस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इंडियन सिन्थेटिक फारमास्यूटिकल्स लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 23520/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इंडियन सिन्थेटिक फारमास्यूटिकल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1985

सं० ए० 38013/1/84-ई० सी० (.)—नागर विमानन विभाग के श्री ए० के० चटर्जी, सहायक संचार अधिकारी धैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-12-84 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो जाने पर अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

डी० जयचन्द्रन  
सहायक निदेशक प्रशासन

उद्योग व कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 मेरिडिस्ट चर्च ऑफ इंडिया के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 2744/डी० ए० III/560—माननीय बम्बई उच्च न्यायालय रिट पिटेशन सं० 1096 ऑफ 1980 दिनांक 10-9-84 के निर्देश पर मेरिडिस्ट चर्च ऑफ इंडिया का

कम्पनी अधिनियम 1956 और पावार मेट्रियल्स  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 23110/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पावार मेट्रियल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हर्णविल एलिमेंट्स  
एंड इंजीनियरिंग क० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 30799/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हर्णविल एलिमेंट्स एंड इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एच० बनर्जी  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और राधाकृष्णा  
फिलिम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 986/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राधाकृष्णा फिलिम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिबूल कारण दर्शित ना किया गया हो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सुबुमार एन्ड कम्पनी  
(कूरीस) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 2364/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के

अवसान पर सुबुमार एन्ड कम्पनी (कूरीस) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिबूल कारण दर्शित ना किया गया हो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और केरला हरिजन रबर  
वरक्स लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 2331/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केरला हरिजन रबर वरक्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिबूल कारण दर्शित ना किया गया हो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कृष्णाकृपा स्पनिंग  
मिल्स लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 1992/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कृष्णाकृपा स्पनिंग मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिबूल कारण दर्शित ना किया गया हो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दीपम चिट्स एन्ड ट्रेड्स  
इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 2332/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दीपम चिट्स एन्ड ट्रेड्स इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिबूल कारण दर्शित ना किया गया हो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
केरल

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 1 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/9721/84-85—यन, मुजे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रा० रेंज नं० 350/ए/2, 239/11ए और 239/11बी, 14बी बोट रोड पुणे-11 है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसके उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य न कम के अधिमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—66 GI/85

(1) फराहट फातनि:

14-बी बोट रोड, पुणे-1।

(अन्तरक)

(2) मेहराब इरानी,

85, कोरगांव पार्क, पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसमें सं० नं० 350/ए/2, 239/11ए और 239/11बी, 14बी, बोट रोड राड, पुणे-11।

(जो कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37 ईई/9721/84-85 जारी, 1985 को स्थावर सम्पत्ति आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में लिखित गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 1-3-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पूना दिमांक 4 मार्च 1985

अर्जन रेंज पूना

निर्देश सं० 37 ईई/8591/84-85/थाना—यतः मुझे  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7, प्लॉट नं० 40, आनंद नगर,  
नवघर बसई (पश्चिम) जिला थाना है तथा जो नवघरा,  
बसई (पश्चिम) में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के  
कार्यालय, यहाँ : आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वावट, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
धारित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, बिम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विमला एन्टरप्राइजस,  
303, स्टार वाइस्टन अपार्टमेंट,  
मंडावाला लेन बोरीवली (पश्चिम),  
बम्बई-92।

(अन्तरक)

(2) वृष्ण चंद्र वर्मा और श्रीमती गीता के० वर्मा,  
फ्लैट 406,  
वाटेज, फोरी रोड, वर्मा, बम्बई-61।

(अन्तरलती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करना है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विवेक अपार्टमेंट्स प्लैट नं० 7, प्लॉट नं० 40, आनंद नगर,  
नवघर, बसई (पश्चिम) जिला थाना

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/8591/थाना/84-85  
सितम्बर 1984 को सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-3-1985  
मोहर

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चामचद मानचद शाह,  
290, 'वज्र' धारा,  
सांगली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री आर० के० फडतेर और अन्य,  
टासगाव, जिला सांगली

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/5669/84-85--यतः मुझे

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 67, 68, 69, 70, 71 और  
जूना सिनेमा थिएटर बिल्डिंग सांगली है तथा जो सांगली  
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे  
वर्णित है), रजिस्ट्रार-अधीनारी के कार्यालय सहायक  
आयकर अधिकारी (निरीक्षण), अर्जन रेंज में रजिस्ट्रारण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
व्यवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 67, 68, 69, 70, 71 और जूना सिनेमा  
थिएटर बिल्डिंग, सांगली।

(जैसा कि रजिस्ट्रार नं० 37 ईई/5669/1984-85  
जुलाई 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेंज में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख 4-3-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/6308/84-85--यनः मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की नं० प्लॉट नं० 2, प्लॉट नं० 50, रॉवे नं० 88/4+138+161 काथरुड पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुपूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिगार के वायव्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जित तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेवर्स, युगमा प्रमोदार्थ और विन्डर्स,  
339, महान्मा फुल पेठ  
पुणे-2 ।

(2) श्रीमती क्राता एम० अम्बेकर और  
श्री भर्चेंद्रा बी० अम्बेकर,  
332, गुरुवार पेठ पुणे-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, प्लॉट नं० 50, रॉवे नं० 88/4+138+161, काथरुड, पुणे ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37 ईई/6308/84-85 दिनांक 1984 का सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

अर्जन प्रावि एन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-3-1985

माहूर :



संख्या 111—खण्ड 1]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना, दिनांक 16 मार्च 1985

निदेश सं० 37 जी-980/84-85—यत मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1, गेट नं० 37/2, बगला +  
जमीन सगमेश्वर, ता० मालेगाव, जिला नासिक (क्षेत्रफल  
469 9 मीटर) है तथा जो जिला नासिक में स्थित है  
(और इसका उपावृद्ध अनुसूची में आने पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तीर्थशिंग नरसिंह ठ राज,  
सगमेश्वर, ता० मालेगाव,  
जिला नासिक।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णाजी रामचंद्र सोनार  
259, भमलतवार लेद, मालेगाव  
जिल० नासिक।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्वीकृति:—इसने प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37जी/980/1984-85,  
जनवरी 1985 का सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन  
रेज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, पूना

तारीख : 16-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 21 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/5737/84-85--यतः, मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, ग्राऊंड फ्लोर (क्षेत्रफल  
275 वर्ग फुट) निम्नी अर्नाटवेस्ट में स्थित, 247/1 रास्ता पेठ,  
पुना (क्षेत्रफल 275 वर्ग फुट) है तथा जो पुना में स्थित है  
(और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैन्स मकवाना कन्स्ट्रक्शन कं० (एफ० एस०  
डब्ल्यू०), डिवायन तेरास, 911, 914, सायनाग  
स्ट्रीट, पुणे कैम्प,  
पुना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करणा श्री० नाथ,  
589, तीसरी गल्ली,  
महालक्ष्मी ले आऊट,  
बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/5737/84-85,  
अगस्त 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 21-3-1985

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 21 मार्च 1985

निर्देश सं० 37ईई/6330/1984-85—यतः मुझे,  
अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 1479/80 शुक्रवार पेठ,  
पूना-2 (क्षेत्रफल 400 वर्ग फुट है तथा जो पूना में स्थित है  
(और इसमें उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय से कपी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स राजेंद्रा असोसिएट्स,  
619, सदाशिव पेठ,  
पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवालीबाई सम्पतराज नाहर,  
721, गुरुवार पेठ,  
पूना-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीगत क्र० 37 ईई/6330/84-85,  
सितम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है ।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाई है—

तारीख : 21-3-1985

साहू

प्रथम भाग टी.एन.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/9881/84-85—यतः, मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग को नलिनी चेम्बर्स कह के पहचाना  
जाता है जिसमें ग्राउंड फ्लोर + 2 अप्पर फ्लोर्स जिसमें  
विविध क्षेत्रफल के दो कम और घरे हैं जो आखरी प्लॉट नं०  
173, टी० पी० स्क्रीम संगमवाडी और सी० टी० एस० नं०  
19 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिलारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स ट्रायस्टार बिल्डर्स,  
21 प्रास्पेक्ट चेम्बर्स,  
अनेक्स पिता स्ट्रीट,  
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रिन्स पेट्रोलियम कं०,  
मार्फत श्री ए० आर० एन० जिवानी,  
बी/6 मजफेर सोसाईटी,  
4 डोले पाटिल रोड,  
पूना-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संघर्ष के धर्म के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के धर्म के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/9881/84-85;  
जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 23-3-1985

कोडर ८

इसका नाम टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/5085/84-85—यतः, मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लेट नं० 6, पहली मंजिल, कुसूमनजाली अपार्टमेंट्स पारवती, सं० नं० 129/ए आई० ए, प्लॉट नं० 6, पूना-30 (क्षेत्रफल 430) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उदावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महाजन भिलारे असोसियेट्स,  
180, नागयणपेट,  
पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्री हिरालाल रमणोकलाल ठक्कर और अन्य,  
785, रविवार पेठ,  
पूना-21

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/5085/84-85, अगस्त 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 23-3-1985

मोहर :

प्रकाशक: डॉ. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/प्रो० टी० 893/84-85—यतः, मुझे  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
अधिकांश पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सहायक आयुक्तों का, यह विस्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्हकी सं० फ्लैट नं० 10 (पहला मंजिल), प्रभा  
अपार्टमेंट्स, कोयलुड, पूना-29 (क्षेत्रफल 554 वर्ग फुट) है  
तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपायुक्त अनुसूची में  
श्रीर पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर 1984

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वा  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

(1) मेसर्स पुष्कर बिल्डर्स (प्रमोटर्स),  
30/2, एरंडवणा,  
पूना-4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीण वसंत तुपे,  
286, शनिवार पेठ,  
पूना-30 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
रखने वाली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/ प्रो० टी०-893/  
84-85, अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण), अर्जुन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 23-3-1985  
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० सी० ए०-4/1158/37 ईई/403/एन० एस० के०/84-85—यतः, मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवशस्करण का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 15, ऊपरी मंजिल जहां कन्स्ट्रक्शन चालू है (तिलकवाड) सर्वे नं० 646, हिस्सा नं० 88 रोहिणी अपार्टमेंट्स नासिक (क्षेत्रफल 542 वर्ग फुट) है तथा जो नामिक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवशस्करण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ती हूँ—

(1) मेमर्स अरविद कन्स्ट्रक्शनस  
माऊली अपार्टमेंट्स,  
लोकमान्यनगर नजदीक,  
पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्रा भार० नेहते,  
फ्लैट नं० 11,  
बिसे वाडा, कानरा कार्नेर  
नजदीक, नासिक-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/403/नासिक 84-85 अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज के दस्ता में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-3-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एम. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइरू सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० सी० ए०-5/1139/37 ईई/5842/84-85---

यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिवकी सं० दुकान न० 6, तक मजला, "सायल चेबर्स"  
1216/6, एफ० सी० रोड, डेक्कन जिमखाना पूना-4  
है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उत्पन्न अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज  
में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए,  
बाई/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या हितोपभोग या अन्य जास्तिवां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स सी० एल० सिर्रोले,  
1216/6 डेक्कन जिमखाना, पूना-4

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गुरुड ग्रुपस  
2 विसराम बाग,  
कुम्रापरेटिव होमिंग सोसायटी,  
पूना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के दृष्टान्त में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/5842/84-85  
अगस्त 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 25-3-1985  
मोक्षर :



प्रकृष जाई.टी.एन.एच.-----

(1) श्रीमती रमन जहां बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) 1 श्री अमलम खान

(2) श्रीमती महल्लिका बेगम

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश नं० जी० आर्० संख्या ए-170/अर्जन-

वन. मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० मान है तथा जो ग्राम नरखोडा, तह० शाहबाद जिला रामपुर, में स्थित है (और जगमें उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
पारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन दिनांक अगस्त 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उक्त करने के इच्छा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात का किसी धन का अन्य दायित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बदकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इच्छा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त जगहों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

राष्ट्रवा

मकान स्थित ग्राम नरखोडा, तह० शाहबाद, जिला-रामपुर (जैमा फार्म 37 जो संख्या 1300 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुर के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 15-1-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० ए० 171/अर्जुन-यतः

मुझे ए० प्रसाद,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी संख्या भूमि है तथा, जो ग्राम नरखेडा, तह० शाहबाद जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 19 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण ठे हुआ किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूखिया के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मूखिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

- (1) श्री अफजल शेख खान
- (2) श्रीमती कमर जहां बेगम

(अन्तरक)

- (1) श्री अलम खान
- (2) श्रीमती महश्विना बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

आवेदन:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 10 एकड़ स्थित ग्राम नरखेडा, तह० शाहबाद जिला-रामपुर (जैसा फार्म 37-जी संख्या 1299 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुर के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा चुका है)।

ए० प्रसाद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ

तारीख : 15-4-1985

मोहर :

अन्व. भा. टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० जी० 78/अर्जन-यतः

मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
10 रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि खसरा नं० 512 है तथा जो  
मोजा-मऊ परगना व जिला मुरादाबाद में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यक्रम में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए की/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेन्द्र नाथ

(2) श्री जितेन्द्र नाथ

(अन्तरक)

(1) श्री गिरीश कुमार गुप्ता

(2) श्री यशपाल गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 512 पैमाईसी 2005.45 वर्ग मीटर  
(0-49 डि.मिल) स्थित मोजा-मऊ, परगना व जिला-  
मिर्जापुर जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद  
के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा चुका

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 27-3-1985

मोहर :

इसका बार्ड, टी. एच. एच. -----

(1) श्री सत्यनारायण प्रसाद ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राधिकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आई०आर० सं० आई-22/अर्जन—यतः

मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० सी-2/12 मय भूमि है तथा जो  
मोहल्ला हंकार टोला, वाराणसी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
वर्ती अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए दण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसंधानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बार्ड :—

(2) मेमर्स डिण्डिया टुबैको कंपनी,  
डायर पार्टनर,  
श्री रामनाथ वाराणसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

पनुसूची

मकान मय भूमि पैमाईसी 889 वर्ग-फिट नं० सी० 2/  
12, मोहल्ला हंकार टोला वाराणसी (जैसा फार्म 37 जी  
14525 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीवर्ती  
अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में अगस्त, 1984 को दिया  
जा चुका है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन कोल, लखनऊ

तारीख : 27-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

(1) श्री राम प्रकाश वैश्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश मृगना

(अन्तरिती)

(3) श्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या के०-152/एक्यू०-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता मकान धो मंजिला है तथा जो मिरछा टोला, बदायूं में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बदायूं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम की धारा-269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-66 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति या हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जो मंजिला मकान स्थित मिरछा टोला बदायूं (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6787 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी बदायूं के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 27-3-1985

मोहर :

प्रकृ. जाई टी. एम. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम०-215/एक्यू०—

यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सैर, ल्योनाड अग्रारपाटा नैनीताल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का बहुत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरांतरों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत ही राज्य में कभी करने या उसके बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) एसी किसी वाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री आर० शाह

द्वारा श्रीमती चम्पा शाह और श्री अनूप शाह

2. श्रीमती चम्पा शाह

द्वारा अटार्नी श्री अनूप शाह

3. श्री अनूप शाह

(अन्तरक)

(2) श्री महेश बेलवाल

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अवसूची

भूमि पैमाईशी 3259 वर्ग-मीटर स्थित सैर, ल्योनाड अग्रारपाटा, नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 297 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नैनीताल के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है)।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ,

दिनांक : 15-4-1985

माहुर :

अर्थ. टी. एन. ए. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नियम

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम०-216/एम्सू०-  
यत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि है तथा जो चटवारा बरेली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वास्तविक में कमी करने या उक्त बचने में अधिषा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
अधिषा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) 1 श्रीमती तारा देवी
- 2 आनन्द कुमार
- 3 श्री सतीश कुमार
- 4 श्री कमल कुमार
- 5 दीपक कुमार
- 6 श्री सुभाष कुमार

(अन्तरक)

- (2) श्री महेश सरन अश्ववाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजमूने के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाधक समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वाधक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपांडितारों के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि पैमाईशी 795 वर्ग-गज स्थित चटवारा, बरेली  
(जैसा फार्म 37-जी संख्या 6648 में वर्णित है) जिसका  
पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली के कार्यालय में  
अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, लखनऊ

दिनांक 27-3-1985

मोहर

**इसका कार्य-टी.एन.एस.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रेंज, लखनऊ**

**लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985**

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या पी०-136/एम्पू०-  
यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है तब जो मौजा-मऊ, जिला-मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुए किसी बाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दाखिल में कमी करने या उक्त करने में सुविधा दी जाए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में परामर्शित अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री अरण कुमार श्रीवास्तव  
अति० सिविल जज, मुरादाबाद  
2. श्री श्रेष्ठवीर भटनागर  
3. श्री धर्मवीर भटनागर

(अन्तरक)

- (2) प्रकाश नगर सहकारी आवास समिति लि०,  
मोहल्ला जोलाल, मुरादाबाद  
द्वारा श्री ओम प्रकाश अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि देमाईसी 3.18 डिसेमिल स्थित मौजा मऊ जिला-मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6010 में वर्णित है) जिसका रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 27-3-1985

मोहर :



प्रकाश आर्टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या पी०-137/एक्यू०—

यतः मुझे; ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औ जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 215 है तथा जो लडापुर जिला-बिजनौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वाञ्चल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में नामित विषय में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से 'हूँ' किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, निम्न भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री निसार अहमद
2. श्री हबीब अहमद
3. श्री रईस अहमद

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री प्रदीप कुमार
2. श्री प्रभात कुमार

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विषय कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 215 पैसाईसी 6 बीघा 19 बिस्वा स्थित लडापुर जिला-बिजनौर (जैसा फार्म, 37-जी संख्या 3898 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बिजनौर के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद;

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, लखनऊ.

दिनांक : 27-3-1984

मोहर

प्रकाश जाई. टी. एन. एम. —————

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नारत्त प्रकाश

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर०-245/एफ्यू०—

यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० रिपब्लिक होटल कम्पानि लिमिटेड का एक अंश  
है तथा जो नैनीताल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में बोझ करने या उसके वर्धन में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल बंद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज दुलारी जेठी

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रिपब्लिक होटल का एक हिस्सा पैमाईसी ₹211.66  
वर्ग-मीटर स्थित नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 311  
में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजि. डीकर्ता अधिकारी  
नैनीताल के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका  
है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, लखनऊ

दिनांक : 15-4-1985

मोहर

मूल्य बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

द्वारा प्रसारित

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ:

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम०-362/एच०--

मत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मय भूमि है तथा जो सिविल लाईन्स  
35, रामपुर बाग बरेली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारा में कभी करने या उसमें बचने में सीमा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को  
बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये या छिपाने में सीमा के लिए;

(1) श्रीमती विनोद बाला शर्मा

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शिव दयाल

2. श्री कृष्ण कुमार

(अन्तरिती)

(3) विज्ञेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मय भूमि पैमाईशी 315 वर्ग-गज, स्थित सिविल  
लाईन्स 35, रामपुर बाग बरेली (जैसा फार्म 37-जी संख्या  
6091 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
बरेली के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

दिनांक 27-3-1985

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एस०-363/एक्यू०—

मत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो ग्राम छावनी, सिविल लाईन्स, मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 श्री जय किशन  
2. श्री मलय नारायण  
3. श्री रामेश्वर  
4. श्री कामेश्वर प्रसाद  
5. स्वयं व कर्ता खानदान कामेश्वर प्रसाद  
(एच० यू० एफ०)

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स शिव शक्ति सहकारी आवास समिति लि०,  
मण्डी बान्स, मुरादाबाद,  
द्वारा सचिव श्री ताहिर हुसैन ।

(अन्तरिणी)

- (3) विनेता व किरादार डी० आई० जी०, पी० टी० सी०  
(वह व्यक्ति जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्रकी

प्लॉट (आराजी, पैमाईशी 7143.34 वर्ग-मीटर मय कोठी जोकि 562 वर्ग-मीटर पर निर्मित है। स्थित प्लॉट नं० 457 ग्राम छावनी सिविल लाईन्स मुरादाबाद मय पुरानी नवार्दर मय 188 वर्ग-मीटर भूमि (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5379 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक 27-3-1985

माहुर

प्रत्येक भाग टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम०-217/एचयू०—

यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी भूमि है तथा जो ग्राम-दुरगू नगला, तह०-सदर, जिला-रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार बने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मोदी एक्सरोक्स लि० मेरठ  
द्वारा भूमि प्रबन्धक अधिकारी  
श्री पुरुषोत्तम स्वरूप ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मोदीपुर होटल्स प्रा० लि० मोदीपुरम, मेरठ  
द्वारा श्री शरद अभ्रवाल, डायरेक्टर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

आराजी भूमि पैमाईसी 7 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम-दुरगू नगला, तह०-सदर जिला-रामपुर (फैसा फार्म 37-जी संख्या 2198 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुर के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15-4-1985

मोहर

प्रकाश बाई. टी. इन. एच. एच.

(1) श्री सत्य प्रकाश ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आर० संख्या एन०-90/एक्यू०—

यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके बरवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स० भूमि नं० 58 है तथा जो ग्राम-नरु बुजुर्ग  
बदायूं में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बदायूं  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 30 अगस्त 1984

को बर्खोस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बर्खापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
अल्प प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित या वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) सम्पत्ति से हुई किसी भी लाभ की वसूल उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कारण से  
कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रवो-  
वर्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए या डिपाने में बाधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, बर्खा है—

(2) 1. मेसर्स न्यू आवर्स फार्निटर्स कम्पनी, बदायूं ।

द्वारा श्री बृज भूषण,  
मैनेजिंग पार्टनर

2. मेसर्स भारत ट्रेडिंग कम्पनी, बदायूं

द्वारा श्री शान्ती लाल अरोड़ा

मैनेजिंग पार्टनर

3. मेसर्स अनेजा ट्रेडर्स, बदायूं

द्वारा श्री सुन्दर सिंह,

मैनेजिंग पार्टनर

(अन्तरिती)

(3) विधेता

(वह व्यक्ति जिसके आधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्रवाईयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपरान्त प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारकारी के पास  
निहित न हो कि या सकेंगे ।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ण होना, जो उस अध्याय में दिय  
गया है ।

बदायूं

भूमि नं० 58 पैमाईसी एक बीघा, 19 बिस्वा और 3  
बिस्वास्ती, स्थित ग्राम नरु बुजुर्ग, जिला-बदायूं, जिसका  
पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बदायूं के कार्यालय में दिनांक  
30-8-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी  
संख्या 6978 में वर्णित है) ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15-3-1985

सुहृद

प्रमाण नम्बर: बी.ए.ए.ए. 1/1985-86

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एन०-91/एक्यू०-

यतः सुश्री, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 59 है तथा जो ग्राम-नऊउ बुजुग  
जिला-बदायूं में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बदायूं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 30 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवक्षा करने  
का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का मूल्य  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए यह पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरक निम्नलिखित से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

'(क) अन्तरक से हुए किसी भी लाभ, उक्त  
अधिनियम के अधीन कट जाने के कारण से  
व्यवस्था में कमी करने या उक्त करने से कटाना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए था, छिपाने से विवक्षा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार  
मेरे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा: :-

(1) श्री कृष्ण मुरारी लाल ।

(अन्तरक)

- (2) 1. मेसर्स न्यू आदर्स फाइनैन्स कम्पनी, बदायूं  
द्वारा श्री बृज भूषण,  
मैनेजिंग पार्टनर  
2. मेसर्स भारत ट्रेडिंग कम्पनी, बदायूं  
द्वारा श्री शान्ती लाल अरोड़ा,  
मैनेजिंग पार्टनर,  
3. मेसर्स अनेजा ट्रेडर्स बदायूं  
द्वारा श्री सुन्दर लाल सिंह,  
मैनेजिंग पार्टनर

(अन्तरिती)

(3) विप्रेता ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के व्यवस्था में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की मारीम से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायिकता:- इसमें प्रयुक्त सबको और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होगा, जो उक्त अन्वय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 59, पैसाईशी 1 बीघा, 19 बिस्वा और 12  
बिस्वास्थी स्थित ग्राम-नऊउ, बुजुग जिला-बदायूं, जिसका  
पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बदायूं के कार्यालय में दिनांक  
30-8-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी  
संख्या 6979 में वर्णित है) ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15-3-1985

मोहर

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राम रत्नपाल रस्तोगी ।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एन०-92/एक्यू०---

यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बदायूं में स्थित है (और  
इससे उपायय अन्वसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बदायूं में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उपपक्ष से उक्त अंतरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वापस में कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) 1. मेसर्स न्यू आदर्श फार्मेन्स कम्पनी, बदायूं

द्वारा श्री वृज भूषण,

मैनेजिंग पार्टनर

2. मेसर्स भारत डेजिंग कम्पनी, बदायूं

द्वारा श्री शान्ति लाल अरोड़ा,

मैनेजिंग पार्टनर

3. मेसर्स अनेजा ट्रेडर्स, बदायूं

द्वारा श्री सुन्दर सिंह,

मैनेजिंग पार्टनर

(अन्तरिणी)

(3) विप्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 1 बीघा, 18 बिस्वा और 11 बिस्वा सी  
स्थित जिला-बदायूं (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6983 में  
वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बदायूं  
के कार्यालय में दिनांक 30-8-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लखनऊ

दिनांक : 15-3-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री सदानंद विरूपक्ष वागले ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश बालकृष्ण मिस्री आचरेकर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई/2358/83-34—अतः  
मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० एल०-13, जो, महाराष्ट्र को-आप०  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, आंबेकर नगर, आर्क परेल टैंक रोड़,  
परेल, बम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18 अगस्त 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को  
दृष्टि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एल-13, जो, महाराष्ट्र को-आप० हाउसिंग  
सोसाइटी लि०, आंबेकर नगर, आर्क परेल टैंक रोड़, परेल,  
बम्बई-12 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3396/-  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

माहेश्वर 2

प्ररूप बख्.टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई/2386/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 47, जो, 4थी मंजिल, 'रजत अपार्टमेंट्स, माउंट प्लेसंट रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 है, तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचबन्ध से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री युवराज श्री प्रवीणचंद्र सिंह जी।

(अन्तरक)

(2) डॉ० योगेश प्रबालाल पारीख,  
और श्रीमती स्मिता योगेश पारीख।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 47, जो, 4थी मंजिल, रजत अपार्टमेंट्स, माउंट प्लेसंट रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-1/37-ईई/3397/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

आह्वार

प्रथम भाग. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञेय रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई/2774/83-84—प्रतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, 4थी मंजिल, इमारत  
स्कायरक्रेपर "बी" भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 है तथा जो  
बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18 अगस्त  
1984;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती वेट्टी सोली श्रॉफ और हेक्टर सोली श्रॉफ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिनाक्षी मनहर उदास और मनहर रेकेशभाई  
उदास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 2, जो, 4 मंजिल इमारत स्कायरक्रेपर "बी०"  
भुलाभाई देसाई रोड बम्बई-6 में स्थित है -

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/34/2 84  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञेय रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/2478/84-85—अतः

मुझे, ए. लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 92-ए, जो, 9वीं मंजिल, "पुरुषोत्तम टावर्स, इमारत, प्लॉट नं० 884, टी० पी० एस० 4, आफ गोखले रोड़ साउथ वास्कर, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपायवादी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बम्बई से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयंत मणिकलाल वागले ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र घसुलाल जैन, सुरेन्द्र घसुलाल जैन, और नरेन्द्र घसुलाल जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 92-ए जो, पुरुषोत्तम टावर्स, 9वीं मंजिल, प्लॉट नं० 884, टी० पी० एस० 4, आफ गोखले रोड़ साउथ वास्कर, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-1/37-ईई/3404/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वयन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ई०ई०/3217/84-85—अत  
मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन अध्यापक प्राधिकारी को यह निश्चय करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 93वीं, जो, मेजर टावर, कफ परेड,  
बम्बई-5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपरोक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और निम्न नामा  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के  
अधीन बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय में अधिष्ठी  
है, दिनांक 28 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विचार  
करने का कारण है कि यथापरोक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में पूर्विधा के लिए;  
बाँट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—66 GI/85

(1) श्री सुमेन कुमार अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

(3) श्रीगोपाली अग्रवाल

(यदि व्यक्ति, जिसे अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बायोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तिगत रूप से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही माना होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 93 जी जो मेजर टावर, कफ परेड, बम्बई-5  
में स्थित है।

अनुसूची 1 में क्र० सं० आई०-1/37-ई०ई०/3508/  
84-85 और जो अध्यापक प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,  
मध्यम प्राधिकारी,  
तथा : आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985  
मोहर

[illegible]

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सायबुल सायबुल

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निराकरण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-१/३७-ई०ई०/३२३०/८४-८५-अत.

मुझे, ए० लहिरी,

अथर्व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अथर्व अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन इसका प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं० 54(ए), जो, 'अनीता' को-ऑपे-  
रेटिव सोसाइटी लि०, माउंट प्लेन रोड, बम्बई-6 है तथा जो  
बम्बई-6 में स्थित है (और अपने ग्राहक अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसे अंतरात्मा प्रायश्चित्त अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 के अन्तर्गत अधीन बरबई स्थित  
सबम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है, दिनांक 31 अगस्त  
1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरणों से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जानकारी, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) एनपी डिग्री प्राप्त या डिग्री प्राप्त या अन्य योग्यताएँ  
यहाँ विद्यार्थी द्वारा प्राप्त की गई हैं। (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रत्येक वर्ष अलग-अलग द्वारा एक नहीं किया  
गया था या किया गया अधिनियम या, डिग्री के  
अधिनियम के अधिनियम।

जहाँ तक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, नियमितकृत व्यक्तियों : गणना :-

(1) આ જે ૦ પૂનં ૦ ગુપ્તા આદિ અન્ય ।

(अन्तरक)

(2) श्री मयुर संवतीनाल चांकगी और  
श्री संवतीनाल एम० चोकसी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूझा बारी करके पूरक संघर्ष के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

सबसे सशक्त के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी बातें:-

(क) इस सूचना के उपखण्ड में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उससे अधिक अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पब्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्वयं स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास रजिस्ट्रार में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 54(ए), जो, "अनीता" को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माउंट प्लेसंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

प्रसूती जैत कि क्र० सं० प्र०-1/37-ई० ई०/2764/84-85 और जो पञ्चम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 21-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

अक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकार आयकन (तिरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई-

दिनांक : 12-4-1985

भाहिर :

प्रकृत नाम टी.एन.एस.

(1) श्री भवानजामाई देवजी देवीया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सदनानन्द मुदनाल जैन ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अभिमोह में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ई० ई०/3461/84-85-अतः  
मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 104, जो, 1वीं मंजिल, अनुभाग,  
9-बाणगंगा रोड, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यक्ची व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

फ्लैट न० 104, 1वीं मंजिल, अनुभाग, 9, बाणगंगा रोड,  
बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई०-1/37-ई० ई०/3237/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
3-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० लहिरी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति या व्यक्तियों :—

दिनांक 12-4-1985  
मोहर :

प्रकाश बाई, टी.एन.ए.-----

(1) श्री आभ मेहता,  
प्रोफेसर आफ मेडिकल साइंस।

(अन्तरक)

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेमर्न आयोग।

(अवगति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषण आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ई० ई०/3476/84 85 अ०  
मुझे, ए० लहिरी,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसको पर्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट न० 1320 जो 13वीं मजिल प्रमोव चेवर्स प्रिमायस का-आप० गांठटा दि०, मन्देशी मिन् कपाउड, ऑपिंग राउन्ड बम्बई-4 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में अ० प० का सं० स्थित है), और जिसका मालिकाना अधिकार अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई नियत अर्जन अधिनियम के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल में पूर्ण रूप से उपयुक्त का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय प्राप्ता तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात का एकत्रीय धन या अन्य वास्तविकों को, जिसके भारतीय भाषण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भाषण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राह्यताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट न० 1320 जो 13वीं मजिल प्रमोव चेवर्स प्रिमायस का-आप० गांठटा दि०, मन्देशी मिन् कपाउड, ऑपिंग राउन्ड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची में कि क्र० सं० अई०-1/37-ई० ई०/3247/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० लहिरी,  
सूक्ष्म प्राधिकारी,  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, बम्बईदिनांक : 12-4-1985  
मोहर :



प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वैजयंतीमाला सी० बाली ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ई० ई०/3479/84-85--अतः

मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विषयगत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 25, 6वीं मंजिल, "धुरु महल", "एफ" रोड, आफ मरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करदाता आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व करने का कारण है कि विधायक सक्षम प्राधिकारी का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस सम्पत्ति के लिए पाँच प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक अन्तरक के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री महेन्द्र टी० भाम्मेर और श्रीमती आरती० एम० भाम्मेर । मास्टर संदीप एम० भाम्मेर (मायनर), और मास्टर विजान एम० भाम्मेर (मायनर) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृढबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25, जो, 6वीं मंजिल, "धुरु महल", "एफ" रोड, आफ मरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-1/37 तू ०/3510/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985  
माहुर :

प्रत्येक भाग, टी. एर. एस.

(1) श्री प्रकाश एन० बंगानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुबोध कृष्णा तारी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ई० ई०/3980/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, "ई" विंग, बिना बिना  
अपार्टमेंट, आचार्य दौदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई है तथा जो  
बम्बई में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विषय  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो, बी-विंग, बिना बिना अपार्टमेंट,  
सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-1/37-ई० ई०/3250/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रमाण नम्बर: टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना -

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०-1/37ई० ई०/3488/84-85-अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमासेम नं० 45, मितल कोर्ट  
'ए' विंग, 4थी मंजिल, प्लॉट नं० 224, ब्लॉक 3, बकवे रेक्ल-  
मेशन स्कीम, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करगणनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अंशमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके अंशमान प्रतिफल से, ऐसे अंशमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में कोई किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने पर उससे बचने में सहायता  
की जाए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बत या अन्य व्यक्तियों  
को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने के सूचना के द्वारा

नतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :-

- (1) मे.टी. गोपीनाथ इंजिनियरिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन।  
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स स्वदेशी लेगिंग कंपनी लिमिटेड।  
(अन्तरिती)
- (8) अन्तरकों।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सक्षम अन्तरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

सहस्रोत्तरण :- इसमें प्रकट किये गए पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमासेम नं० 45, मितल कोर्ट, ए-विंग, 4थी  
मंजिल, प्लॉट नं० 224, ब्लॉक 3, बकवे रेक्लमेशन स्कीम,  
नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37ई० ई०/3260/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-4-1980

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 12 अप्रैल 1985

नि. देशसं० आई०-1/37ईई० 3495/84-85 अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० दुआ नं० 2, जो शांती नगर, 98, लक्ष्मी  
आई जयमोहनदास रोड बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित  
है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्धन प्रतिफल में अधिक है  
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में बचने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि:—

(1) मेगार्थ हेमन कामेगा 115 बपनी ।

(अंतरको)

(2) श्रीमती रुक्मणीबेन प्रेमजी शहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में वह सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हल्लेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, शांती नगर को-आप० हाउसिंग सोसाइटी  
लि०, 98, लक्ष्मीआई जयमोहनदास रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37-ई० ई०/3264/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-  
1984को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 12-4-1985  
मोहर .

## प्रकरण आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/3505/84-85 - अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वान बनने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० फ्लैट नं० 8, जो 4 श्री मंजिल, सुदामा, 214, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6, है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उगावट अनुसूची में और पूर्णतः वर्णित है)। और जिन्की वारसनामा आय का अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-8-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गणपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में दस्तनिबक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति दायित्व में नहीं किया जा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—66 GI/85

(1) श्री गीतलाल छोटालाल मुहता,  
बुलेश बागलाल मेहता, और  
बुलेश गीतलाल मुहता  
और सविधित आफ मायन  
अबू बुलेश मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लीलावती मणिलाल शहा और  
श्री जितेन्द्र मणिलाल शहा।

(3) अन्तरिकों

(वह व्यक्ति जिसको अधिनियम में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो 4 श्री मंजिल, सुदामा, 214, बालकेश्वर-रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/3282/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

तारीख 12-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/3507/84-85--अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 20, जो, 3 री मंजिल, ताडदेव एअर,  
कंडिशनड मार्केट, ताडदेव बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-34 में स्थित  
है और जिसका बरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ख के अधीन, तारीख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की अवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे जयन में सविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-वत् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती ललिता नारायण वोला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सायरा डीड, व्होरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 20, जो, 3 री मंजिल, ताडदेव एअर कंडिशनड  
मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/3284/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

एक बार टी. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/350/84-85-—मतः

मुझे, ए० लहिरी, \*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० यूनिट नं० 319ए, जो, 3 री मंजिल, सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, लैन्ड वेस्टिंग सी०एस० नं० 2/159, 1ए/160, 1सी/160, 18/160, 1ए/184, परेल सिवरी डिविजन, बम्बई है तथा जो, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) । और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है । तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरीति (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के बाधत्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित हूँ—

(1) मैसर्स प्रभूदास  
दालीचंद एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एलताथ भालचन्द्र लोम्बेर और  
श्री० दिलीप भालचन्द्र।

(अन्तर्लिखित)

(3) अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 319ए, जो, 3 री मंजिल, सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, लैन्ड वेस्टिंग सी०एस० नं० 2/159, 1ए/160, 1/160, 1सी/160, 18/160, 1ए/184, परेल सिवरी डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/3286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

समक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती स्वर्णमणि हनुमान राय अग्रवानी।

(अन्तरित)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुरलीधर एच० अग्रवाल और  
श्री हनुमान राय अग्रवाल।

(अन्तरित)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निदेश नं० अई-1/37ईई/3510/84-85 -- अतः  
मुझे, ए० लहिरी,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, "विष्णु  
महल", डी रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 है तथा जो, बम्बई-20 में  
स्थित है (और जो उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)  
और जिसका पत्ता नमा आदर्श अधिनियम 1961 की धारा  
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा  
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, विष्णु महल, डी रोड,  
चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची क्रमांक नं० अई-1/37ईई/3287/84-85 में  
और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, दिखाने में सुविधा  
सुविधा के लिए,

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 12-4-1985  
माह 4



प्रकाशक: टी. एन. एल.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/3511/84-85-अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मूल्य कीमतें 10 लाख रुमात्र एण्ड लेन, मासगाव,  
सी० ए० न० 399, नाशिका डिविजन, बम्बई में पंजीकृत हैं, बम्बई  
में पंजीकृत हैं (और जो कि उक्त अनुसूची में जी० पूर्ण रूप से वर्णित  
है)। और जिसका शरणाग्र अधिनियम 1961 की  
धारा 269-क के अधीन बम्बई निरीक्षण प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 6-8-1984,

यह पूर्वोक्त संपत्ति में उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अर्जित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रति  
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त  
विक रूप में वर्णित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एकाजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) टूस्टीज आफ़ डुमराशला  
अब्दुल अली डालाबादी।

(अन्तरक)

(2) मेज़री सुमर एगोतिगुट्टन।

(अन्तरिती)

(3) भाडून।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है।

(4) टूस्टीज।

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अज्ञात-  
धारी जाता है कि वह सम्पत्ति में  
हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातधारी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जिसमें 10 लाख रुमात्र एण्ड लेन, मासगाव, सी० ए० न०  
399, नाशिका डिविजन, बम्बई में पंजीकृत है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/3288/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 का  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

पक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, बम्बई

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, बर्नात् हूँ---

तारीख 12-4-1985

साहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री वी० एन० बगडिया,  
एच०यू०एफ०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (2) मेसर्स पराग कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/3516/84-85--अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिड नं० 509, जो, प्रसाद चेंबर्स, आपेरा-  
हाउस, बम्बई-4 है तथा जो, बम्बई-4 में स्थित है (और इनमें  
उत्पन्न प्रभुत्वों में और पूर्णत्व में वर्णित है) और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 6-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत छ  
राजिस्टर में करनी करने या उक्त बंधन में वृद्धि  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या  
नाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाता पाहिजे या, छिपाने में सक्षम  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूचित :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकना।

प्रतीकरण:--इसमें प्रयुक्त अर्थों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अधिसूची

आफिड नं० 509, जो, प्रसाद चेंबर्स, आपेरा हाउस, बम्बई  
में स्थित है।

अनुसूची जै। नि. क्र० सं० आई-1/37ईई/3336/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :-

प्रमाण नम्बर टी. एम. एच.-----

(1) मेमर्स विल्ड किया।

(अन्तरक)

भाषापर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) विवेकानन्द केन्द्र।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/3520/84-85--

अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तृत उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिन्की सं० फ्लैट नं० 1, जो, "श्री राम भवन", प्लॉट नं०  
772, जो, डी०एम०इस्टेट, साउथ तिलक रोड, पारसी कालोनी,  
दादर, बम्बई-14 में स्थित है। (और इससे उपायवत् अनुसूची में  
और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिन्का कनारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्राधिकार के लिए नस्तिरि की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और नस्तिरि  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना तब पाया गया  
इतिहास, निम्नलिखित संयोजन से उक्त उपायवत् निहित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीवा एच करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्याहस्ताकारी के पास  
निर्दिष्ट में किया जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) कथरक से हुई किसी धन की वास्तविक सफल  
अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

फ्लैट नं० 1, जो, श्री राम भवन, प्लॉट नं० 772, डी०एम०  
इस्टेट, साउथ तिलक रोड, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/3339/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/3523/84-85--अन

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे नं० फ्लेट नं० 124, जो, 12 वीं मंजिल, सननाम अपार्टमेंट, कंक पारेड, बम्बई-5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णतः से वर्णित है)। और जिसे इस प्रकार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि कि उभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मे.सं.जी.टी.जी.० गिणिया एजेंसी।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद फखरी गंगा और श्रीमति मनीषा मईस पंचा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 124, जो, 12 वीं मंजिल, सननाम अपार्टमेंट, कंक पारेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/3341/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

नवीयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्रकाशित: टी. एन. एम्. एम्.

(1) श्री शिव प्रसाद के० अगरवाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जामकूदेवी हस्तीमल और श्री हस्तीमल लामूराम शेठीया ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3534/84-85—

अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 4 थी मंजिल, मन्त्री कार्नेर, जंक्शन आफ गोखले रोड, सयानी रोड, बम्बई-28 है तथा जो, बम्बई-28 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है। तारीख 7-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में करी कराने या उससे बचने में शायद्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शायद्व के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

8-66GI/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शायद्व :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, 4 थी मंजिल, मन्त्री कार्नेर, जंक्शन आफ गोखले रोड, सयानी रोड, बम्बई-26, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/3351/84-85 और जो सत्ता प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ई ई/3554/84-85—यत, मुझे  
ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 45-ए, न्यू मिरामर को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि० 3, नेपियन सी० रोड, बम्बई-35 है, तथा जो बम्बई  
में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाबा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बाय की वजह, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर बनें के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द धी० मन्नारामानी

(अन्तरक)

2. श्रीमती निगा मुरी और श्रीमती धर्म बती मुनेजा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अधीन या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकार्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 45-ए, जो, न्यू मिरामर को-आप० हाउसिंग सोसायटी  
लि० 3, नेपियन सी० रोड, बम्बई-35 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई०-1/37-ईई/3366/84-85  
और जो सक्षम अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-84 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई 1/37 डी ई/3569/8 85—यत, मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

आपका प्लॉट न० 302, जो, तीमरी मजिल, "अंजली अपार्टमेंट्स", फेन्व ब्रिज आपेरा हाउस, बम्बई 4 है, तथा जो  
बम्बई में स्थित है (जो इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
तक वर्णित है) का मालिक जगरामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 ग, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में दर्जस्ट्री है, तारीख 13 अगस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल में, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की अवधि उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या जो जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. राजा (बन्डरी एण्ड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर० कानीलाल एण्ड कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट न० 302, जो, तीमरी मजिल, "अंजली अपार्टमेंट्स",  
फेन्व ब्रिज, आपेरा हाउस, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची, जैसा कि क्र० सं० आई 1/37 डी ई/3304/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1981  
की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ई ई/3576/84-85—यतः, मुंबे,  
ए० लहिरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० आफिस नं० 619, जो, 6वीं मंजिल, पंचरत्न  
एम० पी० रोड, आपेरा हाउस, बम्बई-4 है, तथा जो, बम्बई-4  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से,  
वर्णित है), और जिसका कारागमा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13 अगस्त 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त त  
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
इच्छा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री नानजी जिवराज करासी, अर्थात् मोहनलाल संघवी  
और कातीलाल भीमशा नागदा ।

(अन्तरक)

2. मास्टर सुमीत एम० कोठारी, सिद्धार्थ एम० कोठारी,  
सौरभ एम० कोठारी (मायनर्स), बाय देअर गार्डियन  
शांती कुमार जी० कोठारी

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

इस सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी व. एस  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 619, जो, 6वीं मंजिल, पंचरत्न,  
एम० पी० मार्ग, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है ।  
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ई ई/2904/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
13/8/75 को रजिस्टर्ड किया गया ।

ए० लहिरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर



प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-37-ईई/3583/84-85—प्रतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का कारण  
है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु० से अधिक है

और जितनी सं० यूनिट सं० 355, जो, तीसरी मंजिल, शहा  
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोभर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-  
1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गिलाजली एक्सपोर्ट कारपोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के  
प्राप्त लिखित से किया जा सकेगा।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रकृत शर्तों और एकांकों, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 355, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोभर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3420/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष कार्यवाही की प्रणाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3584/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पक्षस्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 336, जो, तीसरी मंजिल, ए-1,  
शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गिताराम जाधव मार्ग, लोअर  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के संबंध  
में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भुग्न या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुग्न-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) गिटी अगारेल्स ।

(अन्तरिणी)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-  
गुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 336, जो, तीसरी मंजिल, ए-1, शहा एण्ड  
नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल  
बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसी कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3421/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

**प्रमुख आई.टी.एन.ए.ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कोटीयन कारपोरेशन ।

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3585/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

उक्त संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० यूनिट सं० 310, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा नवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से अधिल नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधात (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों की सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 310, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए- धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/3422/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स ज्योत टेक्सटाइल कारपोरेशन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3586/84-85—प्रतः मुने,

ए० लहिरी,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० यूनिट सं० 309, जो, तीसरी मंजिल, शहा  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-  
हृची में अंशपूर्ण रूप से वर्णित है) अंतःस्था वारन्तामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
16-8-1984,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

यूनिट सं० 309, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3423/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) टैक्नापोर्ट गार्मेंट्स प्रा. लि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/3587/84-85—अन मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन अधिनियम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अर्जित की गई म० यूनिट म० 335 जो तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित महारक प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कभी कभी या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

यूनिट म० 335, जो तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त सूची किया गया था या किण्व अन्तर्गत था, के अर्जन में सुविधा के लिए,

अनुसूची जिस कि क्र० म० आई-1/37-ईई/3424/84-85 और जो पञ्चम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

उपम प्राधिकारी

महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज बम्बई

म. प्र., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधिनियम लिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक 12-4-1985

माहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

(1) शहा एण्ड नहार एंजिनियरिंग।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) गोलामभा वाफिया वा. वि०।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करना है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3588/84-85—अतः मं०,  
ए० लहिरी;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलेखाक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

जिसकी सं० यूनिट सं० 329, जो, तीमरी मंजिल शहा  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अन्तर्क  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारभरमा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-  
1984,

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

यूनिट सं० 329, जो तीमरी मंजिल शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अनुसूचा जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/3425/84-  
85 में या अन्य प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-  
84 को रजिस्ट्री किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 12-4-85  
मोहर

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कोलाराम प्लासिडक्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3589/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 322, जो, दूसरी मंजिल, शहा  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड,  
सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका सार्वजनिक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
जिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

यूनिट सं० 322, जो, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सिताराम  
जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/3426/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

इसका नाम: टी. एस. एस. ...

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश स० अई-1/37-ईई/3597/84-85--अन मुझे,  
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है।

और जिसकी स० आफिम प्रिमायमेस स० 20, रेकम चेबर्स, डब्ल्यू एच० मार्ग, बैलाड ईस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापयोग्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरांश (अंतरांशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह शायद वया प्रति-  
 षय निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अंतरण निहित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कवरण धरु' किसी बात का वायदा केवल विधिवत नियम को अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा न मिले।  
कोर/या

(क) इसी विधायी कानून या विधायी धर्म का मन्थन वास्तविकता को, किन्तु भारतीय वास्तविकता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वास्तविकता अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोगार्थ मन्थरित होना प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, जिससे वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः

(1) मेतर्स निगमा एकायोटस (प्राइवेट) लिमिटेड ।  
(अन्तर ५)

(2) श्री युग पाल वाधवान और श्रीमती मीना बाई पी०  
वाधवान ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिनिधो ।

(वह व्यक्ति, जिसे अधिक भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पिस्त क अर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता है ।

उक्त सपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्समर्थित व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, या भी अवधि तक में समाप्त होती है। कौनसे पत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस मूल्यांकन के राजपत्र व प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर सत्र स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आवाहताधारित व पक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो 4 अध्याय "दिया गया है।

## अनसूची

आफिल प्रिमायसल न० २०, ज। रंजन वेदम, बालचन्द्र  
हिराचन्द्र मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, बम्बई-३८ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० भ, प्रई-1/37-ईई/3.129/84-85 और वक्षम प्राधिकारों, जम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

पृ० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1985

मोहर .



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री किशिनचन्द ज्ञेसन्द धनधानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स अश्विन डामंडस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3604/84-85—अतः सूचे, ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेम सं० 1204, जो, प्रसाद चेंबर्स, रावसी के पास, बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 फख के प्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक को गृह्य है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालोभत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्ति का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालोभत व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में आई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीयकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेम सं० 1204, जो, प्रसाद चेंबर्स, रावसी के पास, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/3373/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

अध्याय 21-ए.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई-607/84-85-अत मूखे  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 126, जो, पहली मजिल, अध्याय इण्डस्ट्रियल  
प्रिमायसेम को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, न्यू गव मिल  
कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269-ब के  
अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 16-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एक अन्तरण से लिए हुए पाला  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
कार्यालय में करी कर के लिए होने से मुक्ति  
के लिए; और/या

(ख) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
कार्यालय में करी कर के लिए होने से मुक्ति  
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 8—

(1) श्री तरुण बी० अध्याय, श्री रोहित बी० अध्याय और  
श्री सुकेश बी० अध्याय।

(अन्तरक)

(2) श्री चुनीलाल मेघर्जा शहा, फादर एण्ड तचरल  
गार्डियन फार एण्ड आन दिग्गफ ग्राफ मास्टर हितेश  
कुमार चुनीलाल शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरका।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

गैर उक्त सं० धारा 269-ब के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
कार्यालय में करी कर के लिए होने से मुक्ति

उक्त सम्पत्ति के लक्षण के सम्बन्ध में कार्य भी जारी है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर या स्थायी गतिविधि पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि घट से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
1,00,000/- रु से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्थ होगा या उस अध्याय में विशा  
या है।

अनुसूची

यूनिट सं० 126, जो, पहली मजिल, अध्याय इण्डस्ट्रियल  
प्रिमायसेम को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, न्यू गव मिल  
कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जता कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3375/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84,  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-I, बम्बई

दिनांक 12-4-1985

मोहर

(1) यथा ण्डं तद्वायुं ण्मोक्षिण्डम् ।

(अन्तरक)

( ୨ ) ଭଜନ-ସାଗର ନାଗାଲିପି ।

(अन्तरिणी)

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० यई-1/37-ईई/3621/84-85--प्रत मुझे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पदवार 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधिनियम के अन्तर्गत 25 दिवसों के अन्दर करने का कारण है कि स्थान पर पर्याप्त, प्रमुख उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है।

श्रीर जिसकी स० यूनिट स० 316 जो, तीसरी मजिल, शहा  
गण्ट नहार गण्डगिद्वयल इन्स्टेट ए-1 नितागम जाधव मार्ग  
लोअर परेल, तराई-13 मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनु-  
सूची के श्रीर पूर्ण रूप से स्थित है), श्रीर जिसका कारगनामा  
आयतन अधिनियम 1961 वर्ग धारा 269 बख के अधीन बगई  
स्थित शक्य प्राधिकारों के तालिक में शामिल है दिनांक 16-  
8-1984.

[illegible]

(क) आंतराष्ट्रीय - यह जिससी जात का होगा, उसका  
वर्गीकरण - यह जात - के अनुसार होगा  
इस वि. सं. कृषि करने का सबसे पहले में सविधा  
के लिए, और/या

[illegible]

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्त्रीयत के निर्देश के विषय कार्यवाही कराता हूं।

उक्त सम्पत्ति का बर्तन को सम्पत्ति में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समझा होती है। के अतिरिक्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा

(क) इस सूचना को राणपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मण्डी में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहिस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रतिकारण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**जनसूच्ये**

यूनिट नं० 314 जो बीसरी मणिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट— धिता म नाथद्व मार्ग लोअर पगेल बम्बई-3 मे स्थित है ।

अतसूची जैता रिक्त, आई-1/37-ईई/3377/84-85  
और जो सक्षम पाधि लागू, आई द्वारा दिन क 16-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

॥ नहिरी  
पक्षम प्राधिकारी

17. आयः प्रायःकरः आयवतः (निरीक्षण),  
अर्जल रेज-1 बम्बई

दिनांक 10-4-1987  
मोहर

वे अर्थ र निवृत्ति के वास्तविकता, अर्थात् :-

प्रमुख आई.टी.एल.एस.-----

(1) गृहा एण्ड नहरा एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) गिनावेल निगमिडभाई गृहा ।

(प्रत्यगिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3622/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० यूनिट सं० 345, जो, गृहा एण्ड नहरा इण्ड-  
स्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-  
13 में स्थित है (श्रीर डगसे उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है) श्रीर जिनका कार्यालया नाम आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-ब के अर्थानुसार बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी धिनी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किण्व जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूचों

यूनिट सं० 345, जो, गृहा एण्ड नहरा इण्डस्ट्रियल इस्टेट  
ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित  
है ।

अनुसूचों जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3378/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

अध्यक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रेमल एच० उदानी और श्री पराग एच० उदानी  
(अन्तरिती)

## भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3623/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 31, जो, तीसरी मंजिल, शहा  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाय्य अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री, दिनांक  
16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
में वर्णित निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10-66GI/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 311, जो, तीसरी मंजिल, शहा, एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० आई-1/37 ईई/3379/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985  
मोहर :

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3624/84-85—अतः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 42, , आउण्ड फ्लोअर, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और उर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र कुमार भोसले ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 42, जो, आउण्ड फ्लोअर, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/3380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्ट्रि किया गया है ।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजमेर रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3625/84-85—प्रतः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 249, जो, दूसरी मंजिल, ए-1 गहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाय अतिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए खप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाग की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए बाध/धा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) गहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) जयाप्रकाश जयसुखलाल देसाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपील :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

यूनिट सं० 249, जो, दूसरी मंजिल, ए-1, गहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अतिसूची जैसा कि अ० सं० अई-1/37ईई/3382/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रकरण भाई, टी. एन. एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गिताबेन निरंजनभाई शहा ।

(प्रोपराइटर नेशनल बैटरीज मैनुफैक्चरिंग कम्पनी)  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3626/84-85—अतः सुखे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 346, जो, शहा एण्ड नहार इण्ड-  
स्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई  
13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

यूनिट सं० 346, जो, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट,  
ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/3383/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :-



इसका आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3633/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० 401-ए, जो, राजूल इमारत, 9 हार्कनेस रोड, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती (अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण के लिए किसी भाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूगोला या अन्य भागियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवधारणा अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) राजू डी० शहा और तारा डी० शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश बी० शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुसूची

प्लॉट नं० 401-ए, जो, राजूल इमारत, 9, हार्कनेस रोड, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-1/37-ईई/3389/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर ॥

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3640/84-85—अतः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, तीसरी मंजिल, "एफ" विंग, ("विना बिना अपार्टमेंट्स", आचार्य बो दि मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहनदास शिवचन्द्रराय गरोडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ताहीरा बेगम जयस्वाल ।

(अन्तरिती)

(3) श्री सुनील किशोर मेहता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री सुनील किशोर मेहता ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

फ्लैट नं० 304, जो, तीसरी मंजिल, "एफ विंग", विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य बो दि मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि आ० सं० आई-1/37-ईई/342233/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3641/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, "एफ"  
विंग, विना बिना अपार्टमेंट्स", आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प)  
बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतियोगिता से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच  
इसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
द्वारित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोर्धनदास शिवचन्द्रराय गरोडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता सोमनाथ गावडे और श्री सुनील  
सोमनाथ गावडे ।

(अन्तरिती)

(3) श्री मनुप्रसाद मिस्त्री ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री मनुप्रसाद मिस्त्री ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल, "एफ विंग विना बिना  
अपार्टमेंट्स आचार्य दोंडे मार्ग सिवरी (प) बम्बई-15 में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि आ० सं० आई-1/37-ई/3434/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी 8 बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

मुख्य भाई टी. एन. एस. - - -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37/ईई/3642/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 302 जो, तीसरी मंजिल, "एफ"  
विंग, "विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य बोदे मार्ग, सिवरी (प),  
बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाई/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाष-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किन्हीं द्वारा बाई/या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोबिन्ददास शिवचन्द्रराय गरोडिया :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता सोमनाथ गावडे और श्री सुनील  
सोमनाथ गावडे ।

(अन्तरिती)

(3) श्री हसमुख एच० गांधी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री हसमुख एच० गांधी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उक्तों के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 302, जो, तीसरी मंजिल, एफ-विंग, "विना बिना  
अपार्टमेंट्स, आचार्य बोदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/3435/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

माहुर :

प्रमुख आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/3648/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 909 (एल), जो, इमारत नं०  
3, नवजीवन सोसायटी, लॉर्मिग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
यन्त्र प्रमाणित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

11-66GI/85

(1) एन० टी० शहा फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेलेन बी० मोंटरो।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जन्म-दिनांक

आफिस नं० 909 (एल०), जो, इमारत नं० 3, नवजीवन  
सोसायटी, लॉर्मिग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/3440/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-84,  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रत्येक बाई-1/37-ईई/3655/84-85—अन मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3655/84-85—अन मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ब के अधीन सूचना प्रार्थिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० (फ्लैट न० 67) पुराना न० 7, मिता, बी-विंग,  
पंडिता रमाबाई रोड, बम्बई-7 तथा जो बम्बई-7 में स्थित है  
और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिणी  
(अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय थाया गया प्रवि-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में उचित नहीं किया गया है - -

(क) अंतरण से हुई क्रिमी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में मतिभेद के लिए  
आर/श

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आम्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् - -

(1) श्रीमती ब्रजकोर सोमचन्द उर्फ ब्रजकुवर सोमचन्द,  
और बिडो आफ रसनजी शहा ।

(अन्तरक)

(2) गिता धनजय शहा और धनजय बी० शहा ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरक और उनका बेटा ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न. 67 (पुराना न० 7), गिता, बी-विंग, पंडिता  
रमाबाई रोड, बम्बई-7 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/3443/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक 12-4-1985

माहूर

प्रकरण बाई.टी.एन.एल.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) रेबो कलेर लैबोरेटरीज ।

(अन्तरिती) .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3668/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

और जिसकी सं० यूनिट सं० 323ए, जो, शहा एण्ड नहार इण्ड  
स्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम,  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक. 18-8-1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे 'यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

विश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

यूनिट सं० 323ए, जो, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट,  
ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में  
स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र०स० आई-1/37ईई/3452/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-4-1985  
मोहर :

प्रकट आई. टी. एन्. एम्. ....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3673/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 204, जो, दूसरी मजिल, बी०,  
इमारत, भायखला सविम इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को०आप०  
सोसायटी लि०, मसेक्स क्रॉस रोड, भायखला, बम्बई-27 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तिम  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना बांझ था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स फेण्डस पैरॉजिंग इंडस्ट्रिज ।

(अन्तरक)

(2) मल्टी कलर प्रिंटर्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके जांचभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तकारी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 204, जो, दूसरी मजिल, बी०—  
इमारत भायखला सविम इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को०आप०  
सोसायटी लि०, मसेक्स क्रॉस रोड भायखला, बम्बई-27 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/3457/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक . 12-4-1985

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3674/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 27, जो, हाउसिंग फ्लोअर, मेरीलेण्ड  
को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 46, आर० जी० थडानी  
मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
18-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

आ-अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नान्की नारायणदास भावनानी ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला अशोक तनवानी ।  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 27, जो, हाउसिंग फ्लोअर, मेरीलेण्ड को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, 46, आर० जी० थडानी, मार्ग, वरली,  
बम्बई-18 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1-37-ईई/3459/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहूर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3688/84-85—प्रतः मुझे,  
ए० लहिरी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वागत करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी फ्लैट नं० 6-बी जो आकाशगंगा 89, भुलाभाई  
देसाई रोड बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-8-1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
अ. म. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अवेदा अकबरअली राजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री शोकतअली ६० फनिचरवाला, और श्रीमती शिनत  
एस० प.निचरवाला ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6-बी, जो, आकाशगंगा, 89, भुलाभाई देसाई  
रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3894/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) क्षीमती लाज जब किशत भारवानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेमर्स निर्माण एसोसिएट्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3705/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 237, जो, दूसरी मंजिल,  
"शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-2)", धनराज मिल्स  
कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसके  
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 28-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 237, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल्स कम्पाउण्ड, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जिसकी सं० सं० अई-1/37-ईई/3483/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-  
84 को रजिस्ट्रि किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहुर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3706/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 113, जो, पहली मंजिल  
"शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट" ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-8-  
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह  
प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी  
रिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाविल में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मेयर्स एण्डम फोटोटाएप मैटिंग इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० ।  
(अन्तरक)

(2) जसवन्दीबेन विमणलाल पौमिणी ट्रस्ट ।  
(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास्त  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 113, जो, पहली मंजिल, "शहा  
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट", ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/3484/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई 1/37 ईई/3710/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विषय करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, न्यू  
नंदनवन को-ऑ० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सायन, बम्बई-22  
है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है।, तारीख 28 अगस्त 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण 'क' कोई किसी काम की बात। उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—66 GI/85

(1) श्री एम० नारायणन।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० बाबूराव प्रभू।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(यह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए गकों के।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बम्बई

दुकान नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, न्यू नंदनवन को-  
ऑ० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सायन, बम्बई-22 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/3488/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

बोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3716/84-85—अतः मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आंखीम नं० 155, जो, 15वीं मंजिल,  
मिस्त्रल कोर्ट "सी" बिल्डिंग, प्लॉट नं० 224, बंकबे रेक्लमेशन,  
वरीमन पॉइंट, बम्बई-23 है तथा जो बम्बई-23 में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 28 अगस्त 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एम्मे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनंतराय आर० बोशी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जनरल एक्सपोर्ट्स  
एण्ड मैनुफैक्चरर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आंफीस नं० 155, जो, 15वीं मंजिल, मिस्त्रल कोर्ट  
"सी" बिल्डिंग, प्लॉट नं० 224, बंकबे रेक्लमेशन,  
वरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/3444/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

शाहजि सदकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3721/84-85—अतः मुझे  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 33 जो विजयविला को-ऑप०  
हाउसिंग सोसाइटी 79 वरली सी फेस बम्बई तथा जो  
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है बम्बई  
तारीख 30 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के बाह्य-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
की/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) रमेशचंद्र विरचद शाहा।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवकिशन राठी एच०यू०एफ० और  
श्रीमती विद्या एस० राठी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताक्षरी को पात्र  
निश्चित के बिना या उसके ने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 33, जो विजयविला को-ऑप० हाउसिंग  
सोसाइटी 79 वरली सी फेस बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-1/37-ईई/3513/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी.एन. मंत्री।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चंपकलाल दासीचन्द मेहता।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक

(यह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3725/84-85—अतः सुझे  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1480 जो इमारत नं० 62  
एम० आयजी आदर्श नगर वरली बम्बई है तथा जो बम्बई  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 30 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1480 जो इमारत नं० 62 एम आयजी  
आदर्श नगर वरली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-1/37-ईई/3516/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर



प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3726/84-85—प्रतः मुद्रा,  
ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1503, जो, इमारत नं० 65,  
एमआयजी आदर्श नगर, बरली, बम्बई है तथा जो बम्बई में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका अद्यतन नाम अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा  
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बासू चंटेजी।

(अन्तरक)

(2) श्री पी०एस० मंत्री।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) एम०आय०जी० आदर्श नगर,  
को-आ० हाउसिंग सोसाइटी लि०।

(वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में  
अधीनहस्ताक्षरी जानते  
हैं कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1503, जो, इमारत नं० 65, एमआयजी  
आदर्श नगर, बरली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० आई-1/37-ईई/3577/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985  
मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3728/84-85—अतः सू०,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० 1, संजय, आचार्य वोडे मार्ग, निवरी (प०), बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 30 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोहमद साबीक खान लालखान और श्रीमती राजूनिस्ता एम० खान।

(अन्तरक)

(2) अबूबकर फाकर मोहमद जुवले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 405, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० 1, संजय, आचार्य वोडे मार्ग, निवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० आई-1/37-ईई/3519/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रकाश बाह. टी. एन. एच.-----

(1) श्रीमती मणिबेन मणिलाल शेठ।

(अन्तरंग)

(2) मेसर्स वेनीलाल एक्सपोर्ट हाउस,  
प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

(3) कंपनी का डायरेक्टर।

(वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

हाउस दरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3730/84-85—अत मुझे,  
ए० लहिरीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० एच-3, जो, 8वीं मंजिल, फारी-  
यास को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, केम्पस कॉर्नर, बम्बई-  
6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 369 कख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है। तारीख 30 अगस्त 1984।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुआ किसी नाम की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा(ख) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपात के अर्थन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-3, जो, 8 वीं मंजिल, फारीयास को-ऑप०  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, केम्पस कॉर्नर, बम्बई-5 में स्थित  
है।अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/352/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)  
अर्जन रेंज-1, बम्बईतारीख : 12-4-1985  
मोहर।

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गीतमचंद आर० जैन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3736/84-85---प्रतः मुक्त,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 19, जो, "एल्फिन्स्टन हाउस",  
17, मर्सेन रोड, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) कुमारी जरारीन के० बायरजी,  
कुमारी कैजार के० बायरजी, और  
मास्टर रिशाद के० बायरजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 19, जो, "एल्फिन्स्टन हाउस", 17, मर्से-  
न रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/3526/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84  
को रजिस्टर्ड नियमित है।

ए० लाहरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985  
माहिर

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3740/84-85—यतः मुझे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, जो, 7 वीं मंजिल,  
सुंदर टावर, ठोकरमी जिवराज रोड, मिंवरी, बम्बई-15  
है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 1961  
की धारा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 30 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वायित्व में कमी करना या उद्योग बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या 41 किया जाना चाहिए था, छिपाने में

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-66GI/85

(1) श्री मणिलाल दामयी गहा।

(अन्तरक)

(2) श्री धरणी पदमशी छैडडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन का पारिधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना को  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए बद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धिस्थायी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाध-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो, 7 वीं मंजिल, सुंदर टावर, ठोकर-  
मी जिवराज रोड, मिंवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-1/37-ईई/3528/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1984

मोहर

रजि. नं० 1/47-ईई/3765/84-85—अत मुंसे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-1/47-ईई/3765/84-85—अत मुंसे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० 4, पीएसबी अपार्टमेंट्स, बी०जी० खेर रोड, वरली नाका, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इनसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी लाभ की वास्तव, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पी एस बी कन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल बमाडिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपात :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० 4, पी एस बी अपार्टमेंट्स, बी०जी०खेर मार्ग, वरली नाका, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/35416/84-85 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहुर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/3772/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2, जो, 1 ली मंजिल, "श्री  
राम अपार्टमेंट्स, निर्माणाधीन इमारत, 168, बैंग वाडी,  
ठाकुरद्वार, गिरगाम, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर०के० कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

(2) श्री शहा शिमराज किमनलालजी जैन।

(अन्तरिती)

(3) भाइल।

(यह व्यक्ति

जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 2, जो, 1 ली मंजिल, श्री राम अपार्टमेंट्स",  
168, बैंग वाडी, ठाकुरद्वार, गिरगाम, बम्बई-4 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-1/37-ईई/3556/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

माहूर :

संख्या बाई.टी.एन.एस.

(1) शहा एण्ड नहार आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) परफेक्ट प्रिन्ट्स।

(अन्तरिती)

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3777/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 232, जो, 2री मंजिल, शहा  
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड,  
एस०जे० रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-  
13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भाषाकरण  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
27 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए समय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाषा की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य गतिविधियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-करण अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

समस्त

यूनिट नं० 232, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड, एस०जे०  
रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-1/37-ईई/3557/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

(1) मेसर्स हंसराज शानजी एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज शरण अग्रवाल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश पं० आई-1/37-ईई/3778/84-85---प्रतः मुझे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 2, जो, 4थी मंजिल, भारत  
चेबर्स, प्लॉट नं० 52-सी, एल्फीन्टन इस्टेट, बरोडा स्ट्रिट  
बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और इसमें  
उपाधुक् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 27 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

यूनिट नं० 2, जो, 4थी मंजिल, भारत चेबर्स, प्लॉट  
नं० 52-सी, एल्फीन्टन इस्टेट, बरोडा स्ट्रिट, बम्बई-9 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/3558/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्रकट. माई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स हुंसराज शानजी एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) राजकुमार एण्ड सन्स,  
एच०यू०एफ०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3779/84-85—अमे: मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० यूनिट नं० 3, जो, 4थी मंजिल, भारत  
चेंबर्स, प्लॉट नं० 52-सी, एल्फीन्स्टन इस्टेट, बरोडा स्ट्रीट,  
बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहां उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 3, जो, 4थी मंजिल, भारत चेंबर्स, प्लॉट  
नं० 52-सी, एल्फीन्स्टन इस्टेट, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि नं० सं० अई-1/37-ईई/3559/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

नगरपालिका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37जी/3098/84-85—अमे: मुझे  
ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० न० 4752 ग्राफ मलबार अण्ड  
खंजाला हिल डिवाजन, विल्डिंग और स्ट्रक्चर के साथ, प्लॉट  
न० 77 ग्राफ गामदेवी इस्टेट, गांधी रोड, गामदेवी, बम्बई  
हे तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 8 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और, अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

(1) श्री प्राणजीवन माधवजी और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविंदलाल शिवलाल पिट्टी  
और अन्य (ट्रस्टीज ऑफ  
मारवाडी सम्मेलन)

(अन्तरिती)

(3) श्री ठाकूरभाई के० देसाई, और  
काकूभाई जी० वेद ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए मन्त्रों ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० बाम०-3926/68 और जो  
अपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है ।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
वर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-4-1985  
मोहर :-

**प्रमुख नोटिफिकेशन**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) में बर्णित सूचना

**सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)**

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-जी/5099/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० नं० 268 आफ मलबार हिल  
और खवाला हिल डिविजन, बिल्डिंग स्टन्डींग देअरआन  
रीज रोड (बी०जी० खेरमार्ग), बम्बई है तथा जो बम्बई  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 10 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उपबोध से उक्त अन्तरण जिसमें वार्षिक रूप से कटौत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मात्रा; उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक में  
कोटित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री यशवत सिंह विजयसिंह डोसा।

(अन्तरक)

(2) विजय दीप को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और

श्री भगवानदास जमनादास नरसी,  
भाडूत।

(वह व्यक्ति

जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) भाडूत।

(वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति  
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके [नोक्ड संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम०-2304/77 और जो  
अपरओस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजि-  
स्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

(1) श्री रस्तम हारमजद हराणी, जे०एच० हराणी और परवेश हारमजद हराणी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री फिरोज नाजिर सैयद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) श्री प्रकाश राजाराम बेलनेकर, आंबेदा कुंजप्पा शेटी, मोलैमन डेविड अवास्जर, सैयद नाशिर बावामिया, श्रीमती एम०ए० करीम रोड, और एम०पी०सी०टी० कारवेल्हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-जी/5103/84-85---अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसकोपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एम० नं० 1983 ऑफ भायखला डिवाजन, बिल्डिंग एंट 21/ए, बापूराव जे० मार्ग, मौलान आजाद रोड, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बابت, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कालिख में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/अ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—66GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० वॉम०-3221/82, और जो अपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

इसका बार्ह. टी. एन. एस.-----

बायकडु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

ओरछा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० एई-1/37-जी०/5104/84-85--प्रतः मुझे,  
ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस०नं० 947 ग्राफ फोर्ट डिविजन,  
किंग लेन, ग्राफ बोरा बजार स्ट्रीट, बम्बई है तथा जो बम्बई  
में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 6 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल  
से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) श्री तहिलराम रणछोडदास बुलानी, श्री दिलीप  
रामचंद टीनानी, और  
श्री किशोर बन्सीमल दर्यानी।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोजकुमार मोहनलाल जालन, और  
श्री राहुल कुमार मोहनलाल जालन।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स विमणलाल प्रायवेट लि०, और  
मेसर्स इस्टर्न वांच, भाइत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाईयां शुरू करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जिसकी विलेख सं० वांम०-50/83 और जो  
ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 12-4-1985

मोहर :

प्रकरण 104 का 104 का 104 —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37जी०/5110/84-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस०नं० 1355 फॉट डिजिटल, सॉन ब  
वाला काटेज, 5 वा गोला लेन, ऑफ डी० एन० रोड,  
फोर्ट, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इससे  
उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई-1 में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28  
अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उन्हें बचने में हुईिया  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिनमें से  
किसी के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा है—

(1) श्री भाऊराव केशवराव पांधारे।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मोहम्मद खली।

(अन्त रती)

(3) श्री भाडूत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादवादी  
के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० नाम०-2732/81, और  
जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. : एन. -----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई-1/37-जी/5111/8-4-85—अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अपार्टमेंट नं० 3, 3री मंजिल, ब्लॉक नं०  
बी, दलाल इस्टेट, बेअरींग सी०एस० नं० 1/332 ऑफ  
ताइदेव डिविजन, 14-ए, 28-ए, डी०डी०बी० मार्ग, बम्बई-8  
है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बम्बई के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
एक प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को बिना भारतीय भाषक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) कुमारी दिनू डी० कांट्रेक्टर,  
और कुमारी झंली डी० कांट्रेक्टर।  
(अन्तरक)

(2) मलगरमली हसनमली शिंदरवाला और  
यादया ममगरमली शिंदरवाला।  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ताकत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० बी०-1191/77 और जो  
ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर



प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-1/37-जी/5116/84-85--अतः मुझे,  
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18, गमाडिया इस्टेट, 24/26,  
पंडित मदन मोहन मालविया रोड, (ताड़देव रोड), सी०एस०  
नं० 14/738 (अंण), मलबार एण्ड खंबाला हिल डिवीजन,  
बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाब्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की  
वास्तव में कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दि अंगलो-फ्रेन्च ड्रग कंपनी (इस्टर्न) (लि०)।  
(अन्तरक)

(2) रोच प्रोजेक्ट्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

अनुसूची

अनुसूची जिसकी विलेख सं० बॉम०-299/ 4 और जो  
उपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

**एक शर्त, दो तर्क, एक...**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

नदेश स० आई-1/37-जी/5117/84-85—यह मुझे,  
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स० सी०टी०एस० न० 264, मलबार हिल  
और छाबाल हिल डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में  
स्थित है (और इससे उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 23 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी  
(अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब तक या तब तक  
किस विभाजित अथवा के उक्त अंतरक विधि के अन्तर्गत  
विक्रय के अधीन नहीं किया गया है—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के विहित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसे न  
सुविधा के लिए;

यह कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार  
नहीं, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-न का उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अधि—

(1) श्रीमती गुलपाजी पी० भूआ और  
कुमारी ए०एन० खान।

(अंतरक)

(2) श्री मंगलदास सी० कामदार।

(अंतरिणी)

(3) भादव।

(यह व्यक्ति;  
जिसके अधिभाग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सूचना के अर्थ के अन्तर्गत न कोई भी बाधक है—

(क) यह सूचना के उद्यम में प्रकाश की तारीख के 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति के उद्यम  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
यह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्ति के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) यह सूचना के उद्यम में प्रकाश की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो उक्त स्थावर सम्पत्ति के  
पात्र निहित है किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जिसकी विवेक स० बी-375/84 और जो  
ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 12-4-1985  
मोहर

प्रश्न बाई.टी.एल.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० पी०आर० नं० 3634/अर्जुन रैंज-1/23-1/84-85

सं० प्रतः मुझे, जी०के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रारका रनमुफतथर रोड फ्लैट नं० 23-24  
और अन्य हैं तथा जो आर०एस० नं० 39-667-668 और  
अन्य 22558 वर्ग यार्ड जमीन में स्थित है (और इससे  
उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्वारका जीला, जामनगर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 27-7-84, 37 जी, अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल आनुमतिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्यय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आर्य धर्म सेवा संघ ।

1; डाक्टर लेन,

न्यू दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) द्वारका सीमेंट वर्क

एम्प्लायर्स यूनीयन,

रनमुकसेन्धर रोड,

द्वारका, जीला-जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन द्वारका, रनमुफतेन्धरसेड पर रजिस्ट्रेशन नं०  
844/26-7-1984 ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० पी०आर०नं० 3635/अर्जन रेंज-1/23-1/84-85

अतः मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 301, यर्ड फ्लोर है तथा  
जो क्रसेन्ट-"ए" बिल्डिंग राजकोट में स्थित है (और  
इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37-ईई कागलफोस  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 16 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जे०एस० कोबीरेशन,  
48, इन्दुनारायन रोड,  
धान्ताक्रुज वेस्ट,  
बोम्बे-54।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल एन० गोकानी,  
श्रीमती इन्द्र के० गोकानी,  
202, गुजरात संसाधनी,  
सयन (वेस्ट) बोम्बे-22।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 301, यर्ड फ्लोर क्रसेन्ट "ए" बिल्डिंग में  
रेसकोर्स राजकोट क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट फार्म नं०  
37 ईई दिनांक 16-8-84 को फाइल किया।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 8-3-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आदेश: टी एन एच 2222

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० पी०आर००० 3636—अतः मुझे, जी०के०  
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सुरेन्द्र नगर में  
सर्वे नं० 1750 है। तथा जो क्षेत्रफल 3569 वर्ग यार्ड  
जीन्तान रोड में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बंधान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 9 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी बात की वजह से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
वास्तव में कमी करने या उल्टे वचन में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

15—66 GI/85

(1) श्री आस्कर मानिकलाल और अन्य।  
मफनजी मरेनाबी शेरीज सामने,  
पठपान, जिला सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री डीनेश जयन्तीलाल शार  
और अन्य,  
के०/ओ० शार पुणेरीत एका कंपनी,  
महेश 000.001 मार्केट,  
सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अव्यवहारियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन सुरेन्द्रनगर में, सर्वे नं० 1750 जीन्तान रोड,  
क्षेत्रफल 3569 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 3163/9-8-84।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-3-1985

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.ए.ए. =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद; दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० पी०आर०नं० 3637—अतः मुझे, जी०के०  
पंडया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच०पी० बेरावल में भाटीया बिल्डिंग  
है। तथा जो त्रिशननगर बेरावल में स्थित है (और  
इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरावल में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त  
1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरित  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के नवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कमी करने या उक्त करने से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या न किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

(1) श्री भाटीया रमछोड़दास प्रभुदास,  
भाटीया बिल्डिंग,  
त्रिशन नगर, बेरावल।

(अन्तरक)

(2) श्री महेशकुमार गोविंदलाल संघवी,  
बीरती हंसराज हाउस,  
त्रिशन नगर, बेरावल,  
फोन नं० 161,  
बेरावल।

(अन्तरित)

(3) श्री कुंवरजी जेठाभाई,  
प्रो० नवीनचन्द्र शायर,  
भाटीया बिल्डिंग,  
त्रिशन नगर, बेरावल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जमोहस्ताक्षरी या  
पात लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

एच०पी० बेरावल में "भाटीया बिल्डिंग" त्रिशननगर,  
प्लॉट नं० 26, रजिस्ट्रेशन सं० 2124/अगस्त 1984।  
जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० पी०आर०नं० 3638—अर्जन रेंज-I/23-I/84-

85—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन असलालीमे

सं० 1558 है तथा जो ब्लॉक नं० 1724, जमीन  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहम-  
दाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 13 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिए न करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रफुल्लचन्द्र अफोरभाई अमीन।  
असलाली,  
तालुका रसफोर,  
जिला, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमारी ज्योति एस्टेट,  
भागीदार रसुलभाई रासभभाई पटेल,  
भीरवाभाई उमेदभाई पटेल,  
विनोदभाई वरानभाई पटेल  
और अन्य,  
असलाली तालुका-रसफोर,  
जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, यह  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन असलालीमे सी०एन० 1558 ब्लॉक नं०  
1724, रजिस्ट्रेशन नं० 11562/13-8-1984।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-3-1985

माहुर :

माहेर ५



प्ररूप माह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश न० पी० आर० न० 3640—अतः, मुझे, जी०  
के० पट्टया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म० जाफ़ीम न० 1, स्पेक्ट्रम कोमर्शियल  
सेन्टर है, तथा जो सी० एस० न० 4023, ग्राउन्ड फ्लोर,  
रीलीफ मिनेमा नजदीक अहमदाबाद में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध नुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 9 अगस्त 1984

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और भले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वस्थ  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-अंतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों संबंधित है—

(1) श्री प्रह्लाद भाई, हरगोविन्ददास पटेल  
15, श्रीनीक सोमायटी, नारनपुरा,  
अहमदाबाद-13 ।

(अन्तरक)

(2) पीवी इलेक्ट्रोकेल्स  
प्रमोद वीरजीलाल मोदी,  
4 स्पेक्ट्रम कोमर्शियल सेन्टर,  
रीलीफ मिनेमा, नजदीक, अहमदाबाद-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

बन्धुत्व

ओफीस 4, ग्राउंड फ्लोर, स्पेक्ट्रम कोमर्शियल सेन्टर-1  
सी० एस० न० 4023, सब प्लॉट-2 रजिस्ट्रेशन न०  
12021/ 9 अगस्त 1985

जी० के० पट्टया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 19-3-1985

माहूर

प्रथम भाग, टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० न० 3641/23-1/84-85—अतः

मुझे जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वाडज बीम सर्वे न० 461-12 बी० न०  
15 है तथा जो एफ० पी० 28 सूर्यनारायण  
को०-ओ० सोसायटी में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष  
अनुमोदी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दयावृत्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्तविक अन्त-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य जातिवां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार,  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिलीप कुमार स्वरनाल पटेल  
ए/1 विश्राम प्रलेटस,  
सहकार नीकेतन नजदीक नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जीभाई रेखाभाई पटेल  
शुलीबेन जीभाई पटेल 15, सूर्यनारायण सोसाटी  
भावसार होस्टेल के नजदीक,  
हाउसिंग बोर्ड कम्युनिक्स साइड,  
नवा वाइज,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्तें:—

(क) इस सूचना के उपरान्त प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत प्लॉट न० 15 पर, टी० पी० एस० 28 सर्वे  
न० 461/1 एफ० पी० 743, रजिस्ट्रेशन न० 12259/  
16-8-1984

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक - 19-3-1985  
मोहर

इसका बाई, टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3642/23-1/84-85-अतः मुझे जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घाटलोडिया बीम सर्वे नं० 16, है तथा  
जो कर्मचारी नगर ए/60 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
28 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरित किया प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, वर्णित है :-

(1) श्री भुलुचंद मुखर्जी  
2, विकास सोमापट्टी,  
मेमनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विन्तकौर पुनीया  
16, पायल दंगला,  
सेटेलाइट रोड,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नज्द के लिए  
कार्यवाही करता है ।

उक्त सम्पत्ति के नज्द के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

घाटलोडिया कर्मचारी नगर, प्लॉट ए/60 रजिस्ट्रेशन  
नं० 12724/28-8-1984

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधनारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक 19-3-1985  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कानूनमन्त्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जेंट रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 364323-184-85—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मीलकत सर्वे नं० 345 पर है। तथा  
जो डेवर रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय 37-ईई फाइल राजकोट में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15 जून 1984 37 ईई फाइल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
स्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आम की बावड़, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भूत या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भूतकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जमनादास माधवजी सचानीया  
के०/प्रो० त्रैर वाडी,  
वीरानी ब्लोक के सामने,  
मीतल मोटर, गोंडल रोड,  
राजकोट ।

(अनुरक्त)

(2) दयालाल रावजी मकवाना और अन्य  
के०/प्रो० मकवाना ब्रदर्स  
सोमवार पेथ, पुना ।

(अनुरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत डेवर रोड पर सर्वे नं० 345, 37ईई दिनांक  
15 जून 1984 को फाइल किया ।

जी० के० पंड्या

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जेंट रेंज I अहमदाबाद

दिनांक 1- 19-3-1985

अक्षर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3644—अतः मुझे, जी०  
के पंड़या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको भ० फ्लैट संगीतपुर में टी० पी० एस०-8  
एफ० पी० 499 है तथा जो जल दर्शन को आपरेटिव  
सोसायटी 24 में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गन्तापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला बेन भगुभाई पटेल  
नं० 1, अन्नवाल सोसायटी  
जालोद जिला, पंचमहाल  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती चण्डीकाबेन बीहारीलाल मोदी,  
फ्लैट मो-24 छठा मंजला  
जल दर्शन को आपरेटिव सोसायटी,  
आश्रम रोड, नटराज सिनेमा के सामने;  
अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गणों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट टी० पी० एस० 8 पर, एफ० पी० 499, सी-24,  
जल दर्शन को आपरेटिव सोसायटी आश्रम रोड, अहमदाबाद,  
रजिस्ट्रेशन नं० 12072 9 अगस्त 1984

जी० के० पंड़या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक :— 14-3-1985

मोहर :—

प्रकरण आर्टि. पी. एच. ए. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3645—अर्जन रेंज-1/

23-1/84-85 अतः मूख्य, जी० के० पडया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में फेनल रोड, है। तथा जो लेख न० 206 गंतास निवास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 अगस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलों के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे उचित प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मासित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का निदेश जारी करने के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मं. मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मासित अस्तित्वों, अर्थात् :-

(1) श्री भानुभाई केशवजी परमार और अन्य  
के०/प्रि० मैसर्स भानु केशवजी पानवाला  
संगनवा चौक, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मेंतजीग डायरेक्टर,  
राजकोट नागरीक गृहकारी बैंक लिमिटेड  
नागरीक भवन नं० 1  
देवरभाई रोड,  
राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राह्यभाषारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

एच० पी० राजकोट में फेनल रोड, लेख न० 206  
गंतास निवास जमीन 210 वर्ग गार्ड मकान रजिस्ट्रेशन  
नं० 5254 17 अगस्त 1984।

जी० के० पडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)  
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद,

दिनांक :- 25-3-1985

मोहर :-

प्रत्यक्ष आदेश, नं० एच. एच. एच.-----

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3646—अतः मुझे,  
के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० भोमेश्वर को० आपरेटिव  
सोसायटी में है तथा जो जामनगर रोड, राजकोट में स्थित  
है (और दृश्य उपायग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त 1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या  
राशिभा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवलाल जमनादास और  
श्रीमती कुन्दनबेन जमनादास  
भोमेश्वर सोसायटी  
जाम नगर रोड,  
राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री दामोदर दाम श्यालजी भाई गनावा  
प्लॉट नं० 37 अ० बी०  
भोमेश्वर को० आपरेटिव हाउसींग सोसायटी,  
जामनगर रोड, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के  
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एच० पी० भोमेश्वर को० आपरेटिव हाउसींग  
सोसायटी में प्लॉट नं० 37 अ० बी० जमीन क्षेत्रफल 628  
वर्ग यार्ड मकान 736 वर्ग फीट, 81.7 वर्ग यार्ड रजिस्-  
ट्रेशन नं० 4718 अगस्त 1984।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक :- 25-3-1985

मोहर :

प्रकृष्ट बाई. टी एन एस. ....

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० न० 3647—अतः मुझे जी०  
के० पंडया

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इनमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि मायकर आयुक्त, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी रोड, गोडाउन आफिस है। तथा  
जो 9, मावड़ी प्लाट राजकोट में स्थित है (और इसमें  
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
17 अगस्त 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विचार करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब तक क्या  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरक निश्चित  
के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी भाग की बावत, उक्त  
अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय मायकर अभिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-  
कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माह :-

(1) श्री दीनकरराय धीरजलाल दोशी  
हंसमुख धीरजलाल दोशी  
जयलाल धीरजलाल दोशी,  
18-मील परा, राजकोट

(अन्तरक)

(2) आर० के० रोलर एण्ड फ्लोर मील्स  
9 मावड़ी प्लांटस राजकोट-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

न्यायीकरण—इसमें प्रकृत लोगों और पक्षों का, जो उक्त  
अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, रही नहीं होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

राजकोट सीटी-9 मावड़ी प्लाट सर्वे नं० 373 पैकी  
प्लाट नं० 9 फैक्टरी रोड, आफिस बील्डिंग गोडाउन विंगरे  
रजिस्ट्रेशन नं० 5228 5230, 5232/17 अगस्त 1984

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक :- 27-3-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3648/32-84-85-अतः

श्री जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
संक्षेपपूर्वक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
'69-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० इन्डस्ट्रीयल रोड जेतपुर में है तथा जो  
सर्वे नं० 715 पैकी जमीन 801 वर्ग यार्ड में स्थित है  
और इससे उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बंजित  
है रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 31 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जमुभाई नारनभाई पटेल  
भागोदार मेन्स जोहन्सन डाइंग एण्ड प्रिंटिंग  
वर्क न-बाबा-बाना-परा-जेतपुर  
जिला राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वंदन बेन चंयलाल पंड्या,  
ब्लॉक नं० 7, सेवा कुंज,  
कमला नहर, कोम लेन,  
कांदीवशी वेस्ट  
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा  
गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रीयल गेड जेतपुर में चंद्रमोलेश्वर नजवीक,  
सर्वे नं० 715 जमीन क्षेत्रफल 801 वर्ग यान गेड पर,  
रजिस्ट्रेशन नं० 2212/84, दिनांक 31 अगस्त 1984

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक 1 27-3-1985

मोहर :

प्रकृष. जाह. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3649-23-184-85—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन गोंडल में बोर्ड नं० 2 है तथा जो  
सर्वे नं० 422/424 क्षेत्रफल 6897 वर्ग यार्ड में 1 एकर  
17 गुंठा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गोंडल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 29 अगस्त 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरिराज सिंह जी० एम० जाडेजा  
हवा महल, गोंडल  
जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) गोपालभाई मोहनभाई वडोदरीया  
भगवतपुरा रोड, और अन्य  
नम्बर 15, गोंडल  
जिला राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्यां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन गोंडल में बोर्ड नं० 2, सर्वे नं० 422/424  
क्षेत्रफल 1 एकर 17 गुंठा 6897 वर्ग यार्ड में रजिस्ट्रेशन  
नं० 1781/29 अगस्त 1984।

जी० के० पंड्या

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम प्राधिकारी

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक : 27-3-1985

मोहर

प्रकृष आर्क्ष.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3650—अतः मुझे, जी०  
के० पंडया;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० मीलकत टी० पी० एस० 2 राजपुर हीरपुर  
है। तथा जो एफ० पी० 54 में स्थित है (और इसमें  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
23 जुलाई 1984 37 जी अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शानत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० लक्ष्मी इन्टरप्राईजीस  
भागीदार श्री ठोलुमाल मानिकमल  
कुबेरनगर बंगला एरीया  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) नागपुर गुडस ट्रांसपोर्ट कंपनी  
लक्ष्मी कोटन मिल के नजदीक,  
रायपुर दरवाजा बाहर  
सगनाथयरा माका,  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मीलकत राजपुर हीरपुर मै टी० पी० एस०-2 एफ०  
पी० 54 रजिस्ट्रेशन नं० 111193/23 जुलाई 1984  
37 जी अगस्त 1984 में मिला।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक : 26-3-1985

मोहर :

प्रकरण भाई, डी, एन, एच, -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) से अधीन सूचना

भाष्य

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3651—अतः, मुझे जी०  
के० पंड्या,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिफोट टी० पी० एम० 4 पर, एक० पी०  
106 है। तथा जो मनीनगर अहमदाबाद में स्थित है  
और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
17 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूँसे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक-  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नीयित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से तर्जित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
बावकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगद्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नीयित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री दीनकर भाई जयेश्वर भाई भट्ट  
38, मुक्ति मैदान  
मनीनगर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) मै० दीयेश अपार्टमेंट ओर्स एणोसीएशन  
38 मुक्ति मैदान, मनीनगर,  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत टी० पी० एस०-4 पर एक० पी० 106  
मनीनगर, रजिस्ट्रेशन सं० 12348, 17 अगस्त 1984।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 26-3-1985

कोहर ३

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब.(1) के अधीन सूचना

अक्षय सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3652 अर्जन रेंज-1/23-  
1/84-85—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछले इतने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विवेक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य राशियाँ रु०  
1,00,000/- से अधिक हैं

श्री सी. स० मिलकत, घाटलोडिया सर्वे सं०, 16/7  
हैं जो कर्मचारी नगर विभाग 2 वी० न० 36  
में (श्री डमरे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 7 जून 1984-37 जी अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बाजारपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात की वजह से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तविक रूप से कम करने या उससे बढ़ने में गतिमा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में  
गतिमा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

17-66 GI/85

(1) श्री ताराचंद नामदे कोशराकर  
उमी सोमायटी घाटलोडिया,  
अहमदाबाद -61

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश गोयालदास इब्राही  
वी० न० ए-36 कर्मचारी नगर,  
घाटलोडिया, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करने के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधोद्घातकरी के  
पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत सर्वे सं० 16/1 कर्मचारीनगर, विभाग-1 में,  
वी० न० 36 रजिस्ट्रेशन सं० 8336/7 जून 1984-37  
जी अगस्त 1984

जी० के० पंडया

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 25-3-1985

मोहर 5

प्रकट आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज -1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3653—अतः सुझे, जी०  
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलिकत प्लॉट नं० 55-57, तख्तेधर  
है तथा जो ललेटा मे वार्ड नं० 7 भावनगर में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. नरेन्द्र रेवाशंकर दवे  
2. प्रफुल रेवाशंकर दवे  
3. कनयालाल नर्मदाशंकर दवे  
4. जीतेन्द्र नर्मदा शंकर दवे  
5. सतीश नर्मदा शंकर दवे  
के०/ओ० डा० मोहनलाल का बंगला  
रेवाशंकर दवे और अन्य  
रामजीवाजी गधेची वाडला, भावनगर

(अन्तरक)

- (2) समरात अशोक को० आपरेटिव सोसायटी  
के०/ओ० हरेश आर० दोशी  
एल० आर० जी० 229, शास्त्रीनगर,  
भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सं  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जनसूची

मीलन प्लॉट नं० 55 और 87 तख्ते धर सलेटी भाव-  
नगर में रजिस्ट्रेशन नं० 2916/1 अगस्त 1984।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3645—अन: मुझे, जी०  
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० मीलकत टी० पी० एस०-6 एफ० पी०  
486 है तथा जो पालनी सीम अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 9 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

आ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिप्येश रतीलाल पटेल  
28, वसन्तकुज सोसायटी  
नवा शारदा मंदिर रोड़,  
अहमदाबाद-7

(अन्तरक)

(2) लालजीभाई रामजीभाई गाला  
तेजाभाई लालजीभाई गाला  
501, 502 फोडावाला फ्लैट्स,  
प्रीतमनगर, एलीसब्रीज,  
पालड़ी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मीलकत टी० पी० एस० 6 एफ० पी० 486 पर पालड़ी  
सीम अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 12048 दिनांक 4 अगस्त  
1984 ।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28. मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3655—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिल्कत राजपुर हीरपुरम में टी० पी०  
एस० एफ पी०-2 है तथा जो 134 हिस्सा नं० 4 मनी  
नगर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 जुलाई 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की जायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूमिका  
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूमिका  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) त्र्यंकलाल गनपतराम दवे  
राजेश त्र्यंकलाल दवे  
मनीनगर, अहमदाबाद -8

(अन्तरक)

(2) कृष्णा कानन श्रोतर्स  
चेयरमेन श्री राकेशकुमार एन शाह  
पानडी, अहमदाबाद  
के० श्रो० कृष्णा कानन श्रोतर्स एसोसियेशन  
मधुवन सोसायटी के नजदीक  
मनी नगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्साक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलकीयत टी० पी० एस० 4 पर, राजपुर हीरपुर, एफ०  
पी० नं० 2-143 हिस्सा नं० 4, रजिस्ट्रेशन नं० 10873  
दिनांक 17 जुलाई 1984।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक :- 28-3-1985

मोहुर



प्रमुख बाई.टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं. पी० आर० सं० 3658 अर्जन रेंज-1/23-  
1/84-85—अतः मुझे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 22 एफ० पी० 183 सब  
प्लॉट है। तथा जो जमीन पालडीन, नारायण नगर,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 16 अगस्त 1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अधिश नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया  
जया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बंलाशचन्द्र नैमचंद शाह  
21, जैन सोसायटी,  
एलीमड्रीज, अहमदाबाद -6

(अन्तरक)

(2) जय भक्ति नन्दन अपार्टमेंट  
आनर्स एसोसिएशन  
के० ओ० काश्यपलाल शामजीभाई टक्कर  
2, नीलकम्पनी सोसायटी  
बासना, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाक्षेपकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन टी० पी० एस० 22 पर एफ० पी० 183 सब  
प्लॉट-1 लाली, रजिस्ट्रेशन सं० 12257/ दिनांक 16  
अगस्त 1984

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

मोहर।

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निवेदन सं० पी० आर० नं० 3057-अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिल्कत टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी०  
219 सब प्लॉट 14 है तथा जो प्रशा को० ओ० सोमायटी  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चलचंदेन जयरिभाई पटेल  
14, प्रजा सोसायटी,  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मेन्द्र धनेधर व्यास  
(एच० यू० एफ०),  
भारतीबेन डी० व्यास  
संघीर घवल डी० व्यास,  
संघीर डी पी डी० व्यास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिल्कत नो० लो० एस० 3 पर, एफ० पी० 219  
सब प्लॉट, 14 प्रजा सोसायटी में अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन  
नं० 12335 दिनांक 17 अगस्त 1984 और 3 ईई दिनांक  
1 सितम्बर 1984 को मिला।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रैंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

मोहर :

प्ररूप. आदेश. टी. एन. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3658—अतः मुझे जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन मीहीपुर सीम में सर्वे नं० 43-1 है तथा जो और 43-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 अगस्त 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वंश प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में बाजी करने या सक्षम बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुंवरदेन, भुराभाई माडल भारवी  
विधवा पत्नी,  
दानी सीमडा सीटी तालुका  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) चेंबरसेन नन्दकिशोर रामलाल  
रजनी को० ओ० सोसायटी  
दानी सीमडा, सीटी तालुका  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मीहीपुर में सर्वे नं० 43 -1 और 43-2  
रजिस्ट्रेशन नं० 12241/ दिनांक 14 अगस्त 1984।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकरद आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 28-3-1985

गोपनीय

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3659—अतः मुझे जी०  
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० बिल्डिंग टी० पी० एस-6 पर एफ०  
पी० 268 है तथा जो 278 अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दत्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कार्तिक के० देशार  
श्रीमती श्वेताबेन के० देशार  
अमरतलाल डोल,  
खडीया अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) नीलमबेन सतीशचन्द्र शाह  
समीर अर्जीतकुमार सतीशचन्द्र शाह  
गीता बाग के नजदीक, पालडी  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत टी० पी० एस० 6, एफ० पी० 268 से 278  
रजिस्ट्रेशन नं० 12305/16 अगस्त 1984 ।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 28-3-1985

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 366023-I/84-85—अतः  
मुझे, जी० के पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पालनी टी० पी० एस22, बंसोधर को०  
आपरेटिव सोसायटी है तथा जो एफ० पी० 251 सब  
प्लॉट 14/बी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 18 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री हीराजी अमराजी नायक

14 बी बंसीधर सोसायटी

मण्डवेज रोड पालनी,

अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदीराबेन शरदचंद्र माह

14-बी बंसीधर सोसायटी

जवाहर नगर राड पालनी, मण्डवेज रोड

अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मिलकत टी० पी० एस० 22 पर एफ० पी० 251  
सब प्लॉट 14/बी रजिस्ट्रेशन नं० 12404 दिनांक 18 अगस्त  
1984 को।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

दिनांक — 28-3-1985

माहूर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—66 G1/85

प्रकाशक: टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3661—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० ए० 4, राजपुर हीरपुर एफ० पी० 59 ए है तथा जो सब-प्लॉट 4 में स्थित है) और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-4-84 37जी अगस्त 84 में मिली

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए बन्दरिस्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी न्यून की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी न्यून या किसी धन या न्यून वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किराने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरोत्तमदास सीताचंद  
बी० नं० 8 रामबाण, बडनगरा,  
बाटीदार सोसाइटी,  
मनीनगर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री केजबलाल मुजबीभाई  
रामानन्द काबोनी, काकरीना  
मनीनगर अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही कराई जाएगी।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त बच्चों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिया गया है।

सहस्र

राजपुर हीरपुर सीम एफ० पी० 59-ए, सब-प्लॉट 8, रजिस्ट्रेशन नं० 12229 दिनांक 14 अप्रैल 1984, 37जी अगस्त 1984 में मिली ।

जी० के० पंड्या

तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 29-3-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निवेश नं० पी० आर० नं० 3662/23- 84-85—

अतः मुने, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जामनगर वेडीगेट के० बी० रोड है तथा  
जो सर्वे नं० 36-2 एफ, प्लान-2 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
9 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनमुखलाल शामजीभाई पटेल और अन्य  
शामकुंज लीमिटेड, जामनगर  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स आशीष बिल्डर्स  
भागीदार मरीयतलाल केशवलाल शाह  
सेकण्ड फ्लोर, ध्रुव मेन्शन और अन्य  
दीपक टाकीज के सामने  
ग्रेडन मार्केट,  
जामनगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत वेडीगेट पर के० पी० रोड, सर्वे नं० 36  
एफ० प्लान-2, जामनगर रजिस्ट्रेशन नं० 2774/ दिनांक  
9 अगस्त 1984

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 29-3-1985  
मोहर :

प्रकृष्ट बाई. टी. एम्. ए.,-----

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3663/23-I/84-85—अतः सुने,  
जी० के० पंड्या,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन मेमनगर में टी० पी० एस० 1 है, तथा जो एफ० पी० 215 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 अगस्त 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की जायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शान्तीलाल प्राणजीभाई मेहता,  
4-7 कोलाबा मीका फ्लैट  
कोलाबा, बम्बई -5

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अंबीका इन्टरप्राइजस,  
1, पल्लीवी एपार्टमेंट,  
मेमनगर फायर स्टेशन के सामने,  
नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 99 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मेमनगर में एफ० पी० 215, टी० पी० एस०-1  
रजिस्ट्रेशन नं० 11612 दिनांक 1 अगस्त 1984

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

मोहर :



प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 61/अगस्त/84—अतः मुझे, बी० एम०  
मुत्तुगमलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 7, नाडार विद्या सालै, सौत वेली स्ट्रीट,  
मदुरै है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आयंट सब-रजिस्ट्रार-1, मदुरै दफ० सं० 2230/  
84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती के० टी० एम० मरस्वती अभ्माल  
(अन्तरक)

2 श्रीमती वलरमती  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहेस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

### अनुसूची

डोर सं० 7 पुराने सं० 55, नाडार विद्या सालै स्ट्रीट,  
सौत वेली स्ट्रीट, टी० एम० सं० 2392, मदुरै, मखान  
दस्तावेज सं० 2230/84

बी० एम० मुत्तुगमलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख : 18-3-1985  
मोहर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरे

मद्रुरे, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 62/अग्रस्त/84 अतः मुझे बी० एम०

मुत्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 7 नाडार विद्या सालै, सौत बैली स्ट्रीट  
मद्रुरे है, जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जायंट सब-रजिस्ट्रार -1 मद्रुरे, दस्तावेज सं०  
2229/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

(1) श्री के० पी० एस० सरस्वति अम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० शंकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्यताक्षरी के  
पास लिखित में किन्तु जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

## अनुसूची

मकान डोर सं० 7, (पुराने डोर सं. 55) नाडार,  
सौत बैली स्ट्रीट, मद्रुरे टी० एस० सं० 2692, मद्रुरे विद्या  
सालै दस्तावेज सं० 2229/84 ।

बी० एम० मुत्तुरामलिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरे

दिनांक : 18-3-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती गोयलरमी ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० एन० कन्वप्पन ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 63 अगस्त/84—अतः मुझे वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 5 न्यू ब्लाक 23, रामचन्द्रपुरम है, तथा जो तेन्नूर वुरैयूर, तिरुक्ची में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, वुरैयूर दस्तावेज सं० 2284/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हवूम में सं० 5, न्यू ब्लाक सं० 23, रामचन्द्रपुरम,  
तेन्नूर तिरुक्ची दस्तावेज सं० 2284/84

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 18-3-1985

ओहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० आरमुगम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भल्लिका ।

(अन्तरिती)

**वास्तविक**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, मयुरै

मयुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 64 अगस्त/84--अनः मूने श्री० एम०

मुत्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० टी० एम० सं० 1132/बी है, तथा जो  
मुन्दरपुरम तिरुक्ची-18 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय आयंट सब-रजिस्ट्रार-III तिरुक्ची दस्तावेज  
सं० 1338/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 2-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताधारी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हवुस में टी० एम० सं० 1182/बी में मुन्दर नहर,  
तिरुक्ची-18, दस्तावेज सं० 1338/84 ।

टी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, मयुरै

दिनांक : 18-3-1985  
मोहर :

प्रकृष्ट आर्. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० वेङ्कटकृष्णन और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बालप्पा सहृष्पा ओगी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 65 अगस्त/84--अतः मुझे, श्री० एम०  
मुथुरामालिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि और मकान में एस० आर० सं० 222/2  
है, तथा जो तुवरंगकुलुच्ची गांव तिरुल्लुची में स्थित है (और  
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार तुवरंगकुलुच्ची दस्तावेज  
सं० 757/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
क 16) के अधीन तारीख 7-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  
19—66 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान में एम० एफ० सं० 222/2 तुवरंगकुलुच्ची  
तिरुल्लुची, दस्तावेज सं० 757/84 ।

श्री० एम० मुथुरामालिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मदुरै

दिनांक 18-3-1985  
मोहर

प्रकृष माधे. टी. एन. एस.-----

(1) श्री के० आरमुगम ।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती लीना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 66 अगस्त/85--अतः मुझे वी० एम०

मुथुरामालिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अममापालयम, है, तथा जो पेरमपलूर  
में स्थित है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय ज्वॉइंट  
मन्न-रजिस्ट्रार तिरुवंची, दमनावेज सं० 1334/94 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908) के अधीन तारीख 2-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और ऐसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के भाग परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

भूमि में टी० एम० सं० 1182/1 में अममापालयम गांव  
पेरमपलूर तालूका तिरुवंची जिला दमनावेज सं० 13384/84 ।

वी० एम० मुथुरामालिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक 18-3-1985

माहूर ।

प्रत्यक्ष आर्द्र को एन.एस.-----

(1) श्री के. अरुमुगम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मणिमेलै ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं. 67/अगस्त/84--अतः मुझे, वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० टी० एन० सं० 72, है तथा जो अम्मापालयम  
गांव पेरमपलूर तालु. में स्थित है (और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार तीर्थुची  
के कार्यालय जो गन्त दस्त-रजिस्ट्रार III तिरुची दस्तावेज  
सं० 1338/84 भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में भविष्य  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और सैट सं० टी० एन० सं० 72, अम्मापालयम  
गांव पेरमपलूर तालु. तिरुची जिला दस्तावेज सं०  
1338/84 ।

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मदुरै

दिनांक : 18-3-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष धार, टी. एम. एम. एम.

(1) श्री विक्रम ।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मुबारिक निशा ।

(अन्तरिती)

कार्यकाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 68 अगस्त/84--प्रतः मुझे, वी० एम०

मुथुरामालिंगम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 1126/1 तंजावुर रोड, पुदुकोट्टे है तथा जो दस्तावेज सं० 1933/84 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जायंट सब-रजिस्ट्रार पुदुकोट्टे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित में कमी करने या उसने बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेयजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और बिल्डिंग में टी० एम० सं० 1126/1, तंजावुर रोड, पुदुकोट्टे (दस्तावेज सं० 1933/84) ।

वी० एम० मुथुरामालिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मदुरै

दिनांक : 18-3-1985

मोहर



प्रकरण बाईं टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती ओ० अलगुसुन्दरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जी० इन्नासी मेरी ।

(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 69/अगस्त, 84— अतः मुद्रा, वी० एम०

मुन्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० न्यू सं० 71-1 से 71-9 तक, 71-10 से 71-13 तक, 64-1 से 64-6 तक, 65-1 से 65-3 तक, 68-1 से 68-3

70-1 से 70-3 तक और 74-1 टी० एस० सं० 9953 में है तथा जो नीरुमयम रोड पुदुक्कोट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लायिट सब रजिस्ट्रार-1 पुदुक्कोट्टे सं० 908, 909, 910/84, में भारतीय रजिस्ट्री-अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अनुसूचन से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या लससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 3-43 एकड़ में न्यू सं० 71, 7.72 एकड़ न्यू एस० सं० 64 और 65 और 6.72 एकड़ में न्यू सं० 68, 69, 70, और 74 में टी० एस० सं० 9953/2 (दस्तावेज सं० 908, 909 और 910/84)

वी० एम० मुन्तुरामलिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक 18-3-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरै

मद्रुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 70 अगस्त, 84— अतः मुझे वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 27 में सं० 104, चार ब्लाक,  
वार्ड सं० 4, मेन रोड पालकरै तिरुच्ची है, तथा जो तिरुच्ची  
में स्थित है (और इससे उपाकृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), जिसका अधिकारी के कार्यालय नायटि  
सब-रजिस्ट्रार—I, तिरुच्ची (वस्तावेज सं० 1349/84)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
भुक्त यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस सबुरा बीबी और अन्यो ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एम० हनिफा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाउस नैट में डोर सं० 27 चार ब्लाक वार्ड सं० 4  
टी० एस० सं० 104, पालकरै (तिरुच्ची) (वस्तावेज सं०  
1349/84) ।

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरै

दिनांक : 18-3-1985

महेश :

प्ररूप आई., टी. एन. एस. -----

(1) श्री आर० नरगुणन ।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसूर देवदाम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1955 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, मयूर

मयूर, दिनांक 18 अगस्त 1985

निर्देश सं० 71/अगस्त, 84— अतः मुझे वी० एम०

मुन्नुगमलिगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन गणन अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि में नये सं० 62, 63 और 64 में टी० एम० सं० 9953/2 टेन्नागुडि गांव, पेरेनगल्टर है तथा जो पेरेनगल्टर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्री० पेरेनगल्टर (दस्तावेज सं० 911/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तररति (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, को प्रकट करना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि में नई सं० 64, 63 और 62 में टी० एम० सं० 9953, 2 में टेन्नागुडि गांव, पेरेनगल्टर (दस्तावेज सं० 911, 84)

वी० एम० मुन्नुगमलिगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजंन रेज, मयूर

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

दिनांक 18-3-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री आर० चारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० राजामणी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 72 अगस्त/84—अतः मुझे, बी० एम०

मुत्थुरामा लिंगम ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हवुस सैट में एम० सं० 185/2 है तथा जो  
 अबीशेखपुरम तिरुच्चि में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय जायंट सब-रजिस्ट्रार 1 तिरुच्चि (दस्तावेज सं०  
 231/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन तारीख 16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
 पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हाउस सैट नं० टी० एम० सं० 185/2 के अबीशेखपुरम  
 तिरुच्चि (दस्तावेज सं० 231/84) ।

बी० एम० मुत्थुरामा लिंगम  
 सहायक सक्षम प्राधिकारी  
 आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, मदुरै

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-3-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरै

मद्रुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 73/अगस्त/84—अतः मुझे, बी० एम०

मुत्थुरामालिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 टी० एस० नं० 196, लेन स्ट्रीट है,  
जो कारैक्कुडी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जवाइंट सब रजिस्ट्रार-1, कारैक्कुडी दस० सं०  
451/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—66 GI/85

1. श्रीमती एस० पुरनानंदम अम्माल

(अंतरक)

2. श्रीमती पी० सरोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मद्रुरै

हवुस डोर सं० में 6, टी० एस० सं० 196, मुडुक्कु  
स्ट्रीट, मुत्थुरापीनम कारैक्कुडी (दस० सं० 451/84)।

बी० एम० मुत्थुरामालिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरै

तारीख : 18-3-1985

मोहर :

प्रमाण माह: टी. एम. एम. १९७७-७८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त्युपलब्ध

कार्यसिद्ध, सहायक नायकर नायकता (गिरासिद्ध)

अर्जन रेंज, मधुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ७४/अगस्त/८४—अतः मुझे, वी० एम०  
न्नरामलिंगम,

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० वेकंट सैट में एक० एम० 231/1 के अभिशेकपुरम है, जो तिरुन्ची में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधेसारी के कार्यालय, ज्वाइंट सब-रजिस्ट्रार 1 तिरुन्ची (दस्त० सं० 5559/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूँ में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के साक्ष्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा की तिथि; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तर्लुक्ती इधारा प्रकट नहूँ किया गया था या किया गया बाहिए का छियाने में सुनिध" के सिद्ध;

सूतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1. श्री ए० टी० तामस ।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञानवडीवेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

सकल सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेय है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ दूंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पेकंट सैट में एस० एफ० सं० 231/1, के अभिशेकपुरम,  
तिरुन्ची (दस्ता सं० 5559/84) ।

वी० एम० मुन्तरामलिंगम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मधुरै

तारीख : 18-3-1985

**मोडर :**

प्रकट आई. टी. एन. एड.-----

(1) पञ्चमल आसारी ।

(अन्तरक).

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नटराजन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-मदुराई

मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 15/अगस्त/84—अतः मुझे, वी० एम मुन्नुसाम-  
लिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि में एस० नं० 482/1 और 646/4 और  
कुण्ड में मिरुमल रेड्डीपट्टीगांव है, जो, गडलूर में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, एस०आर०ओ० कुल्लिनल दस : सं०  
1525/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) भारत सरकार द्वारा किसी भाग की भाव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कट जाने के अनुरूप के  
वास्तव में कमी करने या उच्च बचत में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाधक से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्वरूपी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि में एस० सं० 482/1, और 646/4 विन कुण्ड नीस्मलै  
रेड्डीपट्टी गांव, गूडलूर (दस : सं० 1525/84) ।

वी० एम० मुन्नुसामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मदुराई ।

तारीख : 18-3-1985

सहित 5

प्रकरण आई.टी.एन.एच.-----

(1) श्री राजभ पदनाबन ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० जाफार खान ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रैंज, मसुरे

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मसुरे, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 76/अगस्त/84—अतः मुझे, वी० एम०

मुख्युरामालिगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बख्शात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12-7-टि, 17, 12/8-टि, 28, 12/9-टि, 40)

13/3-टि 31 कोट्टापट्टी है, गांव जो तिरुच्चिरापल्ली जिला में  
स्थित है (और इससे उपोद्भूत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आदीट सब-रजिस्ट्रार-1

तिरुच्चि (वस्तावेज सं० 5646/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 अगस्त, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दखलान प्रतिफल से ऐसे दखलान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के अन्तर  
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भू या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नन्जा भूमि में सं० 12/7-टि 17, सं० 12/8-टि, 28, एम  
सं० 12-9-टि 40, एस सं० 13/3-टि 31 में कोट्टापट्ट  
गांव, तिरुच्चि तालुक  
(वस्तावेज सं० 5646/84)।

वी० एम० मुख्युरामालिगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-मसुरे

तारीख : 18-3-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रुरै

मद्रुरै दिनांक 18 मार्च, 1985

निदेश सं० 77/अगस्त/84—

अतः मुझे, श्री० राम

मुन्नुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वेकट सैट में एस० सं० 231/1 है, जो स्टेट बैंक  
ऑफ़ीसर्स कालोनी, तिरुच्चू में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जामीट सब-रजिस्ट्रार कार्यालय-1 तिरुच्चू दस  
सं० 5560/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खर्च  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० टी० तामस ।

(अन्तरक)

(2) श्री शम्भुसुन्दरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हवुस सैट से एस सं० 231/1 स्टेट बैंक ऑफ़ीसर्स कालोनी  
सुविशेषपुरम गांव तिरुच्चू दस सं० 5560/84 ।

श्री० राम मुन्नुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-मद्रुरै

तारीख : 18-3-1985

मोहर

इसका माह. टी. एम. एड. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
 भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजय रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च, 1985

निवेश सं० 78/अगस्त/84—

अतः मुझे, श्री० राम०

मुन्नुरामलिंगम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवेदन करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दायर मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखान और भूमि में टि०एस० सं० 3490 वेस्ट  
 पार्ट में वेस्ट राजा बीती पुदुकोट्टे में भारतीय में स्थित है  
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जायोट सब रजिस्ट्रार,  
 पुदुकोट्टे दस्त सं० 2114/84 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम  
 1908 (1908 का 16) के अधिन 16 अगस्त, 1984

को सूचित समिति के उचित दायर मूल्य से कम के दायमान  
 प्रतिकूल के लिए अस्वीकृत की गई है और इसके यह निवेदन  
 करने का कारण है कि यथापूर्वक समिति का उचित दायर मूल्य  
 उनके दायमान प्रतिकूल से, ऐसे दायमान प्रतिकूल का अस्वीकृत प्रतिकूल  
 से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती)  
 के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से अन्तरक अन्तरक विधि में वास्तविक रूप से उचित नहीं  
 किया गया है :—

(1) श्री आर० रेन्निमाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मनोरनजिदम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वक समिति के वर्जन के लिए  
 कार्यवाहीका रुक करवा है।

उक्त समिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर सूचित  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युत्पादकरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिला  
 गया है।

अनुमति

(क) अन्तरक से हुए किसी भी बात, उक्त  
 अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्क के  
 दायित्व में कभी करने या उससे करने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
 को, किन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 जायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रकोषमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 या वा किन्हीं आना बाहिर या, डिपाने में सुविधा के  
 लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तर्क  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूखान भूमि टी० एस० सं० वेस्ट पार्ट  
 में वेस्ट राजा स्ट्रीट, पुदुकोट्टे दस्त सं० 2114/84 ।

श्री० राम० मुन्नुरामलिंगम  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अजय रेंज-8; मदुरै

तारीख : 18-3-1985

हस्ताक्षर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्त रेंज, मद्रुरे

मद्रुरे, दिनांक 18 मार्च, 1985

निवेश सं० 79/अगस्त/84—

अत. मुझे, वी० एम०

मुथुरामालिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न्यू ब्लॉक सं० 38, डी०एम० 58 में तेन्नूर विलेज  
है, जो तेन्नूर विलेज, तिरुवंची में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय औरै यूर दस सं०  
2563/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 22-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव., उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा  
से निष्ठा और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या दिया जाना चाहिये था रिखपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति सीतालक्ष्मी अम्माल  
या कुन्वम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वी० वेन्कटेश्वरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के आक्षेप  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रत्यक्ष

हकम और भूमि में न्यू ब्लॉक 38 न्यू डी०एम० 58 तेन्नूर  
गांव, तिरुवंची जिला दस सं० 2563/84।

वी० एम० मुथुरामालिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन्त रेंज, मद्रुरे

तारीख : 18-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एम.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मुदुरे

मुदुरे दिनांक 18 मार्च, 1985

निर्देश सं० 80/अगस्त/84-अतः मुझे, वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० सी-76 में नए ब्लॉक सं० 27 न  
वार्ड डी० नएटी०एस० सं० 17 एस० आर०ओ०ओरेंयूर (दस्त० सं०  
2396/84) है, जो ओरेंयूर सिस्टीम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन अगस्त 1984

जो पूर्णरूप से उचित बाजार मूल्य से काम के उपयुक्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उपयुक्त प्रतिफल से ऐसे उपयुक्त प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तब बाधा  
गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मीनाक्षी अम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री आरुमुगम ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शायेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में विना या सहयोगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्धाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाऊस और भूमि में नए टी० एस० सं० 17, नए ब्लॉक 27,  
नए वार्ड डी में प्लॉट सं० सी-76 में ओरेंयूर  
(दस्त सं० 2396/84) ।

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मुदुरे

तारीख : 18-3-1985

मोहर :

प्रारूप धारा 1. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एम० जी० पीटडार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नेनम्मै ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

निर्देश सं० 31/अगस्त/1984—अतः मुझे, वी० एम०

मुन्नुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और विलिडिंग में एस० सं० 511/1  
ए. सी०—ब्लाक, सर्वे नार्ड 2 है तथा जो कारक्कुडी-दस० सं०  
1634/84 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ज्वाइट नम्बर-रजिस्ट्रार-2-कारक्कुडी, दस० सं० 1634/84  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 13 अगस्त 1984

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
वर्द्ध प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
वास्तव में कमी करने या उसमें बढ़ने से सूचना  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
के, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अंतर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए

अनुसूची

हाउस और भूमि सर्वे सं० 511/1ए, सी ब्लॉक, सर्वे नार्ड 2,  
कनेक्शन नार्ड-2 निर्धारण 2736 में कारक्कुडी में ज्वाइट 2,  
नम्बर-जिन्ना, दस० सं० 1634/84 ।

वी० एम० मुन्नुरामलिंगम

क्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मदुराई

धारा 269-ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—66 GI/85

दिनांक 18-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) निरुमलैतम।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती राजम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 82/अगस्त/1984—अतः मुझे, बी० एम०

मुन्नुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमियों में सं० 215/2 और 4 में वेनीयटर  
गांव 215/1 में वेनीयटर गांव है तथा जो वेनीयटर गांव अरियकुडी  
गांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ज्वाइंट सब रजिस्ट्रार, कारैकुडी, दस्त सं० 1702, 1704,  
और 1705/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रुटि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

5 34 टोकरस में सर्वे सं 215/2, 215/2 और 115/4

9.30 एकड़ में सर्वे सं० 2151

4.68 एकड़ में सर्वे सं० 215/1 और कुंए इन वेनीयटर गांव,  
अरियकुटि ग्रुप, कारैकुडि, दस्त सं० 1702, 1704 और  
1705/84

बी० एम० मुन्नुरामलिंगम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, मदुराई

दिनांक: 18-3-1985

मोहर :

अक्षय बाई.टी.एन.एस.

(1) श्री पेरुमल नायकर और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० रामभायन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० 83/अगस्त/1984—अतः मुझे, वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० भूमि में सर्वे सं० 85/2ए1 है, तथा जो उमयाल-  
पुरम गांव, मुसिरी तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार मुसिरी दस सं० 2018/84  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 17 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1 एकड़ और 43 सेंट सर्वे सं० 85/2ए1 उमयालपुरम  
गांव मुसिरी तालुक दस सं० 2018/84।

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मदुराई

दिनांक : 18-3-1985

मोहर :

प्रकरण नम्बर, टी. एम. एम. एम. एम. एम.

(1) श्री समसुद्दीन राठौर

(अन्तरक)

(2) श्री टी० ए० कलिबुल्ला

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० 84/अगस्त/1984—अतः मुझे, वी० एम०  
मुत्तुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० मकान और भूमि में सं० 722/1 और एस०  
सं० 723/1 पालापट्टी गाव है तथा जो पालापट्टी गाव, आला-  
कुरुक्षेत्री, कुरु भाल्लुक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, कुरु दस्त सं० 1149/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कटौत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारदात, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कटौत करने के अन्तरक के बाधक में  
कनी कटौत या उचित वर्णन में सुविधा के बिना;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अर्थात्  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 2—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों, आ आकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और बिल्डिंग में 61 गेजट्स आर्डर आफ 4 03  
एकमें में एस० सं० 722/1 और 723/1 पालापट्टी गाव, आला-  
कुरुक्षेत्री गाव, कुरु भाल्लुक, दस्त सं० 1149/84

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, मदुराई

दिनांक 18-3-1985

मोहुरा



नमूना नं० २१ एम.एस. - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मद्राई

मद्राई, दिनांक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० 85/अगस्त/84—अतः मुझे, वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,40,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० एम० सं० 219/1 डी1, ए/3 है तथा जो  
पाप्पाकुरुच्चो गांव काटूर में स्थित है (और इसमें उपावर्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, भवन-रजिस्ट्रार निम्नरूप दम सं० 2594/  
84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

क्या प्रमाण, - यह राजपत्र मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिगितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्हास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
कार्यत्व में कभी करने या उससे बचने के विवेका  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी भय या अन्य बावत  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए था छिपान में स्थित  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दसीग विनायगम और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मूक्कैया नेवर

(अन्तरिगितिया)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान और भूमि से सर्वे सं० 219/1 डी, ए/3 पाप्पा-  
कुरुच्चो, गांव काटूर दम सं० 2594/84

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, मद्रास

दिनांक : 18-3-1985

मोहर :

प्रकृष माई. टी. एन. एत. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 86/अगस्त/1984—अतः मुझे, श्री० एम०  
मुत्तुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए.सं. ए.फं. सं० 45/7ए तथा जो अरनामी  
टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सब  
रजिस्ट्रार अरनामी दस सं० 1533/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और  
अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनान् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भी० सुब्बैया बुडियार

(अन्तरक)

(2) श्री कलिफुल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताअंगी के पाग  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मद्रास

मकान में एस० एफ० सं० 45/7ए अरनामी टाउन दस सं०  
1533/84

श्री० एम० मुत्तुरामलिंगम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 18-3-1985

मद्रास

अरुण बाई, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निदेश सं/ए० सी० नं० 5786—यतः मूमे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमा अनुसूची में लिखा है तथा जो गद्या  
रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बम्बू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बावित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉ० मनोहर लाल शर्मा,  
ई० एस०—39,  
सिविल लाईन्, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री दुद्ध भजन सिंह,  
14-बी/5, अद्वैती मनहीस विजय कार्पोरेटिव हाउसिंग  
सं० प्लॉट नं० 14, मनहीसनगर,  
अद्वैती, वेस्ट, बम्बई-400058।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा कि फार्म नं० 37-ई० ई० दिनांक  
अगस्त, 1984 सक्षम अधिकारी जालन्धर आयकर अधिनियम  
269-ए० वी० (2) 1961 ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5787 और 5788—यतः मुझे,  
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो  
गढ़ा रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने से संबंध  
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से संबंध  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरदीप सिंह,  
पुत्र सुबेदार हरनाम सिंह,  
शेखा पिण्ड, तहसील जालन्धर,  
मुख्तियार श्री किशोरी लाल,  
पुत्र अमृत राम,  
मार्फत किशोरी लाल एंड सन्स,  
शास्त्री मार्केट, कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजीत सिंह,  
पुत्र सूरज सिंह,  
वासी 155—न्यू जवाहर नगर,  
जालन्धर भवा माल निरकारिया,  
फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिबा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 495/2185,  
दिनांक 8/84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17-4-1985  
मोहर ५

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5789-5790-5791-अतः

मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
शुद्धी के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधवात कहने का  
अर्थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती  
दनिशमंदा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह निष्वास  
कारण का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुआ किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोक्ताधर्मा अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, अस्थान में  
भविष्य के लिए;

(1) श्री बनारसी लाल,  
पुत्र बरकत राम सूर,  
192-आदर्श नगर जालंधर,  
मुख्त्यार श्री तेजा सिंह पुत्र सावन सिंह,  
वासी बस्ती दनिशमंदा,  
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बी० एस० बरेगी,  
बस्ती दनिशमंदा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में द्योते भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2028, 2029,  
2079 दिनांक 8/84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर  
ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-4-1985

मोहर

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रमुख आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5792—यतः सुखे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

1. रजिस्ट्री सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सामने रजिस्ट्रेशन  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बड़े बड़े विप्लव करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का बन्धु  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिष्ठित में  
वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चरण कौर,  
पत्नी स्वर्ण सिंह,  
वासी 11-लिक रोड,  
माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुभजन सिंह,  
पुत्र शमशेर सिंह,  
वासी 319, लाजपतनगर,  
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

न्यायिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1992 दिनांक  
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० न० 5793—यत मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
बुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
धारित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुक्त  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती चरण कौर,  
पत्नी स्वर्ण सिंह,  
वासी 11-लिक रोड,  
माडल टाऊन, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) जतीन्द्र पाल कौर,  
पुत्री बलचरण सिंह,  
वासी 557-माडल टाऊन,  
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1993, दिनांक  
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा  
है ।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

दिनांक : 17-4-1985  
मोहर :

प्ररूप भाई, टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5794—यतः मुझे, जे० ए०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुर  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती चरण कौर,  
पत्नी स्वर्ण सिंह,  
11-लोक रोड,  
माडल टाऊन जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री नवजीत सिंह सन्धू,  
पुत्र गुरभजन सिंह,  
बासी 319, लाजपत नगर,  
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1994, दिनांक  
अगस्त, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा  
है।

जे० ए० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-4-1985  
मोहर:



प्रकाशक: डॉ. एम. एम. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5795—यत मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गढ़ है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हुआ किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :-

(1) श्रीमती चरण कौर,  
पत्नी स्वर्ण सिंह,  
वासी 11-लोक रोड़,  
माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह,  
पुत्र गुरबख्श सिंह,  
वासी 141-गुरु तेग बहादुर नगर,  
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2027 दिनांक  
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-4-1985

मोहर :

प्ररूप बाई, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० न० 5796- यत. मुझे जे० एल०  
गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब की  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00 0  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बुन  
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मध्यापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्तरित प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की शकत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित,  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया  
था या किश जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चरण कौर,  
पत्नी स्वर्ण सिंह,  
वासी 11-लिक रोड,  
माडल दाऊन, जालंधर।

[(अन्तरक)]

(2) श्रीमती राजिन्द्र कौर,  
पत्नी गुरचरण सिंह,  
वासी डब्ल्यू० एस०-362,  
बस्ती शेखा, जालंधर।

[(अन्तरिती)]

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्चन के विषय  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाबत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2026, दिनांक  
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालंधर

दिनांक : 17-4-1985

मोहर :

प्रकृष्य आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 18 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5797--यतः सु०, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो रामगढ़  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फ्लोर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री अविनाश चन्द्र  
पुत्र गुदपाल चन्द्र,  
वासी रामगढ़,  
तहसील फिलौर।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल सिंह,  
पुत्र स्वर्ण सिंह,  
वासी जाडपाल,  
तहसील फिलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कर्मवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

बतुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1157, दिनांक  
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर ने लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 18-4-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष बाई.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5798- यतः मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो रामगढ़  
में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
शर्तों का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आन्तरिक रूप में स्थित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाबित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आशा रानी,  
पत्नी अविनाश चन्द्र,  
वामी रामगढ़, फिलौर

(अन्तर १)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर,  
पत्नी निर्मल सिंह,  
वामी जड़ियाला सहमील फिलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1158, दिनांक  
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर ने लिखा  
है ।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 18-4-1985

मोहर :

प्रकृप् आइ.टी.एन.एस.-----

- (1) मेसर्स अम्बिट एन्टेल्स और डेवलपमेंट्स कं.,  
नं० 32, म्यूजियम रोड, बंगलूर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) मेसर्स सनरैस अपार्टमेंट्स प्रा० लिमिटेड,  
बै० श्री एच० वी० तामत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 43938/84-85---यतः सुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जो सं० 22(5वीं) है तथा जो अलमूर रोड, बेंगलूर  
में स्थित है (और इसका उचित बाजार मूल्य में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 9 अक्टूबर 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
हाथिबंद में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
क लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता रहा है, छिपाने में  
गिरावट के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

23--66 GI/85

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1961/84 ता० 9-10-1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 22, (पुराना सं० 5 वीं), जो  
अलमूर रोड, बेंगलूर से स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 26-3-1985

मोहर :

एन प्रसू

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिफिकेशन सं० 44479/84-85-एन: मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पदों पर 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है तथा जो अलसूर रोड, 1 फ़ास, बंगलूर में स्थित है (और अपने 'आयकर अनुसूची' से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर 1984, शिवाजीनगर

पर प्रकाशित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरण लिखित में सामूहिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

जो इस सूचना के जारी होने की तारीख, उक्त अधिनियम के अधिनियम करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; जारी/बा

- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक चीज, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत, जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री राबर्ट बार्बटन रैट,  
नं० 24, अलसूर रोड,  
1 फ़ास, बंगलूर

(अन्तरक)

- (2) श्री लुईस डी० मेनेजस,  
ब्राह्मका और मैगर्स योने डी० मेनेजस,  
योने डी० मेनेजस,

(अन्तरिती)

ब्राह्मका, नं० 41, रेमिडेंसी रोड,  
बंगलूर।

- (3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1917/84 ता० 1-10-1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 24, जो अलसूर रोड, 1 फ़ास, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेन रेंज, बंगलूर

दिनांक 26-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44365/84-85-यतः सुश्री,

श्री० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 329 है तथा जो ऐवेन्यू रोड, बंगलूर में  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 26 सितम्बर 1984, गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरवर्ग) और अन्तरिती  
(अन्तरितिया) के बीच एक अन्तरण के लिए लय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयुक्त नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्री० गोमाल,

नं० 9, 1 क्राम,

लक्ष्मी रोड,

शांतिनगर, बंगलूर-27

(अन्तरण)

(2) श्रीमती के० एम० प्रेमा

नं० 284 अप्पार प्लेस,

मार्चर्डम, बंगलूर-80।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ध के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्ध के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर, पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1986/84 ता० 26-9-1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 329, जो ऐवेन्यू रोड, बंगलूर  
में स्थित है।

श्री० भारद्वाज;

सक्षम प्रावि गारा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक 26-3-1985

मोहूर

प्रकृष भाई'. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुनरेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 43897/84-85---यतः सुधे,  
भार० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स० सम्पत्ति है तथा जो उत्तरी, उत्तरहल्ली होबली  
बंगलूर दक्षिण तालुक से स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अगस्त 1984  
को पञ्चोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सभापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशान एलेक्जेंडर,  
बै० श्री ए० ओ० जार्ज, नं० 31/1,  
17 कास, रंगनानापुरम, मलेश्वरम,  
बंगलूर-3।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० नागप्प,  
नं० 15, बुल टेंपल रोड,  
नियर राम कृष्ण सर्कल, बंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3163/84 ता० 20-8-1984)

सम्पत्ति है जो उत्तरी, उत्तरहल्ली होबली, बंगलूर दक्षिण  
तालुक से स्थित है।

भार० भारद्वाज;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक 25-3-1985  
मोहर :



वरूप आई.टी.एन.एस., -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 43842/84-85-यतः मुझे  
आर० भारद्वाज,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सामं प्रधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि आधार सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० आर० एस० नं० 12-1ए, टी० ए० नं०  
733-1ए, है तथा जो कनकानाडि विलेज जेप्पु वार्ड, मंगलूर में  
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची से और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 28 अगस्त 1984, मंगलूर

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कट निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप के कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बावत से किसी कटने या कटने करने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :-

(1) श्रीमती दिप्रिफ्रेड डिसेजा,  
वाइफ/आफ एम० एफ० डिसेजा,  
नियर वलेनिया चर्च,  
कनकानाडि, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रेगोरी थेलेरिजन लोबो,  
सन/आफ अंथोनी लोबो,  
नियर वलेनिया चर्च, कनकानाडी,  
मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो, की  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ  
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यह उक्त  
अधिनियम, के ब्यापक 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त ब्यापक में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 800/84 ता० 28-3-1984)

सम्पत्ति है जिसका नं० आर० एस० 12-1ए 1, टी० ए०  
नं० 733-1ए 1, जो कनकानाडि विलेज, जेप्पु वार्ड, मंगलूर,  
में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर :-

प्रमुख भाषा: टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं०, 43856/84-85—यतः सूक्ष्मे,  
भार० भारद्वाज,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 (209) है तथा जो अप्पार प्लेस आरचर्ड्स,  
बंगलौर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा  
269-ग की अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास  
रजिस्ट्रीकृत किया गया है सूक्ष्मे यह विश्वास करने का कारण है  
अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक है सूक्ष्मे किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कभी करने या करने वाले के नृनिष्ठा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० एस० प्रकाश और के० एस० रमेश,  
मेसर्स सी० जे० सेठ कंस्ट्रक्शन कंपनी,  
नं० 408, XII मैन, राजामहल विलास एक्सटेंशन,  
बंगलौर-80।

(अन्तरकमे)

(2) 1. दीपकराज चोपड़ा.  
2. श्री विनोद कुमार चोपड़ा,  
3. श्री अशोक कुमार चोपड़ा और  
4. श्री उमेश कुमार चोपड़ा,  
नं० 43, II मैन, इंडस्ट्रियल टाऊन,  
राजाजीनगर,  
बंगलौर-44।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बंगलूर

(वस्तावेज सं० 1407/84 ता० 3-8-1984)  
सम्पत्ति है जिसकी सं० 209, (नया सं० 1) (भाग);  
जो अप्पार प्लेस आरचर्ड्स, बंगलौर-40 में स्थित है।

भार० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 26-3-1985

बोहुर २

## प्रथम भाग, डी. एन. एच. १०००००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 44670/84-85—यतः मुझे, आर०  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवक्षित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० - बें नं० 279/2, 279/5, 276/1 और  
279/1 बी है तथा जो कुनजिला जिलेज मडिकेरि तालुक में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), एजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 27 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का संतुष्ट  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पट्टा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भारत सरकार उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची  
में, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० पी० अय्याण्ण, के० पी० सीताम्मा,  
के० पी० मुत्तान्ना, के० पी० गौराम्मा और  
के० पी० नीलाम्मा, हुरातूर विलेज,  
मडिकेरि तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० नंजाप्पा, एम० ए० सुरेश  
और एम० ए० शारदा, कुकलूर,  
विलेज, विराजपेट तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 730/84 ता० 27-9-84)

सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 279/2, 279/5, 276/1  
और 279/1 बी, जो कुनजिला विलेज, मडिकेरि तालुक, में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-1985  
मोहर :

प्रमाण्य भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 29 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45877/84-85—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 76/119 है तथा जो काडुगोंडानाहल्लि,  
बंगलौर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्षा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधन  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
है, तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नागरानाम्मा,  
2. श्री मुनि अंजानप्पा,  
काडुगोंडानाहल्लि, बंगलौर,  
उत्तर तालुक ।

(अन्तरक)

(2) 1. सरताज बेगम और  
2. हबीबा, नं० 5, 13-क्रास,  
बंसतनगर, बंगलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नि-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3776/84 ता० 25-8-1984)  
सम्पत्ति है जिसका सं० 76/119, जो काडुगोंडानाहल्लि,  
बंगलौर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 29-3-1985  
मोहर :

अरुण बाई. टी. एन. एम - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आहत बहककर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 29 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45068/84-85-यत. मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह लिखित सूचना का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 910 है तथा जो बिन्नामंगला I स्टेज एक्सपोज़ेशन  
बंगलौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुभूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नीकृतित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की शक्यता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिये के - - - - -  
के - - - - - करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए;  
\* - - - - -

को आय, या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीकृतित व्यक्तियों, लिखित -

24 -66 GI/85

(1) श्री ए० गाम्पाशवा राव,  
नं० 1020, 12<sup>म</sup> मेन रोड,  
III क्राम, एच० ए० एन० II स्टेज,  
बंगलौर-38।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० नटागज और श्री बी० प्राम्,  
नं० 17/19, आर० नं० II स्ट्रीट,  
पुरानी मार्केट रोड क्राम,  
बंगलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लेखित के  
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2543/84 ता० 29-11-1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 910, जो बिन्नामंगला I स्टेज  
एक्सपोज़ेशन बंगलौर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक 29-3-1985

माहूर :

**प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 43893/84-85—अतः मंज्रे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 833-1, टी० एम० सं०  
655-1ए, है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० रघुचन्द्रा शेटी 2. एम० वी० शेटी,  
3. वृणभाराजा शेटी, 4. चन्द्राराजा जैन, 5.  
जगतपाल शेटी, 6. नराशिवनाथ शेटी, 7. जाना-  
चन्द्रा कुलूरु,—जैन कामपौड, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स आर० और आर० एण्टरप्राइजेस।

बै श्री एम० राजन, पैल्याड्स,  
पो० एम० राव रोड, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 721/84 दिनांक 16-8-84)

सम्पत्ति है, जिसका आर० एम० सं० 833-1, टी० एम०  
सं० 655-1ए, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना****राज्य सरकार**

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मार्च 1985

निदेश सं० 43810/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य उपाके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिक्षियों) के बीच उनके सम्पत्ति के लिए तय बाजार मूल्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् -

- (1) 1. श्री इफ्तिकर आलि खान  
2. श्री जुबैर आलि खान,  
सं० 4, आलबर्ट स्ट्रीट,  
रिचमण्ड टाउन, बंगलूर-25।

(अन्तरक)

- (2) 1. बेबी मदिया फरूक,  
2. मास्टर, पयूरैल फरूक, 3. बेबी नडिया फरूक,  
बै श्री मोहम्मद फारूक, नं० 11/7, किंग, स्ट्रीट,  
रिचमण्ड, टाउन, बंगलूर-25।

(अन्तरिक्षी)

- (3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कृष्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1329/84 दिनांक 3-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 4, जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 20-3-85

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 43732/84-85—यत. मुझे, आर० आर० आर०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एन० न० 83-6II है, तथा जो कद्रि-बी०-विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्ञयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यापन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ज्ञयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया है कि, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शिवाम्मा, 2 एकनाथ,  
3. कुशालामति 4 शिवानन्द—कद्रि,  
मंगलूर।

(2) श्री के० सहादेवा  
ए० टी० ए० इन्स्ट्रक्टर,  
एट कारवार, मंगलादेवी रोड,  
मंगलूर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्परबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यापनकारी के नाम निवेदन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 697/84, दिनांक 9-8-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० आर० एन०-83-6ए, जो कद्रि-बी०-विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

आर० भास्वान्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 25-3-85  
आह्वार :



प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 44378/84-85—अतः मुझे, आर०  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० पुराना नं० 40 और 40/1 तथा सं० 34, 35  
(I-फ्लोर) है, तथा जो IX-क्रास एच० लिङ्गधारा रोड, बेंगलूर में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
27-9-84

को पब्लिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथाप्राप्त प्राप्त करने के लिए, जो कि  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के आयिष्ठ  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० बी० कुप्पुस्वामी नायडू  
2. श्री पी० बी० रामचन्द्र नायडू  
607, X ए मैन रोड, IV-ब्लॉक, जयनगर  
बेंगलूर—11

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जकिया वेगम  
बैंक/आफ सैयद अलीमुद्दीन  
124/16, -VIII, क्राम विलसन गार्डन्स,  
बेंगलूर—27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पब्लिक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2569/84-85 दिनांक 27-9-84)  
सब सम्पत्ति है, जिसका सं० पुराना सं० 40 और 40/1,  
तथा सं० 34-35 (I-फ्लोर) जो एच० लिङ्गधारा रोड, बेंगलूर  
में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 25-3-85  
मोहर

प्रमुख जाह. टी. एन. एन. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 43902/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु निश्चात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 237 है, तथा जो III स्टेज III केस, बनशंकरी, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-8-84,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक का वास्तविक रूप में कमी करने या उससे बढ़ने में अविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रुतिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० आर० वेंकटेश  
नं० 1, नन्जप्पा बिल्डिंग,  
1-काम, लक्कामन्ना  
बेंगलूर ।

(2) श्री शंकरप्पा

(अन्तरक)

नं० 41 . 7 50 फीट रोड,  
13-ए मेन रोड,  
बनशंकरी, बेंगलूर—50

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2058/84-85 दिनांक 27-8-84)  
सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 237 जो III स्टेज III केस, बनशंकरी बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 25-3-85  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 43831/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/65-66ई है, तथा जो नजरवाद मोहल्ला  
ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पड़ा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आनन्दा आडप्पा  
पी० ए० होल्डर श्री ए० बालकृष्ण शेट्टी  
119, राजमहल विलाम एक्स्टेंशन  
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीति गोकुल  
गोकुल निवास" नं० 19  
देसेवेडोर रोड "आनिपुर"  
कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2335/84-85 दिनांक 18-8-84)  
सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 25/65-66ई जो नजरवाद  
मोहल्ला, ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है।

र० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रॉज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-85  
मोहूर :

प्रत्यक्ष भाई, सी. एन. एल. एल. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

**मोडल सहजमड**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 44374/84-85 अंत मुद्दे, ग्राम० भारद्वाज,  
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18, 19 और 20 हैं

તથા જો II ગ્રાસ જરનાલિસ્ટ કાલોની મે સ્થિત

है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीया) के बीच एस से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हटाने किसी माय की बावत, उक्त निर्दिष्टनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत को शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा प्रदान करने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जहाँ भारतीय धनकर अधिनियम 112 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या पञ्जाब का जमीनी राजस्व अधिनियम, 1947 या किसी अन्य कानून द्वारा निर्धारित था, छिपाने के लिए;

उत्तर १३, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तर्गत में, मैं, "ग अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन निर्मातृलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती पुष्पा रम्भा

सू. १८-२०, II क्रिस

जरनालिस्ट कालोनी ,

द्वैगल्यर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुमान शरीफ और कुछ लोग

सं० 56, हास्पिटल रोड,

देगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथ्वी सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य प्रारम्भ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि राय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को प्राप्त किया गया है या नहीं।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2646/84-85 दिनांक सितम्बर 1984)

सब सम्पत्ति है, जिसका स० 18, 19 और 20 पुराना स० (21/1, 21/2 और 21) जो II श्रेय जर्नलिस्ट कालोनी, ब्रेगलर में स्थित है।

२० मारुजाज

सभम प्राधिकारी

अहाय ६ आयकर आयकत (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक . 25-3-1985

भाहुर .

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 43976/84-85-प्रतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45/1 है, तथा जो राममन्दिर रोड, बसवनगुडी  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 13-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से करीबत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—  
25-66 GI/85

(1) श्री सी० चन्द्रशेखर  
श्री सी० वीरभद्रम्मा  
सं० 27, 1 मैन रोड मरियप्पनपालया  
केमपापुरा अन्नहारा, बेगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुस्तारी बेगम  
जी० पी० डा० होल्डर श्री एम० एन० इनायत  
नं० 4, पलिकेण्ट राक रोड,  
अयनगर, बेगलूर—11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2328/84-85, दिनांक 13-9-84)

सब सम्पत्ति है, जिसकी सं० 45/1 जो राममन्दिर रोड,  
बसवनगुडी, बेगलूर-4 में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बम्बई

दिनांक 25-3-85  
साहू

प्रथम भाग में, पृष्ठ 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

सहायक अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० 43983/84-85—यनः, मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका लीजेंड बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 89/1, तथा जो IV-मैन रोड, मल्लेश्वरम,  
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

इस अंतरक से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की  
वास्त से कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
प्र उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० एल० गोविंदाराज,  
सं० 24, बालाजी नगर,  
II, देज, मद्रास।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० देकादेश,  
नं० 37, II मैन रोड,  
मल्लेश्वरम, बेंगलूर—3।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2449/84 दिनांक 6-9-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 89/1, जो IV-मैन रोड, मल्लेश्वरम,  
बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर,

दिनांक : 26-3-85  
माह :

(1) मीस हारा न्यायशास्त्र  
134, मस. म. नोड,  
फ्रेजर टाउन बेगा

$$(1 + \sqrt{5})^n = F(n)$$

(2) ॥स० रामस,

५१ [१] १७३१८५ ११ १७३१८५

**वत्स गीब न ।। प्र पक्ष । गनुह ।**

(अन्तरास्ता)

कैसे यह सुझाव जारी हो सके। मैं इस पर विचार कर रहा हूँ।  
कार्यवाही करता हूँ।

भारद्वाज, ' 1

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी । १४२, १४३

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख को 45 दिन की अवधि या तत्समस्तर्फी व्यक्तियों 45 सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, या तत् अवधि बार में समाप्त होता है, के नीचे प्रत्येक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख २५.5 दिन के भीतर उक्त स्थान पर समाचार में हितवन्ध किसी क्रूर, पवित्र धर्म या अध्यात्मिक धर्म के पक्ष लिखित में कए जा सकोगे ।

[illegible]

अनन्त खन्

(अष्टावक्र) च १५८३३३ - ४८४)

समस्तानि च तत्कालं यथा, नित्यं प्रवृत्तानि सन्ति । एक-  
देशीय, देशीय च प्रवृत्तौ स्ते ।

अ० ० भारद्वाज

अङ्गुली इति च

महाश्वि । ज्येष्ठ । वसति । ( ग्राहण )

जॉन मेज, बंगाल

१२३४ २१०८ ४३

माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश नं० 43812/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० 134(78) है, तथा जो ओल्ड मद्रास रोड अलसूर, बेंगलूर-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-8-84, शिवाजीनगर, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से 'उक्त अन्तरण लिखित' में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वर्चन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला यादव और  
2. बी० एम० जयासिन्हा,  
सं० 8, मुनिस्वामाप्पा लेघोट,  
अलसूर, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० पशसमल,  
नं० 9, मिशन कम्पाउण्ड,  
बेंगलूर—27 ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंगलूर

(दस्तावेज सं० 1315/84, दिनांक 2-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 134 (78), जो पुराना मद्रास रोड, अलसूर, बेंगलूर-8 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-85

मोहर :



## प्रमुख भाई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

नोटिस सं० 43832/84-85—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/65-66 एफ है, तथा जो नजरबाद मोहल्ला, ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269-ब (1) के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम है—

(1) श्री जगन्नाथ आदप्पा—सं० पी० ए० होल्डर श्री एस० बालाकृष्ण शेटी, न० 119, राजामहल, विलास एक्सटेंशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनन्त वरदन गोयान्का, "गोयान्का निवास", 19, बेलवेदेरे रोड, आलिपोरे, कलकत्ता-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

(दस्तावेज सं० 2333/84 दिनांक 18-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 25/65-66 एफ, जो नजरबाद मोहल्ला, ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है।

र० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज बंगलूर

दिनांक 25-3-1985

माहुर

शरद बाई, टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 43830/84-85-यन सुओ आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/65ए है, तथा जो लालता महल रोड,  
मैसूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-84

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
कारण का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
में निम्नलिखित

(ख) यदि किसी भी व्यक्ति या किसी अन्य व्यक्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

(1) श्री निरमाणा, आदमी,  
बै० पी० ए० हाल्डर, श्री एस० बालाकृष्ण,  
शेट्टि, X-मैन रोड, आर० एम० विलास,  
बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आशिष एम० बकर,  
बै० श्री एम० के० कुमार,  
न० 3347, परिमला, न्यू के० आर० रोड,  
जयानगर, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही कराता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी जायज —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रत्येक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2334/84, दिनांक 18-8-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 25/65 ए०, जो लालता महल रोड,  
मैसूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, बंगलूर

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 25-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, लघुभक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

नं० 44507/81-85—अन. सू. आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो सरस्वतीपुरम II में रोड  
अलमूर, बंगलूर-8 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अर्वात्, दिनांक 10-9-8

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभु यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण  
में, मई, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अयलक्ष्मी,  
नन्दी थलेज,  
सिक्कापल्लापुत्र तालक ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री. ए.सी.एस.,  
म० 251, II स्ट्रेज,  
इन्दिरानगर, बंगलूर-38 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टव्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1665/84-85 दिनांक 10-9-84)

सब सम्पत्ति है, जिसकी सं० 4 जो सरस्वतीपुरम, II में,  
अलमूर, बंगलूर-8 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर :

प्रकाशित बाई.डी.एच.एच.

मातृभर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 43834/84-85—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज,  
मातृभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन तबत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/65 है, तथा जो ललिता महल रोड नजरबाद  
में स्थित है मोहल्ला मैसूर। (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-8-84।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल में, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
सम्बद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी भी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी कल्पने या उक्त वचन में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिना भारतीय मातृभर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या कियाने में  
सूचना के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

(1) श्री एम० बालकृष्णा शेट्टी,  
119, X मेन, आर० एम० विलास,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश एम० बाकरे,  
सरनाथ, वारडन रोड,  
बम्बई-400006।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :-

(क) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अन्वय

(दस्तावेज सं० 2298/84-85, दिनांक 17-8-84)  
सब संपत्ति है, जिसका सं० 25/65, जो ललिता महल  
रोड, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-85

मोहर :

प्रमुख प्राध. श्री. एम. एल.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेश सं० 43855/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'नवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनमें से 209(1) है, तथा जो अपार प्यालेस आरथडेंस,  
बंगलूर में, स्थित है (यहाँ इस उपाबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण  
रूप व वर्णित है), राजस्वप्राप्ति अधिनियम के कार्यालय, गांधी  
नगर में राजस्वप्राप्ति अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, दिनांक 3-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापर्यक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह गुणित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय धारा  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कानून के अन्तर्गत  
प्रमाणित करने के लिए उक्त अधिनियम के अधीन  
प्रमाणित करने के लिए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
नियम अधिनियम 1947 (1947 का 27) या  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है, के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अतिरिक्त, अधिनियम :—

26-66 GI/85

(1) श्री क० एस० रमेश और (2) ए. एस० प्राकाश,  
सं० 408, -XII मैन, राजा महल विलास  
एकस्टेशन, बंगलूर—80।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार चौपड़ा,  
2 श्री गोपाल चरण चौपड़ा,  
जयाति बिल्डिंगसे,  
एवेन्यू रोड, बंगलूर—2।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की मर्यादा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की मर्यादा, जो भी  
मर्यादा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के अधीन परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1406/84 दिनांक 3-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 209, (सू० सं० 1), (भाग);  
जो अपार प्यालेस, आरथडेंस, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 26-3-85

गोपनीय

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

सहायक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 43841/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें पारित 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अंतर्गत सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 353-1एल, 354, टी० एस० सं० 228-1एल, 229 है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-8-84,

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्तगत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गृहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचित हस्तगत प्रतिफल से, ऐसे हस्तगत प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मायकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण में निम्नित दायित्वक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अधिनियम के द्वारा किसी धन की धारत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य धारितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पारितनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है, को किसी धन या धारितियों के अधिनियम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नवानि आर० कामत,  
"श्रीराम दाम", पण्डेश्वर न्यू रोड,  
मंगलूर टाउन ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० मुरलीधर,  
2. मेमर्स चन्द्राकाना, "सम्पत सदन",  
निपर होम फार एजड, कनकानाडि  
मंगलूर—2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 796/84, दिनांक 27-8-84)

सम्पत्ति है, जिसका आर० एस० सं० 353/1 एल, 354, टी० एस० सं० 228/1एल, 229, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर :

प्रकाश भाग टी. एन. एच.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश सं० 43769/84-85—यथा, मूख्य, आर० भारद्वाज,  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसने  
इसके परकाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो हर्न्दगनगर-1, स्टेशन, बंगलूर  
में स्थित है (और इसका उपायवत् अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात्,  
दिनांक 16-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि तत्कालीन सम्पत्ति या उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियाँ) के बीच एक अन्तरक के लिए तब पास गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरक सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधि-  
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उसके बचने से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या धन वास्तिकी  
को, चिन्ह भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यदि अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की व्यवस्था  
में, तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स ए० मुद्रणनाम्मा,  
सं० 36, प्रताप आवन्यु,  
मद्रास—18 ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स श्रीराम दंडस्ट्रोज, पार्टनर —वी० बाला-  
मुत्रामणियन, "रामाप्रिया", नं० 2, III फ़ास, गुप्ता  
लेग्रोट, अलसूर, बंगलूर—8 ।

(अन्तरिणी)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—  
की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कारबाही करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होंगे, जो उस अन्वय में दिया  
गया है।

सूचना

(दस्तावेज सं० 1439/84, दिनांक 16-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 15, जो हर्न्दगनगर-1, स्टेशन, बंगलूर,  
में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
रक्षक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 4-4-85

मोहर

प्रथम भाग, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गिल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 43907/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2877-2878 है तथा जो I मैन लशकर  
मोहल्ला मैसूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-8-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राप्ति गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की बावड़, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विविध से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी भू या अन्य आस्थियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

तब, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूचना  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एन० आर० सुब्बा राव और  
ए० रामास्वामी सं० 2877  
हुल्लादाकेरि, I मैन लशकर, मोहल्ला मैसूर ।  
(अन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्रा सुरि जैन ज्ञान मन्दिर, मैसूर,  
रेसिडेंट्स बै इटस मेम्बर्स ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में रक्षित होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2541/84 दिनांक 31-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 2877-2878 हुल्लादाकेरि, I  
मैन लशकर मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1985

निदेश सं० 43905/84-85-अत : मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है—

और जिसकी सं० 4728 है, तथा जो शिवाजी राव रोड-I आस, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० बी० परामेश्वारा राव,  
2. एच० बी० प्रकाश राव, 3. एच० बी० रामा राव, 4. एच० बी० विश्वनाथ राव, नं० 4728, शिवाजी रोड, I आस, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर।  
(अन्तरक)

(2) डाक्टर बी० बी० पीटर,  
सं० 4728, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2463/84, दिनांक 24-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 4728, जो शिवाजी राव रोड, I आस, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 16-3-85  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 71/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) एम०/एस० सन रेंज बिल्डर्स,  
11-5-348, रेड हिल्स,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) के० नागेश्वराम्मा, 5-5-425/69।  
मुकरमजाही रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं० 407 अरुन अपार्टमेंट में रेड हिल्स, हैदराबाद  
विस्तीर्ण 865 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4112/84  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-4-1985

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० ए० सी० रेंज-II कल०/1984-85—अतः

मुझे, एस० के० बनार्जी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29 और 29ए/2 है, तथा जो राम कृष्ण समाधि  
रोड, कलकत्ता—54 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 13-8-84,

को पृष्ठांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय गमा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भगवति देवी चमरिया

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर सिद्धानिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन :—1265 वर्ग फुट प्लॉट

पता :—29 और 29ए/2, राम कृष्ण समाधि रोड, प्लॉट

सं० —2बी, कलकत्ता—54

सक्षम प्राधिकारी के पास 13.8.84 तारीख में रजिस्ट्री-  
द्वारा।

रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या —1984-85 का 19

एस० के० बनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 27-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विरंजन आयुव और अन्न

(अन्तरक)

(2) अन्नसज ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्देश सं० ए० सी०-110/रेंज-II/कल०/1984-85—अतः

शुद्ध, गेहूँ नईमुहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 15 सी० और 15 डी० है तथा जो चेतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सक्षमता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सक्षमता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाला किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन - 20 आ 8 हिटाक जमीन का साथ सक्कान

पता-15 सी० एवं 15 डी०, चेतला रोड, कलकत्ता ।

दलिल संख्या-एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का  
आई-10550 ।

शुद्ध नईमुहीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II/कलकत्ता

54, रफी अहमद किरवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 22-3-1985

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए  
ग्रेड-1 (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा  
1985।

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई, 1985

सं. एफ. 25/3/85 प 1 (ख)—भारत सरकार के राजपत्र दिनांक 18 मई, 1985 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड-1 की चयन सूचियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों के सामने, और नाम जोड़ने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बंबई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशन में 24 सितम्बर, 1985 से एक सीमित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। नीचे अनुबंध का पैरा 7 देखिए।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जाती है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है।

## वर्ग I

केन्द्रीय सचिवालय का ग्रेड I 10 (अ० जा० तथा अ० ज० जा० के लिए अलग-अलग रिक्तियों की संख्या सरकार ने नहीं दी है)

## वर्ग II

भारतीय विदेश सेवा, शाखा

'ख' के सामान्य संवर्ग का ग्रेड I 8 (अ० जा० के लिए 5 तथा अ० ज० जा० के लिए 3)

## वर्ग III

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का 1 (अ० जा० के लिए)  
ग्रेड I

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र में उस वर्ग का स्पष्ट रूप से अवश्य उल्लेख करें जिसके लिए वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार संलग्न आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करें। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 में प्राप्त किए जा सकते हैं।

27-66 GI/85

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चंतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति ग्रेड-1 (अवर सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा 1985 के लिए संलग्न निर्धारित आवेदन-पत्र पर ही प्रस्तुत करें। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित आवेदन-पत्र से अलावा अन्य आवेदन-पत्र पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का 1 जुलाई, 1985 (1 जुलाई, 1985 से पहले ही किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 15 जुलाई, 1985) तक या उससे पहले अवश्य भिजवा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बातका लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 1 जुलाई, 1985 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए वनाथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिल सके।

एम. बालकृष्णन  
उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

## अनुबंध-1

## उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवार आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिए कोन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में संबंध अनुरोध को सामान्यता स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्तु यदि कोई उम्मीदवार अपने घर केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होते अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक में आवश्यक भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 24 अगस्त, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है तो उसे अपनी पसंद के क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशन (वह स्थान जिन देशों में है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। आयोग यदि चाहें तो, उम्मीदवार को उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी एक में परीक्षा ले बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पेंसिल से ही भरने चाहिए। अथवा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र, अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को शरत नमय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गयी प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि अविष्टियाँ अपाठ्य या भ्रमक होंगी तो उनके निर्वाचन में हानि वाले भ्रम तथा त्रुटिपूर्ण के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को यह और ध्यान रखना चाहिए कि आयोग आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गयी प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए निशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संसत पत्रिष्ठियों का सत्यापन करके आवेदन-पत्र के अंत में दिये गये पत्रांकन को भर कर आयोग को भेजेंगे।

3. उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित पत्र अवश्य भेजें।

(1) उम्मीदवार के हाल ही के परमाणु आकार (लगभग 5 से.मी. × 7 से.मी.) के फोटो की दो एक तैसी प्रतियाँ से कि वह आवेदन-पत्र पर और उसकी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गई हो। उम्मीदवार को फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(2) लगभग 11.5 से.मी. × 27.5 से.मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर अपना पता लिखा हो।

(3) विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन-प्रपत्र, के साथ भेजेंगे।)

“उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र के साथ संलग्न उपस्थिति पत्रक पर वे अपने नाम तथा परीक्षा केन्द्र के अलावा कोई अन्य प्रविष्टि न करें।

4. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

5. आवेदन-पत्र देने से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र को अमक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा से बैठने का पात्र हो गया है।

6. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक माह के अंदर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग में पावती हेतु संपर्क करना चाहिए।

इस लक्ष्य का कि उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा यदि परीक्षा में धारु होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संशय के सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

8. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवार को सं. लो. से. आ. से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

9. आवेदन-पत्र में संबंध पत्र व्यवहार — आवेदन-पत्र से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घालपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाए तथा उनमें नीचे लिखा प्रकार अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का मास और वर्ष

(3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या अनुक्रमांक अथवा जन्म तिथि यदि आवेदन पंजीकरण संख्या अनुक्रमांक सचित नहीं किया गया है।

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े में)

(5) आवेदन-पत्र में दिया पत्र-व्यवहार का पता

विशेष ध्यान :—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पत्रों पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यान:—(2) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती है और उसमें पूरा नाम अनुश्रुत नही लिखा है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

10 पत्रों में परिवर्तन —उम्मीदवार का इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसके बदले हुए पत्रों पर मिल जाये करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 9 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र क जानी चाहिए यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रत्यन करता है फिर भी इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 9th March 1985

No. A-32013/3/84-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated 15-11-84, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. M. Sharma, Superintendent (DP) of the office of Union Public Service Commission, to the post of Assistant Controller (DP) (Group 'A' Rs. 700-40-900-EB-1100-50-1300) on *ad-hoc* basis in the Commission's office for the further period from 11-3-84 to 31-10-85 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri M. M. Sharma as Assistant Controller (DP) is purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

The 1st April 1985

No. A-38013/8/84-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. K. Arora, a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st March, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O. M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1983.

The 8th April 1985

No. A-12034/2/83-Admn.II(ii).—In continuation of this office Notification No. A-12034/2/83-Admn.II(i) dated 29-10-1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. R. Mani, Junior Research Officer (Lang.) to the post of Senior Research Officer (Lang.) on *ad-hoc* basis in the Commission's Office for a further period of 6 months w.e.f. 13-4-1985 to 12-10-1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri V. R. Mani as Senior Research Officer is purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Senior Research Officer.

The 11th April 1985

No. A-12022/1/85-Admn.II.—In pursuance of Department of Official Language O.M. No. 5/7/85-O1(S) dated 1-3-1985, Shri Yogendra Nath Gupta, is appointed as Deputy Director (Official Language) (CSCI-Group 'A' Pay scale Rs. 1100-1600) in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 21-3-1985 until further orders.

M. P. JAIN  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th April 1985

No. 40/PRS/012.—On completion of his deputation as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, Shri A. C. Panchdhari (Central Engineering Service), is relieved of his duties with effect from the afternoon of 2nd April, 1985 and his services are placed at the disposal of the Ministry of Works and Housing with effect from 2-4-1985 (AN).

The 23rd April 1985

No. 2/13/84-Admn.—Consequent upon acceptance of his notice for voluntary retirement by the Director General of Works, C.P.W.D. Shri R. K. Bhalla, Assistant Technical Examiner (Horticulture) is relieved of his duties in this Commission w.e.f. the afternoon of 22nd April, 1985.

K. L. MALHOTRA  
Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th April 1985

No. 5/1/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri S. Sen, Supdt. Police to officiate as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 24th April, 1985 and until further orders.

No. 5/1/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri K. Madhavan, Superintendent of Police, to officiate as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 24th April, 1985 and until further orders.

K. CHAKRAVARTHI  
Dy. Dir. (Admn.)  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110 003, the 26th April 1985

No. O.II-1941/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. N. Laxman Rao as Junior Medical Officer in CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 5th April, 1985 for a period of three months or till regular incumbent joins, whichever is earlier.

The 27th April 1985

No. O.II-1301/76-Estt.—Consequent upon his retirement from Government service, Shri Hari Singh relinquished the charge of the post of Dy. S. P., 52 Bn, C.R.P.F., on 31-3-1985 (AN).

The 29th April 1985

No. O.II-2007/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Rani MTC as Junior Medical Officer in CRPF on an *ad-hoc* basis with effect from 27-2-85 to 22-3-1985, afternoon.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI  
Asstt. Dir. (Estt)

DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 25th April 1985

No. E-16013(2)/15/82-Pers I.—Consequent upon his repatriation to State Cadre on completion of Central deputation terms, Shri A. K. Saxena IPS (Raj : 73) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (Pers) with effect from the afternoon of 22nd April, 1985.

The 26th April 1985

No. E-16015(3)/17/84-Pers I.—The President is pleased to appoint Shri Ajit Singh, as Commandant CISF Unit OTPP Obra with effect from the afternoon of 9th April, 1985 on purely *ad-hoc* basis and temporary for a period up to 27-8-1985 or till such time regular appointment made, whichever is earlier.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Dir. Genl./CISF

MINISTRY OF FINANCE  
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS  
COMMITTEE ON CHANGE IN FINANCIAL YEAR

New Delhi, the 30th April 1985

No. CCFY-2(7)-A/84.—Consequent upon the completion of the term of Committee On Change In Financial Year, Shri N. M. Majumdar, IAS (UP : 57) relinquished charge of the post of Joint Secretary in this Committee with effect from the afternoon of 30th April, 1985.

J. P. MISRA  
Administrative-cum-Accounts Officer



INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 24th April 1985

No. Admn. I/O.O. No. 105.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Nirmal Ved Bansil a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th April, 1985. His date of birth is 23rd April 1927.

No. Admn. I/O.O. No. 106.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri B. C. Dass, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th April, 1985. His date of birth is 6th April, 1927.

The 27th April 1985

No. Admn. I/O.O. No. 110.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints the following permanent Section Officers (now Assistant Audit Officers) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the afternoon of 22-4-1985, until further orders.

1. Shri D. K. Joshi
2. Shri R. M. Gautam.

M. L. KHURANA,  
Dy. Dir. of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I  
Madhya Pradesh

Gwalior, the 15th April 1985

No. Admn. XI/Gr-I/Promotion/AO/25/45.—The accountant General (Audit) : I Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote Shri G.P. Agrawal, Asstt. Audit Officer as Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the date of his taking over as noted against him :—

Name	Permanent No.	Date of taking over	Allocated to
Shri G.P. Agrawal	01/312	8-4-1985 F.N.	A.G. (Audit) II M.P.

[Authority : A.G. (Audit) : I Orders' dated 1/10.4.1985]  
M. DEENA DAYALAN  
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MAHARASHTRA

Bombay, the 29th April 1985

No. Admn. I/Genl./31-Vol.III/C-1(1)/15.—The Accountant General-I (A&E, Maharashtra, Bombay, is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names until further orders.

1. Shri N. T. Ganorkar—8-4-1985 F.N.
2. Smt. S. V. Javadekar—8-4-1985 F.N.

S. VISWANATHAN,  
Sr. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF LABOUR  
DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE  
SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 26th April 1985

No. 33/4/84-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay

is pleased to appoint Shri S. P. Bhattacharyya as Assistant Research Officer, Regional Labour Institute, Calcutta under the DGFASLI Bombay in an officiating capacity with effect from 10-4-85 (F.N.)

S. B. HEGDE PATIL,  
Dy Director  
General of Head of Department

MINISTRY OF COMMERCE AND SUPPLY  
(DEPARTMENT OF TEXTILES)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 16th April 1985

No. A-12025(iii)/3/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 29-12-1984 and until further orders Shri Bhawan Singh Pal as Assistant Director Grade-II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Calcutta.

No. A-32015(1)/84-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 17-10-1984 and until further orders Sh. B. K. Vyas, Assistant Director, Grade II (Non-Technical), in the Weavers Service Centre, Bombay.

V. K. AGNIHOTRI  
Addl. Development Commissioner (Handlooms)

DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 20th April 1985

No. A-1/2(440).—Shri P. C. Verugheze, Superintendent (Level II) in the office of Director of Inspection, Bombay is appointed to officiate as Asstt. Director (Administration) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 4th February 1985 and upto 23-3-85 in the leave vacancy of Shri E. I. Devassy, AD (Admn) (Gr. II).

Shri V. C. Verugheze, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) ad-hoc in the office of Director of Inspection Bombay is reverted to the post of Superintendent (Level-II) in the same office with effect from the afternoon of 23-3-85.

RAJBIR SINGH  
Dy. Dir (Admn.)  
for D. G. of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th April 1985

No. A-1/1(1258).—The President is pleased to appoint Shri Amar Parkash Jnagal, on his selection by the Union Public Service Commission, to officiate on temporary basis as Dy. Director (Sales Tax) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 17th April, 1985.

RAJBIR SINGH  
Dy. Dir (Admn.)

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th April 1985

No. A6/247(49)57.—Shri N. N. Bhaduri permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and Officiating as Dy. Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired from service with

effect from the afternoon of 31st January, 1985 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR,  
Dy. Dir (Admn.)

# MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th April 1985

No. 12(25)/61-Admn.(G) Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Surappa, Deputy Director (Mech.) Regional Testing Centre with effect from the forenoon of 8-4-1985 until further orders.

No. A-19018(543)/81-Admn.(G).—Shri H. V. Lalringa, an officer of the Indian Administrative Service (MF: 1972) and Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrepreneurs) in the office of the Development Commission (Small Scale Industries) relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrepreneurs) with effect from the afternoon of 26th February, 1985, on being sanctioned earned leave for preparation for reversion to the Cadre State with effect from 27th February, 1985 to 26th March, 1985.

2. The services of Shri Lalringa are placed at the disposal of the Government of Manipur after the expiry of the leave granted to him.

No. A-19018 (728)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Sunil Kumar Gupta as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 19-3-85 until further orders.

No. A-19018 (780)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri M. P. Joshi, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Br. Small Industries Service Institute, Haidwani under Small Industries Service Institute, Kanpur as Asstt. Director (Gr. II) (Chem.) at the same Institute with effect from the forenoon of 18-9-1984 until further orders.

The 27th April 1985

No. 12(316)/62-Admn. (G) Vol.III.—The President is pleased to permit Shri S. R. Verma, Director (Gr.II) (Mech.) Regional Testing Centre, Madras to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-3-1985.

C. C. ROY,  
Dy. Dir (Admn.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 23rd April 1985

No. 4228B/A-19012(1-PKU)/82/19A.—Shri R. K. Upadhyay, Assistant Geologist, Geological Survey of India has been released from this Department on resignation with effect from 31-7-84 (AN).

No. 4260B/A-19012(1-SKSR)/79-19A.—Shri Swapan Kumar Sinha Ray, Assistant Geologist has resigned from the services in G.S.I. with effect from 3-10-81 (AN).

The 25th April 1985

# CORRIGENDUM

No. 4439B/A-19012(1-DCLR)/83/19A.—The date of appointment of Shri D. C. Linga Raju, Assistant Geologist in the Geological Survey of India may be read as 21-8-1984

(FN) instead of 21-8-83 (FN) as notified in this office notification No. 7102B/A-19012(1-DCLR)/83-19A, dated 16-10-84.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)  
for Director General

Calcutta-16, the 24th April 1985

No. 4406B/A-19012(3-IKJ)/80-19B.—Dr. I. K. Jain, Assistant Chemist, GSI, has made over charge in GSI with effect from the afternoon of 6-2-85, for joining Advanced Training Institute, Sion, Bombay.

The 25th April 1985

No. 4426B/A-19012(1-DPR)/83-19A.—Shri D. Penchala Reddy is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28-12-1984, until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

# INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th April 1985

No. A-19011(221)/78-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Sri R. B. Deshmukh, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 6th April, 1985 (forenoon).

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

# DEPARTMENT OF COAL

## COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 29th April 1985

No. Adm. 12(1)/85.—Shri B. Sahay, Accountant has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B') in the scale of Rs. 550—25—750—EB—30—900/- w.e.f. 25-2-1985 (A/N).

No. Adm. 12(2)/85.—Shri S. Ahmed, Accountant has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B') in the scale of Rs. 550—25—750—EB—30—900/- w.e.f. 26-2-85 (F/N).

No. Adm. 12(3)/85.—Shri B. C. Paul, Head Clerk has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B') in the scale of Rs. 550—25—750—EB—30—900/- w.e.f. 25-2-1985 (A/N).

R. S. SHIVANI  
Commissioner

# DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 22nd April 1985

No. 4(65)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. Babu Rao as Programme Executive at All India Radio, Cuddapah in a temporary capacity with

effect from 1st June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

H. C. JAYAL  
Dy. Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 24th April, 1985

No. 17/17/85-S IV—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in ad-hoc capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further orders :—

S. No.	Name	Station/Office	Date of joining
1.	Shri T.K. Chalapathy	DDK, Madras	2-4-85 (FN)
2.	„ M. Raju	-do-	2-4-85 (FN)
3.	„ Ramesh Chander	HPT, Khampur	30-3-85 (FN)
4.	„ Mohd. Mujibur Rehman	AIR Dibrugarh	8-4-85 (FN)
5.	„ M.L. Ganbhir	TVRC Bhivani	4-4-85 (FN)
6.	„ H.L. Makker	P.E.U. Door- darshan New Delhi	30-3-85 (FN)
7.	„ D.R. Gupta	AIR Shimla	6-4-85 (FN)
8.	„ R.N. Naquib	DDK, Srinagar	6-4-85 (FN)
9.	„ Mohd. Abdur Rehman	HPT Chinsura	5-4-85 (FN)
10.	„ Asoke Roy	AIR, Calcutta	9-4-85 (FN)

B. S. JAIN  
Deputy Director of Administration (E)  
for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd April 1985

No. A. 19020/47/77(H) Admn.I.—On completion of his deputation in the post of State Coordination with the Ministry of Health & F.W., Shri H. T. Kansara assumed charge of the post of Health Education Officer (Ophthalmology) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 15th April, 1985.

B. K. JANA  
Deputy Director of Administration (G)

#### (E.P.I. SECTION)

New Delhi-110011, the 25th April 1985

No. A-12031/9/83-EPI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Harish Chander to the post of Librarian Grade-I at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of 25th March, 1985 and until further orders.

NARAIN SINGH  
Deputy Director Administration (PH)

#### MINISTRY OF IRRIGATION & POWER (DEPARTMENT OF IRRIGATION)

#### OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka Barrage, the 13th February 1985

No. E/PP-II. 267/1258(.).—Dr. Dipesh Mondal is hereby appointed as Medical Officer, Gazetted Group 'B' (General

Central Services) in an officiating capacity in the Farakka Barrage Project Hospital with effect from 29-9-1984 F.N. in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances on the terms and conditions as indicated in this office No. E/D-8/(Doctors) 142 dated 17-1-1983.

R. V. RANTHIDEVAN  
General Manager  
F. B. Project

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 17th April 1985

No. DPS/2/1(4)/82-Adm.10428.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri R. Sundararajan Assistant, Department of Atomic Energy as an Asstt. Personnel Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of April 11, 1985 until further orders.

P. GOPALAN  
Administrative Officer

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323 303, the 25th April 1985

No. RAPS/Rect/7(10)/85/S/531.—On transfer from Heavy Water Project, Talcher, Chief Superintendent, RAPS hereby appoints Shri Prakash Chand Jain as Accounts Officer-II in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 16, 1985.

B. G. KULKARNI  
Administrative Officer (E)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th April 1985

No. A. 38013/1/84-EC(.).—Shri A. K. Chatterjee, Assistant Communication Officer, Aero. Communication Station, Calcutta in Civil Aviation Department relinquished charge of his office with effect from 31-12-1984 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation

V. JAYACHANDRAN  
Assistant Director of Administration

#### MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

#### (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

#### (COMPANY LAW BOARD)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES ANDHRA PRADESH,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
The Methodist Church of India*

Hyderabad-1, the 17th April 1985

No. 2744/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the orders of the Hon'ble High Court of Judicature at Bombay in writ petition No. 1096 of 1980 dated 10th September, 1984 that the name of The Methodist Church of India has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Eastern Fibre Glass Pvt. Ltd.*

Calcutta, the 18th April 1985

No. 29193/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Eastern Fibre Glass Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
D. B. & Co. (India) Private Limited*

Calcutta, the 18th April 1985

No. 23110/560(1).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of D. B. & Co. (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Engineers & Planners Private Limited*

Calcutta, the 18th April 1985

No. 23950/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Engineers & Planners Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Indian Synthetic Pharmaceuticals Limited*

Calcutta, the 18th April 1985

No. 20452/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Indian Synthetic Pharmaceuticals Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Power Materials Private Limited*

Calcutta, the 18th April 1985

No. 20452/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Power Materials Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Hornbill Elevator & Engineering Company Private Limited*

Calcutta, the 18th April 1985

No. 30799/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hornbill Elevator & Engineering Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

H. BANERJEE  
Asstt. Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in  
the matter of Radhakrishna Films Pvt. Ltd.*

Cochin-602 011, the 24th April 1985

No. 986/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Radhakrishna Films Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and in  
the matter of Sukumar and Company (Kuries) Pvt Ltd.*

Cochin-602 011, the 24th April 1985

No. 2364/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sukumar and Company (Kuries) Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in  
the matter of Kerala Harijan Rubber Works Ltd.*

Cochin-602 011, the 25th April 1985

No. 2331/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Kerala Harijan Rubber Works Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in  
the matter of Krishna Kripa Spinning Mills Ltd.*

Cochin-602 011, the 25th April 1985

No. 1992/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Krishna Kripa Spinning Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in  
the matter of Deepam Chits and Trades India Pvt. Ltd.*

Cochin-602 011, the 25th April 1985

No. 2331/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Deepam Chits and Trades India Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE  
Registrar of Companies

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 1st March 1985

Ref. No. IAC ACQ, CA-5/37EE/9721/1113/1984-85.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 8 situated on the east side of 4th floor and car park No. 8 admeasuring total 219.79 sq. mtrs. in the proposed building to be constructed on R. S. No. 350/A/2 bearing 239/11A and 239/11B Boat Club Rd. Pune-11 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—66 GI/85

- (1) Mrs. Farhat Francis,  
14-B, Boat Club Road, Pune-1,  
Now temporarily residing at New Apsara  
Apartment C-19, 259 Bund Garden Road,  
Pune-1.  
(Transferor)
- (2) Mr. Mehrab Irani,  
85, Koregaon Park,  
Pune-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 8 situated on the East side of Fourth floor and Car Park No. 8 admeasuring total 219.79 sq. mtrs. in the proposed building to be constructed on R. S. No. 350/A/2 and bearing 239/11A and 239/11B known as 14-B Boat Club Road, Pune-11.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9721/84-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 1-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 4th March 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1112/84-85/37EE/8591/84-85/Thane.—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. "Vivek Apartments" Flat No. 7, Plot No. 40m., Anand Nagar, Navghar, Vasai(W) Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acq. Range, Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vimal Enterprises,  
303 Star Crystal Apartment, Sodawala Lane,  
Borivli(W) Bombay-92.  
(Transferor)

- (2) Shri Krishna Chandra Varma and  
Smt. Geetba K. Varma,  
Flat 406, Nirman Cottage, Fori Road,  
Versava, Bombay-61.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Vivek Apartments" Flat No. 7, Plot No. 40, Anand Nagar Navghar, Vasai(W), Dist. Thane.

(Area 515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8591/84-85 in the month of September 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pooona

Date : 4-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 4th March 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1111/84-85/37EE.5669/1984-85.—Whereas I,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C.S. Nos. 67, 68, 69, 70, 71 &amp; Theatre Building

(1) Old Bldgs. constructed in 1955 and Canteen Buildings constructed in 1971

situated at Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqn. Range, Pune in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Somchand Mauchand Shah,  
290, Vakhar Bhag,  
Sangli.

(Transferor)

- (2) Shri R. K. Phadtare, his three sons viz. Ashok, Sunil, Anil and Madhavrao Bhagwanrao Pawar and his three brothers viz. Sarjerao, Bhimrao & Prakash. All of Tasgaon,  
Dist. Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.S. Nos. of 67, 68, 69, 70 & 71 & Theatre Building  
(1) Old Buildings constructed in 1955 and Canteen Buildings constructed in 1971

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5669/84-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-3 1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Yugma Promoters & Builders,  
339, Mahatma Phule Peth,  
Pune-2.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Kianti M Ambekar & Shri Machhendra,  
B Ambekar, 332 Gunaival Peth,  
Pune-2.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 4th March 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/1110/84-85/37EF/6308/1984-85.—Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 2, Plot 50, S. No. 88/4+138+161

Kothrud, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Plot No 50, S. No 88/4+138+161 Kothrud, Pune

(Area 510 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6308/84-85 in the month of September 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 4-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 16th March 1985

[Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37-G/980/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 1, S. No. 37/2 Bungalow-land at Sangameshvar Tal. Malegaon, Dist. Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Malegaon Nasik in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirathsing Santasing Thakuraj at Sangameshvar, Tal. Malegaon, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Krishnaji Ramchandia Sonar, 259 Mamlatdar Lane, Malegaon, Dist. Nasik Malegaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1, S. No. 37/2, Bungalow-land at Sangameshvar, Tal. Malegaon, Dist. Nasik.

(Area 469.9 meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Malegaon, Nasik, under document No. 980 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 16-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 21st March 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/5737/1134/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2 on ground floor area 275 sq. ft. in building called Trupti Apartments, 247/1 Rasta Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn Range, Pune in Aug 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Makwana Construction Co. (S.S.W) Divine Terrace 911-914, Synagauge Street, Pune Camp, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Karuna V. Nath, 589, 3rd Cross Mahalaxmi Lay Out, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2 on ground floor area 275 sq. ft in building called Trupti Apartments, 247/1 Rasta Peth, Pune,

(Area 275 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5737/1984-85 in the month of August 1984.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pooona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. Rajendra Associates,  
619 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Smt. Diwalibai Sampurnaj Nahar, 721 Guruwar  
Peth, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 21st March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein an  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/1133/37-EE/6330/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingNo. C.T.S. No. 1479/80 Shukriawar Peth, Pune-2 situated at  
Pune(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1479/80 Shukriawar Peth, Pune-2.  
(Area 400 sq. ft.)(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 6330/1984-85 in the month of September  
1984.ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
PooonaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 21-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 23rd March 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/1135/37-EE/9881/1984-85.—  
Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. The building known as Nalin Chambers is having Ground Plus two Upper Floors with shops and office premises of different sizes situated on Final Plot No. 173 of T. P. Scheme Sangamvadi and City Survey No. 19 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Tristar Builders,  
21 Prospect Chambers, Annexe,  
Pitha Street  
Bombay-1.

(Transferor)

(2) M/s. Prince Petroleum Co.  
C/o. Mr. A. R. N. Liwari,  
B/6 Majfair Society,  
4 Dhole Patil Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The building known as Nalin Chambers, is having Ground Plus Two Upper Floors with shops and office premises of different sizes situated on final Plot No. 173, of T.P. Scheme Sangamvadi and City Survey No. 19 on Sir Bhandarkar Road (now Dhole Patil Road) Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9881/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date 23-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mahajan Bhilare Associates,  
180 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 23th March 1985

Ref. No. IAC[ACQ/CA-5/1136/37-EE/5085/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 6, 1st floor, Kusumanjali Apartment, Parvati, S. No.129/ATA, Plot No 6, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Floor, Kusumanjali Apartment, Parvati, S. No. 129/ATA/Plot No. 6, Pune-30.

(Area 430)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5085/1984 85 in the month of August 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
PuneNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely  
29—66 GI/85Date : 23-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Pushkar Builders, (Promoters)  
30/2 Pradwana, Pune-4

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradeep Vasant Tale,  
286 Shatwar Peeth, Pune-30.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 23th March 1985

Ref No. IAC/ACQ/CA-5/37-EE/OJ-893/84-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 10 (1st floor) Prabha Apartments, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 10 (1st Floor) Prabha Apartments, Kothrud, Pune-29.

(Area 554 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune, under document No. 893/1984-85 in the month of October 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-3-1985  
Local :

## FORM ITNS

(1) M/s Arvind Constructions,  
Machhi Apartment,  
Near Lokmanya Nagar,  
Pune-39.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Narendra K Nehete,  
Plot No. 11, Vise Vada Near Canara Corner,  
Nasik-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 25th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/1138/37-EE/403/Nasik/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 15 on top floor in Building under construction at Tilakwadi, S. No. 646 Hissa No. 88, Rohini Apartment, Nasik situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 15, on top floor in building under construction at Tilakwadi, S. No. 646 Hissa No. 88 Rohini Apartment, Nasik.

(Area 542 Sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 403/1984-85 in the month of October 1984)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 25th March 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37-EE/5842/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being No. Shop No. 6 Ground Floor at "CIAL CHAMBERS" 1216/6 F.C. Road, Deccan Gymkhana, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. C. L. Shirole,  
1216/6 Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferor)

- (2) M/s. Garud Groups,  
2 Vishram Baug Co-operative Housing Society,  
Peona-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 6 Ground Floor at "CIAL CHAMBERS" 1216/6 M. C. Road, Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5842/84-85 in the month of August 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 25-3-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Kamar Jahan Begum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Aslam Khan.  
2. Smt. Mahrunnissa Begum.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

Lucknow, the 15th April 1985

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. A-170/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Constructed house situated at Vill. Narkhera, Teh-Shahabad, Distt. Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Constructed house situated at Village-Narkhera, Tehsil-Shahbad, Distt. Rampur (as mentioned in 37G Form No. 1300) registered by the Registering Authority, Rampur, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

- (1) 1. Shri Atjal Sher Khan  
2. Smt. Kamar Jahan Begum

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. A-171/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Narkhera, Tehsil-Shahabad, Distt. Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of or any income or any moneys or other assets which have not been or may not be disclosed by the transferor in the return filed by him under the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

**THE SCHEDULE**

Land measuring 10 acres situated at Village-Narkhera, Tehsil Shahabad, Distt. Rampur (as mentioned in 37C Form No. 1299) registered by the Registering Authority, Rampur, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1 Shri Rajendra Nath  
2 Shri Bindia Nath

(Transferor)

- (2) 1 Shri Gurnish Kumar Gupta  
2 Shri H. H. Pal Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM NARAYAN MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

GIR No. G-78/Acq. Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing

Land Khasta No. 512 situated at Mauza Mau Pargana & Distt. Moradabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land Khasta No. 512 measuring 2005.45 sq. mtrs. (0.49 decimans) situated at Mauza Mau Pargana and Distt. Moradabad (as mentioned in Entry No. 5922) registered by the Registering Officer at Moradabad on August, 1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date: 27.3.1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satya Narayan Prasad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. I-22/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. C-2/12 with land situated at Moh. Hankar Tola, Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or such ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. India Tobacco Concern,  
through partner, Shri Rama Nath,  
Varanasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property along with land measuring 889 sq. ft. bearing No. C-2/12, Mohalla-Hankar Tola, Varanasi (as mentioned in 37G Form No. 14525) registered by the Registering Authority, Varanasi, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 27-3-1985  
Seal :

FORM I.I.N.S.-----

(1) Shri Ram Prakash Vaish.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlesh Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 27th March 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act.  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.G.I.R. No. K-152/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingA double storeyed constructed house situated at Mirdha Tola,  
Budaun(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908), in the Office of the Registering Officer at  
Budaun on August, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A double storeyed constructed house situated at Mirdha  
Tola, Budaun (as mentioned 37G Form No. 6787) registered  
by the registering Authority, Budaun, on August, 1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D (1) of said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

30—66 C/1/85

Date : 27-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. M-215/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land situated at Sair, Leonard Ayarpatta, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nainital on August, 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri R. Shah  
through Smt. Champa Shah and Sri Anoop Shah
2. Smt. Champa Shah  
through Attorney, Shri Anoop Shah
3. Shri Anoop Shah.

(Transferor)

- (2) Shri Mahesh Belwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3259 sq. mtrs situated at Sair, Leonard Ayarpatta, Nainital (as mentioned in 37G Form No. 297) and all that property which is mentioned in the sale deed, registered by the Registering Authority, Nainital, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. M-216/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Jatwara, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Tara Devi
2. Anand Kumar
3. Santosh Kumar
4. Kamal Kumar
5. Deepak Kumar
6. Subhash Kumar

(Transferor)

- (2) Shri Mahendra Saran Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 795 sq. yards situated at Jatwara, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 6648) registered by the Registering Authority, Bareilly, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 27-3-1985.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No P-136/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Mauza-Mau, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Moradabad on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Arun Kumar Srivastava  
2. Shri Shreshthveer Bhatnagar  
3. Shri Dhanamveer Bhatnagar (Transferor)  
(2) Prakashnagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Moradabad through Shri Om Prakash Agaiwal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3.18 decimals situated at Mauza Mau, Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 6010) registered by the Registering Authority, Moradabad, on August, 1984.

A PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 27-3-1985.

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Nisar Ahmad  
2. Shri Habib Ahmad  
3. Shri Rais Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Pradeep Kumar  
2. Shri Prabhat Kumar

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No P-137/Acq—whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Land Khasra No. 215 situated at Larapur, Distt. Bijnor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Bijnor on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and bearing Khasra No. 215 measuring 6 Bigha 19 Biswas situated at Larapur, Distt. Bijnor (as mentioned in 37G Form No. 3898) registered by the Registering Authority, Bijnor, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 27-3-1985.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Lal Vaid.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Dulari Jethi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. R-245/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A portion of compound of Republic Hotel situated at Nainital (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of compound of Republic Hotel measuring 211.66 sq. mtrs. situated at Nainital (as mentioned in 37G Form No. 311) registered by the Registering Authority, Nainital, on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 15-4-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. Vinod Bala Sharma.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shiv Dayal

2. Shri Krishna Kumar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. S-362/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Constructed property with land situated at Civil Lines No. 35, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Bareilly on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Constructed property with land measuring 315 sq. yards situated at Civil Lines 35, Rampur Bagh, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 6091) registered by the Registering Authority, Bareilly on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 27-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. 363/Acq. Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land situated at Chhavni, Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Moradabad on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jai Kishan  
2. Shri Satya Narain  
3. Shri Rameshwar Prasad  
4. Shri Kishan Das Prasad

(Transferor)

- (2) M/s. Shiv Shakti Sekhari Avas Samiti Ltd.,  
Mandi Bans, Moradabad  
through Secretary, Shri Tahir Hussain.

(Transferee)

- (3) State of UP Police Deptt. (DIG, PTC's residence).  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 7143.34 sq. mtrs with a Kothi constructed on 562 sq. mtrs. situated in plot No. 457, and old quarters constructed on 183 sq. mtrs. land in plot No. 457 of Vill. Chhavni, Civil Lines, Moradabad, registered on August, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 27-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

Ref. No. G. I. R. No. M-217/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Arazi Land situated at Vill-Rurgu Nagla, Tehsil-Sadar, Distt. Rampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur, in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
31—66 GI/85

- (1) M/s. Modizerox Ltd., Meerut  
Through Bhimu Prabandhak Adhikari,  
Shri Purshottam Swarup. (Transferor)
- (2) M/s. Modipur Hotels Pvt. Lt.,  
Modipuram, Meerut  
Through Shri Sharaf Agarwal, Director. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi land measuring 7 Bigha 4 Biswa situated at Vill. Durgu Nagla, Tehsil, Sadar registered by the Registering Authority, Rampur on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 15-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satya Prakash

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1985

Ref. No. G. I. R. No. N-90/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land No. 58, situated at Village-Narain Bujrug, Distt. Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun on 30-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) 1. M/s. New Adash Finance Co., Budaun  
Through Shri Bij Bhushan,  
Managing Partner
2. M/s. Bharat Trading Co., Budaun  
Through Shri Shanti Lal Arora,  
Managing Partner
3. M/s. Anuja Traders, Budaun  
Through Shri Sunder Singh,  
Managing Partner

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 58 measuring one Bigha, 19 Biswa and 3 Biswansi, situated at Village-Narain Bujrug, Distt. Budaun, registered by the Registering Authority, Budaun on 30-8-1984 (as mentioned in the 37G Form No. 6978).

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 15-3-1985

Seal :

FORM 111A

(1) Shri Krishna, Murari Lal

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-  
57, RAM NARATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

Ref. No. G. I. R. No. M-91/Acq—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land No. 59 situated at Village-Narain Buzurg, Distt. Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun on 30-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) 1. M/s. New Adarsh Finance Co., Budaun  
Through Shri Gaj Bishan,  
Managing Partner
2. M/s. Bhatia Trading Co., Budaun  
Through Shri Shanti Lal Arora,  
Managing Partner
3. M/s. Anuja Traders, Lucknow  
Through Shri Sunder Singh,  
Managing Partner

(Transferee)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 59, measuring 1 Bigha, 19 Biswa and 12 Biswas, situated at Village-Narain Buzurg, Distt. Budaun, registered by the Registering Authority, Budaun on 30-8-1984, (as mentioned in 37G Form No. 6979)

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date: 15-4-1985.

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

No. G. I. R. No. M-92/Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing bearing No. Land situated at Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budaun on 30-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Rakshpal Rastogi

(Transferor)

(2) 1. M/s. New Adarsh Finance Co., Budaun  
Through Shri Bij Bhushan,  
Managing Partner2. M/s. Bharat Trading Co., Budaun  
Through Shri Shanti Lal Arora,  
Managing Partner3. M/s. Anuja Traders, Budaun  
Managing Partner

(Transferee)

(3) Vendees,

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 18 Biswa and 11 Biswansi, situated at District Budaun (as mentioned in 37G Form No. 6983) registered by the Registering Authority, Budaun, on 30-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 15-4-1985.  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mr. Sadanand Virupax Wagle

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Balkrishna Mistry Achrekar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/2358/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. L-13, Maharashtra CHSL situated at Parel  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269-AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Officer at Bombay on 18-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said treatment of  
transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

Flat No. I-13, Maharashtra Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ambekar  
Nagar, Off. Parel Tank Road, Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Au-  
thority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3396/84-85 on 18-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2386/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 47, Rajat Apartments situated at Mount Pleasant Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Yuvraj Shri Pravinchandrasinhji. (Transferor)
- (2) Dr. Yogesh A. Parikh (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 47, 4th floor, Rajat Apartments, Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3397/84-85 on 9-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Mrs. Yvette Soli Shroff & Hector Soli Shroff  
(Transferor)  
(2) Smt. Meenaxi Manhar Udhas & Manhar Kashubhai Udhas.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2774/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Skyscraper Bldg. situated at Bhulabhai Desai Road. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-8-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, on 4th floor in building Skyscraper 'B', Bhulabhai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3412/84-85 on 18-8-1984.

The

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jayant Wagle

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37FE/2478/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 92-A, Purushottam Towers situated at Gokhale Road, South Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Mahendra Ghisulal Jain,  
Surendra Ghisulal Jain  
Narendia Ghisulal Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 92-A, Purushottam Towers, 9th floor, Plot No. 884 TPS IV Off. Gokhale Road, South Dadar, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3404/84-85 on 17-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37-EE/3217/84-85.—Whereas, 1.  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 93B, Maker Tower situated at Cuffe Parade  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269-AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Authority  
at Bombay on 28-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
32 -66G1/85

- (1) Mr. Surendra Kumar Agarwal  
(Transferor)  
(2) Mr. Vijaykumar Agarwal  
(Transferee)  
(3) Mrs. Rani Agarwal  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 93, B, Maker Tower, Cuffe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3508/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3230/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 54 (A) 'ANITA' CHSL situated at Mount Pleasant  
Road,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Author-  
ity, at Bombay on 21-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri J. N. Gupta,  
Miss Anjali J. Gupta & Miss Aarti J. Gupta  
(Transferor)
- (2) Mathur Sevantalal Choksi & Sevantal M. Chokshi  
(Transferee)
- (3) Transferees,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 54 (A) 'ANITA' Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Mt.  
Pleasant Road, Bombay-6

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/2764/84-85 on 21-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-4-1985.  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 14th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3461/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, ANURAG Bldg. situated at Banganga Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bhavanjibhai Devji Dedhia (Transferor)  
(2) Madanlal Kundanmal Jain (Transferee)  
(3) Transferees, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Flat No. 104, 1st floor, ANURAG, 9 Banganga Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No 3237/84-85 on 3-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985.  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3476/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 1320 at Prasad Chambers situated at Opera House, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Mohta, Prop. of Royal Gems.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ashesh Brothers  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 1320 at 13th floor of Prasad Chambers Premises Co-op. Society Ltd., Swadeshi Mill Compound, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3247/84-85 on 4-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985.  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3479/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 25, Duru Mohal, situated at Off. Marine Drive, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vyjayantimula C. Bali.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra T. Bhammer, Smt. Arti M. Bhammer, Master Sandeep M. Bhammer &amp; Master Vishal M. Bhammer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 25 on the 6th floor of 'Duru Mohal' F Road, Off Marine Drive, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3510/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Prakash N. Bangani

(Transferor)

(2) Shri Subodh Krishna Tari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3480/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302, Veena Deena Apts. situated at Sewri (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 302 F Wing, Veena Deena Apartment, Sewri (West) Bombay-15

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3250/84-85 on 9-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) M/s. Gopinath Industrial Investment Corporation.  
(Transferor)(2) M/s. Swadeshi Leasing Company Limited.  
(Transferee)(3) Transferor  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/3488/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office Premises No. 45, Mittal Court situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 55, Mittal Court A Wing, 4th floor, Plot No. 224, Block III, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3260 84-85 on 6-8-85.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37IE/3495/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Shantinagar CHSL98 Laxmibai Jagmohanda Road situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hemant Vyomesh & Co. (Transferor)  
(2) Mrs. Ruvamaniben Premji Shah (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## (THE SCHEDULE

Shop No. 2, Shanti Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 98, Laxmibai Jagmohandas Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3264/84-85 on 6-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(1) Shri Kantilal Chhotulal Mehta, Bakulesh Kantilal Mehta Bakulesh Kantilal Mehta, Guardian of minor Anur B. Metha Bhavna Bakulesh Mehta, Dhiren Kantilal Mehta.

((Transferor)

(2) 1. Smt. Lulavanti Manilal Shah &amp; Shri Jitendra Manilal Shah

(Transferee)

(3) Transferors (Person in occupation of the property)

.Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/3505/84-85.—Whereas, I, A.

LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 8 Sudama Building situated at Walkeshwar Road (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor, Sudama, 214 Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3282/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
33—66GI/85Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref# No. AR-1/37EE/3507/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 20, Tardeo Air-Conditioned Market situated at Tardeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Lalita Narayan Vora (Transferor)  
(2) Mrs. Saina Z. Vohra (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 20, Tardeo Air-Conditioned Market, 3rd floor, Tardeo, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3284/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3509/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 319A, Service Indl. Estate situated at Sewree (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ms. Prabhudas Dalichand & Co. (Transferor)
- (2) Shri Eknath Bhalchandra Lomber & Shri Dilip Bhalchandra Lomber (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 319A, 3rd floor, Service Industrial Estate, Land bearing C.S. No. 2/159, 1A/160, 1C/160, 18/160, 1A/184 of Farel Sewree Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3286/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Mrs. Rukmani Hashmatrai Advani.  
(Transferor)  
(2) Mr. Murlidhar H. Agrawal & Mr. Hanumandas J. Agrawal.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/3/EE/3510/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Vishnu Mahal, D. Road situated at Churchgate Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 2n69AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, Ground floor, Vishnu Mahal, D. Road, Churchgate, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3287/84-85 on 6-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Sd/-



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3511/84-85.—Whereas, I,  
LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Land with buildings situated at Love Lane, Mazgaon, bearing C.S. No. 399 situated at Mazagaon Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Trustees of Hussainali Abdulali Dholakia Charitable Trust, (Transferor)
- (2) M/s. Sumar Associates, (Transferee)
- (3) Tenants, (Person in occupation of the property)
- (4) Trustees, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with buildings situated at Love Land, Mazagaon, C.S. No. 399, Mazgaon Division Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/3288/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal ;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-137EE/3516/84-85.—Whereas, I A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 509, Prasad Chambers situated at Opera House Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), at Bombay on 7-8-1984 and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                             |              |
|-----------------------------|--------------|
| (1) Shri V. N. Bagadia, HUF | (Transférer) |
| (2) M/s. Parag Corporation. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 509, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3336/84-85 on 7-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Build Quick.

(Transferor)

(2) Vivekanand Kendra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3520/84-85.—Whereas, I, A.  
LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Sri Ram Bhuvan, Plot No. 772, D.M. Estate, situated at South Tilak Rd Dadar Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Sri Ram Bhuvan, Plot No. 772, D.M. Estate, South Tilak Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3339/84-85 on 7-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3523/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 124, Satnam Apartments situated at Cuffe Parade, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. G.T.B. Shipping Agency (Transferor)  
(2) Mr. Moiz Fakiuddin Pancha & Mrs. Munira Moiz Pancha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 124, 12th floor, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3341/84-85 on 7-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shivprasad K. Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Jankudevi Hastimal &amp; Hastimal L. Sathiya.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3534/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, Mantri Corner situated at Sayani Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor, Mantri Corner, Junction of Gokhale Road, Sayani Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3351/84-85 on 7-8-84.

A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—66GI/85

Date : 12-4-1985.

Seal :

## FORM I.T.N.S. ———

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3554/84-85 —Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 45-A, New Miramar CHSL situated at Napeansea Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Nand B. Manshramani, (Transferor)  
(2) Mrs. Nisha Suri & Mrs. Dharam Vati Suneja, (Transferee)  
(3) Transferees, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 45-A, New Miramar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 3 Napeansea Road, Bombay.  
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3366/7/84-85 on 7-8-1985.

A LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Raja Builders & Investments Pvt. Ltd.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. Kantilal & Co.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EF/3569/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 302, Anjali Apartments situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Anjali Apartments' French Bridge, Opera House, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3304/84-85 on 13-8-1984.

A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3576/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Office Premises No. 619, Panchratna Bldg situated at Opera  
House  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 13-8-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Nanji Jivraj Karani,  
Jayant M Sanghavi,  
Kantilal B. Nagda.  
(Transferor)
- (2) Shri Sumit S. Kothari,  
Siddarth S. Kothari &  
Saurabh S. Kothari (Minors)  
by their Guardian Shantikumar Kothari.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 619 on 6th floor, Panchratna. M. P.  
Marg, Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority,  
Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/  
2904/84-85 on 13-8-1984.

A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Gectanjali Export Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3583/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
Unit No. 355, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower  
Parel(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 16-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as gives in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 355 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate  
A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.The statement has been registered by the Competent Author-  
ity, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/  
3420/84-85 on 16-8-1984.A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Shah & Nahar Associates. (Transferor)
- (2) City Apparels. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3584/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing Unit No.  
336, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 16-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 336 on 3rd floor of A-1 Shah & Nahar Indus-  
try, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/  
the Competent Authority,

The statement has been registered by the Competent Autho-  
rity, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/  
3421/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. ———

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Cotyarn Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/3585/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 310, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; which ought to be disclosed by the transferee for and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 310 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3422/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 12-4-1985.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shah & Nahar Associates. (Transferor)  
 (2) M/s. Jyot Textile Corporation. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
 INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3586/84-85.—Whereas, I,  
 A. LAHIRI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
 able property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000 and bearing No.  
 Unit No. 309, Shah & Nahar Estate situated at Lower Parel  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the Agreement is registered under  
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
 the Competent Authority,  
 at Bombay on 16-8-1984  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957) ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days, from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
 able property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 309 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate  
 A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-  
 400013.

The statement has been registered by the Competent Autho-  
 rity, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/  
 3423/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I,  
 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
 Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s Shah & Nahar Associates (Transferor)  
 (2) Texport Garments Pvt. Ltd (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,  
 BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref No. AR-I/37EE/3587/84-85 —Whereas, I, A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 335, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Lower Parel has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
 35—66GI/85

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 335, 3rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel Bombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3424/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I,  
 Bombay.

Date : 12-4-1985.  
 Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kolarama Graphic (P) Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3588/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
Unit No. 329, Shah & Nahar Industrial Estate situated  
at Lower Parel  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at Bombay on 16-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Unit No. 329 on 3rd floor of Shah & Nahar Industrial  
Estate, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Author-  
ity, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/  
3425/84-85 on 16-8-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37LE/3589/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 322, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Kolarana Plates.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 322 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3426/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I[37EE]3597/84-85.—Whereas I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the said Act, have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
Office Premises No. 20, Rex Chambers  
situated at Ballard Estate  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) M/s. Sigma Exports (P) Ltd. (Transferor)  
(2) Mr. Yug Pal Wadhwan & Mrs. Bina Y. P. Wadhwan. (Transferee)  
(4) Transferees, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 20, Rex Chambers, Walchand Hira-  
chand Marg, Ballard Estate, Bombay-38.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I[3429]84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kishinchand Khemchand Dhanwani.

(Transferor)

(2) M/s. Ashwin Diamonds.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37E/3604/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office No. 1204, Prasad Chambers  
situated at Opera House  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  
of the Competent Authority  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 1204, Prasad Chambers, Near Roxy,  
Bombay-4

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR/I/3373/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3607/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 126, Adhyaru Ind. Pre. CSL situated at Lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
Seal :

(1) Mr. Tarun B Ahlyaru,  
Mr. Rohit B. Ahlyaru,  
Mr. Mukesh B. Adhyaru.

(Transferor)

(2) Shri Chunilal Meghji Shah.

(3) Transferee.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 126, 1st floor, Adhyaru Industrial Premises, CSL, New Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3375/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS-\_\_\_\_\_

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Sanwalram Nangalia,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/3621/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 316, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Unit No. 316 on 3rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3377/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal

~~FORM FNS~~

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3622/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 345, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) Shah & Nahar Associates.   | (Transferor) |
| (2) Geetaben Niranjambhai Shah,<br>Prop. National Batteries Mfg. Co. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Unit No. 345, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitarum Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3378/84-85 on 16-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM IINS—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Premal H. Udani &  
Mr. Parag H. Udani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Unit No. 311 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial  
Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-  
13.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/3379/84-85 on 16-8-84.A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—  
36—66GI/85

A

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Naendrakumar Bhonsale.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3624/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 42, Shah & Nahar Industrial Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 42, Ground floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3380/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Jayaprakash Jaysukhlal Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3625/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 249, Shah & Nahar Industrial Estate situated at  
Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 249 on 2nd floor in A-L, Shah & Nahar Indus-  
trial Estate Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel  
Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/3382/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3626/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Unit No. 249, Shah & Nahar Industrial Estate situated at  
Lower Parel  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 16-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (1) Shah & Nahar Associates.  
(Transferor)
- (2) Geetaben Niranjanbhai Shah  
Prop. National Batteries Mfg. Co.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

Unit No. 346, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram  
Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/3383/84-85 on 16-8-84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Raju D Shah &amp; Tara D Shah

(Transferor)

(2) Mukesh B Shah

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3633/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401-A, Rajul Bldg. situated at Napeansea Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401-A, Rajul Bldg., 9, Harkness Road, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3389/84-85 on 16-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gordhandas S Garodia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tahira Begum Jaiswal

(Transferee)

(3) Shri Sunil K Mehta

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Sunil K Mehta

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3640/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304, Veena Beena Apts situated at Sewri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor in F Wing of Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3433/84-85 on 16-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3641/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Veena Beena Apartments Sewri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gordhandas S. Garodia (Transferor)
- (2) Smt. Laliya S Gawade & Shri Sunil S Gawade (Transferee)
- (3) Shri Manuprasad Mistry (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Manuprasad Mistry\* (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, F Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (West), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3434/84-85 on 21-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3642/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, Veena Beena Apts. situated at Sewri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gordhandas S Garodia (Transferor)
- (2) Smt. Lalita S Gawade & Shri Sunil S Gawade (Transferee)
- (3) Shri Hashmukh H Gandhi (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Hashmukh H Gandhi (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in F Wing of Veena Beena Apartments, Acharya Dhondc Marg, Sewri (W), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3435/84-85 on 21-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3648/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 909 (L) Navjivan Society, Building No. 3 situated at Lamington Road, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37--66GI/85

- (1) N. T. Shah Family Trust (Transferor)
- (2) Smt. Helen B Montairo (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Office No. 909 (L) Building No. 3, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3440/84-85 on 21-8-84.

A LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPEC-  
TING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3655/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 67 (Old No.7) Gita Bldg. situated at Pandita Ramabai Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vrajkore Somchand alias Vrajkoever Somchand and Wd/o Rattanji Shah (Transferor)
- (2) Gita Dhananjay Shah and Dhananjay B. Shah. (Transferee)
- (3) Transferor and her son (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 67, (Old No. 7) Gita, B Wing, Pandita Ramabai Road, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR I/3443/84-85 on 21-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shah &amp; Nahar Associates

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rainbow Color Laboratories.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/3668/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 323A, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Unit No. 323A, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3452/84-85 on 18-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s Friends Packaging Industries (Transferor)  
 (2) Mulli Colour Printers (Transferee)  
 (3) Transferee (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3673/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Unit No. 24, Byculla Service Indl. situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 204 on 2nd floor, B Building in Byculla Service Industries Premises Co-op. Society Ltd, Sussex X Road, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3457/84-85 on 18-8-1984.

A. LAHIRI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
 Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Smt. Nanki Naraindas Bhavnani (Transferor)  
 (2) Smt. Sarla Ashok Tanwani (Transferee)  
 (3) Transferee (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3674/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 27, Merryland CHSL situated at R. G. Thadani Marg, Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 27, ground floor, Merryland Co-op. Housing Society Ltd., 46, R. G. Thadani Marg, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3459/84-85 on 18-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date 12-4-1985  
Seal

## FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3688/84-85.—Whereas, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6N, Akash Ganga situated at Bhulabhai Desai Rd. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Abeda Akberali Rajan, (Transferor)  
(2) Mr. Shaukatali E Furniturwala  
Mr. Zeenat S Furniturewala (Transferee)  
(3) Transferees (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6B, Akash Ganga, 89, Bhulabhai Desai Road Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3844/84-85 on 18-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Laj Jalkishan Bherwani, (Transferor)  
 (2) M/s. Nirman Associates. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3705/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 237, Shah & Shah & Nahar Indl. Estate Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 237, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mills Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3483/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Spads Prototype Setting Industrial Pvt. Ltd.  
(Transferor)(2) Jaswantiben Chimanlal Family Trust,  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(A) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3706/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 113, Shah & Nahar Indl. Estate, situated at Lower Parel, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 113 on 1st floor of 'Shah & Nahar Industrial Estate' A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3484/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Narayanan. (Transferor)

(2) Shri Chardappa B. Prabhu. (Transferee)

(3) Shri M. Narayanan.  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3710/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, New Nandanvan CHSL, situated at Sion has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
38—66 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor in New Nandanvan Co-op. Hsg. Society Ltd., Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3488/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE****INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3716/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 155, Mittal Court situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 25-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Anantrao R. Doshi.

(Transferor)

(2) M/s. General Exporters &amp; Manufacturers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office No. 155 on 15th floor of Mittal Court 'C' Wing, Plot No. 224, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. ARI/3494/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985

Seal : .

FORM ITNS

(1) Shri Rameshchandra Virchand Shah.

(Transferor)

(2) Shri Shivkishan Rathi,  
HUF & Smt. Vidya S. Rathi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION<sup>2</sup> RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective person,  
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/orFlat No. 33 of Vijayvilla Co-op. Housing Society, 79, Worli  
Seaface, Bombay.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No  
AR-I/3513/84-85 on 30-8-1984.(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3725/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1480, Building No. 62 MIG Adarshnagar situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. P. N. Mantri. (Transferor)
- (2) Mr. Champaklal Dalichand Mehta.
- (3) Mr. P. N. Mantri. (Transferee)
- (4) MIG Adarshnagar CHSL. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1480, Building No. 62, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3516/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3726/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1503, MIG Adarsh Nagar situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| (1) Mr. Basu Chatterji,   | (Transferor)   |
| (2) Mr. P. N. Mantri.     | (Transferee)   |
| (3) Transferor.           | (Person in occupation of the property)                               |
| (4) MIG Adarshnagar CHSL. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 1503, (1503) in Building No. 65, MIG Adarsh Nagar, Worli Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3517/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3728/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 405, Bldg. No. 1, Sanjay situated at Sewri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohamed Sadiq Khan Lalkhan & Mrs. Rajunissa M. S. Khan.

(Transferor)

(2) Shri Aboobaker Fakir Mohamed Juolay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 405, 4th floor, Building No. 1, Sanjay, Acharya Dande Marg, Sewri (W), Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-1/3519/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Mariben Mandal Sheth. (Transferor)  
 (2) M/s. Venilal Export House Pvt. Ltd. (Transferee)  
 (3) Director of the Company. (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3730/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. H-3, Hariyas CHSL situated at Kemp's Corner (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. H 3, 8th floor, Fariyas Co-op. Housing Society Ltd., Kemp's Corner, Bombay-400006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3521/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3736/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Shop No. 19, Elphinstone House situated at Murzban Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Gautamchand R. Jain.

(Transferor)

(2) Miss Jarareen K. Byranjee,  
Miss Kainer K. Byranjee &  
Master Rishad K. Byranjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 19, 'Elphinstone House' 17 Murzban Road, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3526/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Manilal Damji Shah.

(Transferor)

(2) Shri Dharshi Padamshi Chheda.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR I/37EE/3740/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 701, Sunder Tower situated at Sewri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 701, 7th floor, Sunder Tower, Todarshi Jivraj Road, Sewri, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3528/84-85 on 30-8-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
39—66 GI/85Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Kanhayalal Bagadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3765/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, PSB Apartments No. 4 situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Bldg. No. 4, PSB Apartments, B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3546/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) R. K. Constructions (Transferor)  
 (2) Shri Shañ Bhimraj Kisanlalji Jain. (Transferee)  
 (3) Tenants. (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3772/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 'Shree Ram Apartments' situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, 'Shree Ram Apartments' 168, Vaidya Wadi, Thakurdwar, Girgaum, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3556/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
82—56 GI/85

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Perfect Prints.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAYObjections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3777/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Unit No. 232, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower  
Parel  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority,  
at Bombay on 27-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 232 in 2nd floor of Shah & Nahar Industrial  
Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower  
Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/3557/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Hansraj Pranjji &amp; Company.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj R. Agarwal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3778/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 2, Bharat Chambers situated at Baroda Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No 2, 4th floor in Bharat Chambers, Plot No. 52-C, Elphinstone Estate, Baroda St., Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3558/84-85 on 27-8-1984.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Hansraj Pranjani & Sons  
(Transferee)
- (2) Rajkumar & Sons HUF.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3779/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 3, Bharat Chambers situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 3 on 4th floor in (Bharat Chambers, Plot No. 52-C, Elphinstone Estate, Baroda Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3559/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Pranjivan Madhavji & Others  
(Transferor)
- (2) Shri Govindlal Shivalal Pitti & Others  
Trustees of Marwadi Sammelan
- (3) Thakurbhai K. Desai & Kakubhai G. Ved  
(Person in occupation of the property)  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37/5098/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. S. No. 4752 of Malabar & Cumballa Hill Division alongwith building standing therein situated at Gamdevji Rd.,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay, on 8-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2926/68 and registered on 8-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37G/5099/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C. S. No. 268 of Malabar Hill & Cumballa Bill Divn. and building standing thereon situated at Ridge Road. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yeshwantsingh Vijalsingh Dossa [Transferor]
- (2) M/s. Vijay Deep Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferor, tenant Mr. Bhagwandas Jamnadas Nursery, (Person in occupation of the property)
- (4) Tenant. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2304/77 and registered on 10-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR-I/37G/5103/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and  
Land bearing C. S. No. 1983 of Byculla Division, situated at  
21/A Bapurao J. Marg, situated at Maulana Azad Road,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering  
Officer at Bombay onn 6-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of of such apparent consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/o

(b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
40 - 66 GU/85

- (1) Shri Rustom H. Iranj, J. H. Irani,  
Shri Parviz H. Irani  
(Transferor)
- (2) Shri Feroza Nazir Sayed  
(Transferee)
- (3) Shri Prakash R. Belnekar, Ananda K. Shetty,  
Solomon D. Awasker Sayed Nazir Bawam ya, ,  
Mrs. Sliakbar Abdul Karim Shaikh  
S. P. C. T. Carvalhi  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.  
3221/82 and registered on 6-8-1984 with the Sub-registrar,  
Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37/G/5104/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 947, of Fort Division situate at King Lane, Off Bora Bazar Street, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 6-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tahilram R. Tulyani,  
Shri Dilip R. Tinani (Transferor)
- (2) Shri Manoj Kumar Mohanlal Jalan  
Shri Rahulkumar Mohanlal Jalan (Transferee)
- (3) M/s. Chimanlal Pvt. Ltd. &  
M/s. Western Watch  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM 50/83 and registered on 6-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date: 12-4-1985.  
Seal:

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Bhaurao Keshavrao Pandhare (Transferor)  
 (2) S. Mohamed Ali (Transferee)  
 (3) Tenants, (Person in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY.

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ret. No. AR-I/376/5110/84-85—Whereas, J. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 1355 of Fort Divn. alongwith building situated at Fort, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2732/81 and registered on 28-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

(1) Miss. Dmoo D. Contractor & Miss Dolly  
D. Contractor  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asgarali H. Bhinderwala &  
Yahya Asgarali Bhinderwala (Kapadia)  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37G/5111/84-85.—Whereas, I,  
A. LAHIRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Apartment No. 103, 3rd floor, Block No. B, Dalal Estate,  
bearing C. S. No. 1/332 of Tardeo Division, 14-A-28A, Dr.  
D. B. Marg, Bombay-8  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Bombay, on 17-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.  
1191/77 and registered on 17-8-1984 with the Sub-registrar,  
Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/3/G[5116]84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, Gamadia Estate, 24/26 Pt. Madan Mohan Malaviya Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. The Anglo-French Drug Co.(Eastern) Ltd.,  
(Transferor)
- (2) M/s. Roche Products Limited.  
(Transferee)
- (3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 299/84 and registered on 18-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37G/5117/84-85 —Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 264 of Malabar & Cumballa Hill, Divn. Walkeshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay, on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Goolabi P. Barucha & Miss A. N. Khan. (Transferor)  
(2) Shri Mangaldas C. Kamdar (Transferee)  
(3) Tenants (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B 375.84 and registered on 23-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P. R. No. 3634 Acq 23 /I/84-85.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Dwarka—Rammuktashwar etc. 22588 sq. yd. land  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Dwarka Dist. Jamnagar on 27-7-84. 27G recd  
August, 84.  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:

(1) Arya Dharam Seva Sangh  
1-Doctor's Lane,  
New Delhi.

(Transferee.)

(2) The Dwarka Cement Work Employee's Union  
Rammuktashwar Road,  
Dwarka, Dist. Jamnagar.

(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Dwarka. Rammuktashwar Road, R. No. 844/  
26-7-84 37G August, 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date: 8-3-1985

Seal:

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3635 Atq 23/I/84/85.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 -  
and bearing  
Flat No. 301-3rd Floor at Crescent-A-Bldg. Rajkot,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
37EE filed on 16-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. J. S. Corporation,  
48-Indranarayan Road,  
Santa Cruz-West-Bombay 54

(Transferor)

(2) Mr. Kantilal N. Gokani  
Mrs. Indra K. Gokani  
202-Gujarat Socy,  
Sion (West)-Bombay-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301-3rd floor in Crescent Bldg 'A' Race Course,  
Rajkot Adm. 1126 sq. ft Form No 37EE filed 16-8-1984

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

3-3-1985

## FORM IT-1S—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3636 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing No.

Land at S'ngar S. No. 1750 Adm. 3569 sq. yd. Jintan Road  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at Wadhwan on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—  
41—66 GI/85

(1) Shri Bhaskar Maneklal & Ors.  
Opp : Makanji Mehta Sheri  
Wadhwan-Dist : S'nagar.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Jayantilal Shah & Ors.  
C/o Shri Shan Purohit & Co.  
Mehta Market  
S'bagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Surendranagar S. No. 1750 Jintan Road—Adm.  
3569 sq. yd. R. No. 3163 Dt. : 9-8-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 8-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3637 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at Veraval-Bhatiya Bldg. Krushna Nagar, Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bhatiya Ranchhoddas Prabhudas,  
Bhatiya Bldg., Krushna Nagar, Veraval.  
(Transferor)
- (2) Shri Maheshkumar Govindlal Sanghvi  
Virji Hansraj House,  
Krushna Nagar, Veraval Tel. No. 161 Veraval  
(Transferee)
- (3) 1. Kunverji Jethabhai  
2. Pro. Navinchandra Shah  
Bhatiya Bldg. Krushnanagar, Veraval.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. P. at Veraval, Bhatiya Bldg. Krushna Nagar Plot No. 26  
R. No. 2124 Dt : August, 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 12-3-1985.

Seal :

FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3638 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Aslali Scem S. No. 1558 Block No. 1724, Land (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prafulchandra Thakorbbhai Amin,  
Aslali. Tal. Daskroi, Dist. A'bad. (Transferor)
- (2) M/s. Jyoti Estate,  
Partners,  
1. Rasulbhai Hasambhai Patel  
2. Bhikhabhai Umedhbhai Patel  
3. Vinodbhai Narambhai Patel & Ors.  
Aslali, Tal. Daskroi, Dist : A'bad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Aslali C. S. No. 1558 Block No. 1724 R. No. 11562 Dt : 13-8-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 15-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3639 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Village Aslali Seem Block No. 1695 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer A/bad, on 12-8-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narendrakumar Thakorbhaj Amin  
Aslali, Tal. Daskroi Dist : Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) M/s. Jyoti Estate,  
Partners,  
1. Rasulbhai Hasambhai  
2. Bhaikhabhai Umedbhai Patel  
3. Vinodbhai Naranbhai Patel & Ors.  
Village : Aslali, Tal. Daskroi, Dist : Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Village Aslali, Block No. 1695 R. No. 11561 Dt : 12-8-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 15-3-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3640 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 4, Spectrum Com. Centre, C.S. No. 4023, Ground Floor Nr. Relief Cinema, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Prahladbhai Hargovandas Patel,  
15, Shenik Socy, Naranpura,  
Ahmedabad-13. (Transferor)
- (2) Peevi Electricals,  
Prmod Viranchilal Modi  
4, Spectrum Commercial Centre,  
Nr. Relief Cinema, Ahmedabad-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office-4-Ground Floor at, Spectrum Commercial Centre,  
1 C. S. No. 4023 S. P. 2 R. No. 12021 Dt : 9-8-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 19-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3641 Acq.23/I/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vadaj Seem S. No. 461-1 FP 28 Suryanarayan Co op Socy B. No. 15, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dilipkumar Ishwarlal Patel,  
A-1 Vishram Flats,  
Nr. Sahakar Niketan,  
Navrangpura, Ahmedabad-9. (Transferor)
- (2) Jibhai Revabhai Patel  
Mr. Dhuliben Jibhai Patel  
16, Suryanarayan Socy.  
Nr. Bhavsar Hostel  
Housing Board Complex Side  
Nava Wadaj, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Plot No. 15 T.P.S. 28 S, No 461/1 F.P. 743  
R. No. 12259 Dt : 16-8-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 19-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 008

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3642 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ghatlodiya Seem S. No. 16, Karmachari Nagar, A'bad, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at A'bad, on 28-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Atulchand Mukharji  
2-Vikash Socy. Memnagar,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Beantkaur Putia  
16, Payal Nunglows,  
Satalight Road,  
Ahmedabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ghatlodia Karmchhari Nagar, Plot A/60 R. No. 12724  
Dt : 28-8-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 19-3-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 008

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3643 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at S. No. 345, Dhebar Road, Rajkot situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office Officer at Rajkot, on 37EE on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jannadas Madhavji Sachania  
C/o Vaidya Wadi  
Opp : Virani Block, Mjtesh Motor, Gondal Road,  
Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Dayal Ravji Makwana & Ors.  
C/o Makwana Brothers, Somvar Peth,  
Poona. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Dhebar Rd., S. No. 345, 37EE filed on 15-6-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 19-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kamlaben Bhagubhai Patel  
No. 1, Agarwal Socy., Zalod,  
Dist : Panchamahals.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT,  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 008

(2) Chandrikaben Biharilal Modi  
Flat C-24-6th Floor  
Jal Darshan Co. op. Socy.  
Ashram Rd., Opp : Natraj Cinema,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3644 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat at Changispur TPS.3-FP 499 Jaldarshan  
Co. op. Socy. C.24  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Ahmedabad on 9-8-1-9-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 3 F.P. 499 C. 24 R. No. 12072 Dt : 9-8-84  
6th Floor, Jal Darshan Co.op Socy. Ashram Rd., Ahmeda-  
bad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—  
42—66 GI/85

Date : 14-3-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 008

Ahmedabad-380 008, the 25th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3645/Seq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Rajkot Kenal Dr., Lekh No. 206, 'Gantral Niwas' situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhanubhai Keshavji Parmar & Ors.  
C/o Mps Bhana Keshavji Panwala  
Sanganwa Chowk, Rajkot-1.

(Transferor)

- (2) Managing Director  
Rajkot Nagrik Sahkari Bank Ltd.  
Nagrik Bhavan No. 1,  
Dhebarbhai Rd., Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot, Kenal Rd., Lekh No. 206, Gantral Niwas,  
Land 210 sq. yd. Bldg. R. No. 5254 Dt : 17-3-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 25-3-1985.

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 25th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3646 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I G.K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at Bhomeshwar Co.op. H. Socy. Jamnagar Rd. Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rashmikanth Jamnadas &  
Smt. Kundanben Jamnadas  
Bhomeshwar Socy. Jamnagar Rd.  
Rajkot. (Transferor)
- (2) Damodardas Dayalji bhai Ganatra  
Plot No. 37AB - Bhomeshwar  
Co.op. H. Socy. Jamnagar Rd.  
Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H.P. at Bomeshwar Co.op. H. Socy. Plot No. 37AB Land  
adm. 623 sq.yd. + Bldg. 736sq.ft. = 81.7sq.yd.  
R. No. 4718 Dt. : Aug. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3647 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I  
G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Factory Shed—Godown Office etc at 9 Mavdi Plot—Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dinkarra Dhirajlal Doshi  
Hasmukh Dhirajlal Doshi  
Jayantilal Dhirajlal Doshi  
18-Mill Para—Rajkot.

(Transferor)

(2) R. K. Roller & Flour Mills—9-Mavdi Plots—Rajkot-4.

(Transferee)

(4) Smt. Savitaben Dhirajlal Doshi—18-Mill ParaRajkot.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rajkot City—9—Mavdi Plot S. No. 373 Paiki Plot No. Factory-ShedOffice Bldg. Godown etc. R. No. 5228, 5230, 5230 Dt. 17-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 27-3-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3648 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I  
G. K. PANDYAbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market valueexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Industrial Shed at Jetpur S. No. 715—Paiki Land 801  
sq. yd.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Jetpur on 31-8-1984for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Industrial Shed at Jetpur Nr. Chandramoleswar, S. No.  
715 - Land Adm. 801 sq.yd. at shed R. No. 2212/84  
Dt : 31-8-84.G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I AhmedabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Shamohubhai Naranbhai Patel & Ors.  
Partners of M/s Johnson Dyeing & Ptg. Works  
Bawa-Wala- Para- Jetpur-Dist : Rajkot.  
(Transferor)

- (2) Smt. Chandraben Champaklal Pandya  
Block No. 7 - Save Kunj Kamla Nehru  
Cross Lane - Kandi Vali (West)  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.Date : 27-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3649 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No  
Land at Gondal Ward No. 2  
S. No. 422/424 Adm. 6897 sq. yards (1 Acre 17 G)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gondal on 29-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

- (1) Shri Girirajsinhji S. Jadeja  
Hava Mahal—Gondal,  
Dist. Rajkot.

(Transferor)

- (2) Gopalbhai Mohanbhai Vadodariya & Ors.  
Bhagwatpara Road No. 15—Gondal,  
Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Gondal Ward No. 2 S. No. 422/424 Adm. 1  
Acre 17 Guntha (6897 sq. yards) R. No. 1381 dated  
29-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 27-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Laxmi Enterprises,  
Partner—Dholumal Monekmal  
Kubernagar—Gunglow Area  
Ahmedabad,

(Transferor)

(1) Nagpur Goods Transport Co.,  
Mr. Laxmi Cotton Mill  
O/S Raipur Gate,  
Rugnathpara Naka,  
Ahmedabad,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3650 Acq23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property T.P.S. 2 Rajpur-Hirpur F.P. 54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-7-84 37G Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at Rajpur—Hirpur TPS. 2 F.P. 54, R. No. 111193 dated 23-7-84 37G—August, 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3651 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

Property at T.P.S. 4 F.P. 106 Maninagar—Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issued of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Dinkarbhai Jayendrabhai Bhatt,  
38—Mukti Medan—Maninagar,  
Ahmedabad-8.

(Transferor)

- (2) Deepesh Apartment Owners Association,  
38—Mukti Medan—Maninagar,  
Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property T.P.S. 4 F.P. 106 Maninagar—R. No. 12348  
dated 17-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 26-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3652 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Ghatlodia S. No. 16/1 Karmachari Nagar Vibhag-2 B. No. 36 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-6-84—37G Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Tarachand Nameje Koshrakar,  
Ormi Society, Ghatlodia—  
Ahmedabad-61.

(Transferor)

(2) Ramesh Gopaldas Harwani  
B. No. A-36—Karmachari Nagar, Ghatlodia,  
Ahmedabad-61

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 16/1 Karmachari Nagar Vibhag 1  
B. No. 36 R. No. 8336 dated 7-6-84 37G—Aug. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3653 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Plot No. 55-57 at Thakhatshwar Talati—Ward No. 7—Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Narendra Ravashankar Dave  
2. Praful Ravashankar Dave  
3. Kanaiyalal Narmadashankar Dave  
4. Jitendra Narmadashankar Dave  
5. Satish Narmadashankar Dave  
Dr. Mohanlal's Bungalow—Ranjiwadi,  
Bhavnagar.

(Transferor)

- 2) Shri Samrat Ashok Co-op. Society,  
C/o Harash R. Doshi  
L.I.G. 229—Shashtrinagar,  
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Plot No. 55/57, Thakteshwar Talati—Bhavnagar R. No. 2916 dated 1-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 29-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3634 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property T.P.S. 6 F.P. 486 Paldi seem Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Diveyas Railal Patel  
28—Vasantkunj Society,  
Navasarda Mandir Road,  
Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Laljibhai Ramjibhai Gala—  
Tejabhai Lalitbhai Gala,  
501-502, Kothawala Flat,  
Pritam Nagar, E. 8—Paldi,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 6 F.P. 486 Paldi seem—Ahmedabad  
R. No. 12048 dated 4-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th March 1985

Ref No. P. R. No 3655 Acq. 23/I/84-85—Whereas, I  
G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Property - Rajpur-Hirpur TPS 4 P.P. 2 - 143 Hissa No. 4 - Maninagar - A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad. on 17-7-84 37G Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Trambaklal Ganpatiram Dave—Rajesh Trambaklal Dave—Maninagar —A'bad-8.

(Transferor)

- (2) Krishna Kanan Owners  
Chanman—Rakeshkumar N Shah Paldi—A'bad  
C/o Krishna Kanan Owners Assn. Mr. Madhuvan Socy. —Maninagar—A'bad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 4 Rajpur Hirpur P.P. No 2—143—  
Hissa No. 4 R. No. 10873 Dt. 17-7-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 28-3-1985  
Seal :



- FORM ITNS—

(1) Shri Kailashchandra Nemchand Shah--21—Jain Socy., Ellisbridge—A'bad-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jai Bhaktinandan Aptt. Owners Assn. C/o Kantilal Shamjibhai Thakkar, 2-Nilkanth Mani Socy., Vasana-Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3656 Acq. 23/I/84-85.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TPS-22 F.P. 183, S. P. 1 Lant at Paldi-Narayan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at T.P.S. 22-F. P. 183, Sub Plot-I, Paldi R. No. 12257 Dt : 16-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3657 Acq. 23/I/84-85.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at TPS-3, F. P. 219-S. P. 14, Pragna Co-op. Socy.-Navrangpura-A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chanchalben Zaverbhai Patel-14-Pragna Socy. Navrangpura-Ahmedabad-9. (Transferor)  
(2) 1. Dharmendra Dhaneshwar Vyas-H.U.F., 2. Bhartiben D. Vyas, 3. Minor Dhaval D. Vyas, 4. Minor Diki D. Vyas, 14-Pragna Socy., Navrangpura-A'bad-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at TPS-3, F. P. 219-SP-4 at Pragna Socy.-A'bad  
R. No. 12335 Dt : 17-8-84 and 37EE also filed on 1-9-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kunvarben Bhurabhai Mandalbhai & Ors., Dani-  
limda Tal. City Dist., A'bad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Chairman—Nandkishor Randal Rajni Co. op. Socy.  
Dani Limda-Tal City.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3658 Acq. 23/I/84-85.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Sec. 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land at Mithipuri secm S. No. 43-1 and 43-2  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Land at Mithipuri-S No. 43-1 and 43-2, R. No. 12241  
Dt. 14-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kartik K. Desai, Smt. Sweta K. Desai, Amratlal Pole-Khadia-A'bad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Nilamben Satishchandra Shah, 2. Minor Archit-kumar Satishchandra Shah, Na Gitabag, Paldi, A'bad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3659 Acq. 23/1/84-85.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Bldg. T. P. S. 6, F. P. 268 to 278-A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property at T. P. S. 6, T. P. 268 to 278, R. No., 12305  
Dt : 16-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3660 Acq. 23 I/84-85.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Paldi-TPS-22-Bansidhar Coop Socy, F.P. 251 Sub Plot 14-B (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
44—66 GI/85

(1) Hiraji Amthaji Nayak, 14-B-Bansidhar Socy. Sarkhej Road, Paldi-A'bad-7. (Transferor)

(2) Smt. Indiraben Saradchandria Shah 14-B-Bansidhar Socy. Javaharnagar Road, Paldi Sarkhej Rd.-Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at TPS-22, F.P. 251, S.P. 14/B. R. No 12404/18-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3661 Acq. 23 I/84-85 —

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. TPS. 4 Rajpur-Hirpur F.P. 59-A S.P. 8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-4-84 37G received Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Narottamdas Lilachand B. No. 8-Rambag Vadnagara Patidar Socy., Maninagar-Ahmadabad-8.  
(Transferor)  
(2) Keshavlal Muljibhai (HUF)-Ramanand Colony, Kankaria, Maninagar-Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rajpur-Hirpur seem F. P. 59-A Sub Plot 8 R. No. 12229  
Dt : 19-4-84 37G recd. in August, 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 29-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mansukhlal Shamjibhai Patel & Ors. Shamkunj  
Limda Lane-Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Ashish Builders-Partner-Mahipatlal Keshavlal  
Shah-2nd Floor-Dhrue Mension-Opp : Deepak  
Talkies-Gram Market-Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3662 Acq. 23/I/84-85.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Jamnagar Bedigate-K. V. Road-Survey No. 36-2 F Plan-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Bedigate-K. V. Road, S. No. 36-2-F Plan-2  
Jamnagar-R No. 2774 Dt : 9-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3663 Acq. 23/1/84-85.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Memnagar T.P.S. I.F.P. 215

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantilal Pragjibhai Mehta-4-7 Colaba Muka Flat-  
Colaba-Bombay-5.

(Transferor)

(2) M/s. Ambica Enterprise-1-Pallavi Apartment-Mem-  
nagar-Opp. Fire Station, Navrangpura-A'bad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Memnagar F.P. 215, T.P.S. 1, R. No. 11612 Dt 1-8-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 28-3-1985  
Seal :



## FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 61/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
7, Nadar Vidhya Salai, South Veli St.,  
situated at Madurai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar-I, Madurai Doc. No. 2230/84  
on 17-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Smt. K. T. S. Saraswathi Ammal,  
52, Sait Colony,  
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

- (2) Smt. Valarmathi,  
W/o K. A. Sekhar,  
16, C/2, F. F. Road,  
Nadar Vidya Salai,  
South Veli St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door No. 7, Old Door No. 55, Nadar Vidhyasalai Street,  
South Veli Street, T. S. No. 2392, Madurai—House.  
Doc. No. 2230/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. 62/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
7, Nadar Vidhya Salai, South Veli St.,  
situated at Madurai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Joint Sub Registrar-I, Madurai (Doc. No. 2299/84)  
on 17-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. K. P. S. Saraswathi Ammal,  
52, Sai Colony,  
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

- (2) Sri K. A. Sehkar,  
16, C/2, F. F. Road,  
Nadar Vidya Salai,  
South Veli St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Bearing Door No. 7 (Old Door No. 55), Nadar  
Vidhya Salai St., South Veli Street, Madurai T. S. No. 2392,  
Madurai.

(Document No. 2299/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 63/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, New Block, 23, Ramachandrapuram situated at Thennur, Woriyur, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woriyur Doc. No. 2284/84 on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jayalakshmi,  
W/o late A. G. Subramanian,  
Ramachandrapura, Thennur,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Sri S. N. Kannappan,  
S/o Sankaranarayan Chettiar,  
6-D, Warners Road, Contonment,  
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House at D. No. 5, in New Block No. 23, Ramachandrapuram, Thennur, Trichy.

Doc. No. 2284/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Date : 18-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 64/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 1132/IB situated at Sundarapuram, Trichy-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar-III, Trichy, Doc. No. 1333/84 on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri K. Arumugham,  
78, Sundara Nagar,  
Trichy-18.

(Transferor)

(2) Smt. Mallika,  
W/o Sri K. Arumugham,  
78, Sundara Nagar,  
Trichy-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House in T.S. No. 1182/1-B in Sundara Nagar, Trichy-18.  
Document No. 1333/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. 65/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and House in S. R. No. 222/2 situated at Thuvarankurichi Village, Trichy Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office, Thuvarankurichi (Doc. No. 757/04) on 7-8 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the redemption or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri S. Venkatakishnan Chettiar and Others,  
Thuvarankurichi Village, Manapparai Taluk,  
Trichy District.

(Transferor)

(2) Basappa Rudrappa Ogi,  
S/o Rudrappa Ogi,  
32, Valayalkara St.,  
Trichy-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land and House in S. F. No. 222/2 in Thuvarankurichi Village, Manapparai Taluk, Trichy Dt.

Doc. No. 757/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Date : 18-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 66/Aug/85.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. S. No. 1182/1 situated at Ammapalayam, Perambalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Trichy Doc. No. 1334/84, on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri K. Arumugham,  
S/o K. Karuppa Naicker,  
78, Sundararaja Nagar,  
Trichy-20.

(Transferor)

(2) Smt. Leela,  
W/o Sri Rajendran,  
Ammapalayam,  
Perambalur Taluk,  
Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Site in T.S. No. 1182/1 in Ayyampalayam village, Perambalur Taluk, Trichy Dt.

Doc. No. 1334/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

(1) Sri K. Arumugham,  
S/o Karuppa Naicker,  
78, Sundararaja Nagar,  
Tiruchirapalli-20.

(Transferor)

(2) Smt. Manimekalai,  
W/o P. Damodaran,  
Ammapalayam Village,  
Perambalur Taluk,  
Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. No. 67/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. S. No. 72, situated at Ammapalayam Village, Perambalur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-III, Trichy (Doc. No. 1338/84) on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and site in T. S. No. 72, Ammapalayam Village, Perambalur Taluk, Trichy Dt.  
(Doc. No. 1338/84)

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Victor,  
(for himself and his minor son)  
S/o Samuel, Tanjore Rd.,  
Pudukottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

(2) Smt. A. Mubarak Nisha,  
W/o A. R. Shajahan Mohamed,  
Haji A. M. A. Nagar, Rahmania Garden,  
Pudukottai.

(Transferee)

Madurai, the 18th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. No. 68/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
T. S. No. 1126/1, Tanjore Road  
situated at Pudukottai (Doc. No. 1933/84)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar-I, Pudukottai  
in August 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 1126/1, Tanjore Rd, Pudur-  
kottai.

(Doc. No. 1933/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-3-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 69/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
New S. No. 71-1, to 71-9, 71-10 to 71-13 64-1 to 64-6, 65-1  
to 65-3, 68-1, 69-1, 69-3, 70-1 to 70-3 & 74-1 in TS No. 9953  
situated at Tirumaiyam Rd, Pudukottai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar-J, Pudukottai  
(Doc. No. 908, 909, 910/84)  
in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. O. Alagusundari,  
W/o S. P. Udayappan,  
Indra Bhavan, Maharonbu Pottal,  
Karaikudi.

(Transferor)

(2) Smt. G. Innasi Mary,  
W/o Micheal Devadoss,  
T. S. No. 9953/2, Tirumaiyam Road,  
Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of the notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3.43 acres in New S. No. 71/7.72 acres  
in New S. No. 64 and 65 and 6.72 acres in New S. No. 68, 69  
70 and 74 in T. S. No. 9953/2.

(Doc. No. 908, 909 and 910/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 18-3-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 70/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Door No. 27 in T. S. No. 104, 4th Block Ward No. 4, Main Rd. Palakarai, Trichy situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-I, Trichy (Doc. No. 1349/84) on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1), of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. M. Sabura Beevi & Others,  
Fathima St., Sangiliandapuram,  
135, Main Road, Palakarai,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Sri T. M. Hanifa,  
S/o Mohd. Kasim,  
27, Main Rd, Palakarai,  
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Site in Door No. 27, 4th Block, Ward No. 4, T. S. No. 104 Palakarai, Trichy.

(Doc. No. 1349/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai

Date : 18-3-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) R. Nargunan S/o M. Ramanathan,  
11, India Bhavan, Maharanonbu Pottal,  
Karaikudi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. 71/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Lands in New S. No. 62, 63 and 64 in T. S. No. 9953/2, Tennangudi village, Perangalur situated at Perangalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Perangalur (Doc. No. 911/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Micheal Devados S/o M. V. S. Viswasam,  
T. S. No. 9953/2, Tirumaiyam Rd., Pudukottai,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands in New S. No. 64, 63 and 62 in T. S. No. 9953/2 in Tennangudi village, Perangalur (Doc. No. 911/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 72/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Site in S. No. 185/2 situated at K. Abishekapuram, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-I, Trichy (Doc. No. 231/84) on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) R. Chari S/o Rengaramanujam,  
3rd Cross Rd., Sundararaja Nagar, Trichy.  
(Transferor)
- (2) G. Rajamani S/o Gopala Iyer,  
Srinivasapuram, Tennur, Trichy.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Site in T. S. No. 185/2, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. No. 231/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. 73/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, T. S. No. 196, Lane Street situated at Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-1, Karaikudi (Doc. No. 451/84) on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
46—66 GI/85

- (1) S. Poornanandam Ammal W/o T. S. Rajamani Iyer, No. 6, Mudukku Street, K. Muthupattinam, Karaikudi. (Transferor)
- (2) Smt. P. Saroja W/o A. K. Paulchamy Chettiar, Pandugudi, Tiruvadanai Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House in Door No. 6, T. S. No. 196, Mudukku Street, Muthupattinam, Karaikudi (Doc. No. 451/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. 74/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
Vacant Site at S. F. 231/1, K. Abishekapuram situated at  
Trichy  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar-I, Trichy (Doc. No. 5559/84) on August,  
1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) A. T. Thomas, Mannarpuram, Trichy.  
(Transferor)
- (2) Gnanavadeivel, State Bank Colony, Trichy.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Site in S. F. No. 231/1, K. Abishekapuram, Trichy  
(Doc. No. 5559/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 75/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Lands in S. No. 482/1 and 646/4, with well in Tirumalai Reddipatty village situated at Koodalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Kulithalai (Doc. No. 1525/84) in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Pachamalai Asari S/o Perumal Asari,  
Chamundeeswari, Ammal Koil St., Kulithalai.  
(Transferor)
- (2) Natarajan S/o Pappu Reddiar,  
Tirumalairreddipatty, Koodalur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands in S. No. 482/1 and 646/4 with well in Tirumalai Reddypatti village, Koodalur (Doc. No. 1525/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F./76/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 12/7-T. 17, 12/8-T. 28, 12/9-T. 40, 13/3-T. 31,  
Kottapattu village  
situated at Tiruchitapalli Dt.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jt. Sub-Registrar-I, Trichy (Doc. No. 5646/84)  
on 28-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Rajam Padmanabhan,  
Kiledar Street,  
Kottapattu village, Trichy Tk.

(Transferor)

(2) E. Jaffar Khan,  
S/o Haji N. Ibrahim Khan,  
A. 3, First St, Ramalinga Nagar,  
Woriyur, Trichy

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nanja lands in S. No. 12/7-T. 17, S. No. 12/8-T. 28, S.  
No. 12/9-T. 40, S. No. 13/3-T. 31 in Kottapattu village,  
Trichy Tk. (Doc. No. 5646/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Date : 18-3-85  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Sri A. T. Thomas,  
S/o Sri T. N. Thomas,  
No. 20, Mannarpuram 4th St., Trichy-20.  
(Transferor)

(2) Sri Shanmuga Sundaram,  
S/o Sri Raju Pillai,  
No. 27, State Bank Officers' Colony,  
Trichy.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269C(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 77/Aug/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant site in S. No. 231/1 situated at State Bank Officers' Colony Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar's-I, office Trichy, Doc. No. on Aug 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Site in S. No. 231/1 in State Bank Officers' Colony Suvisheshapuram village, Trichy. Doc. No. 5560/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Date : 18-3-85  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F No. 78/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House and land in T. S. No. 3490 West Part in West Raja Veethi situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Pudukottai, Doc. No. 2114/84 on Aug 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely :—

- (1) R. Retlinammal,  
W/o late M. A. Rajagopal Pillai and  
R. Sundarambai, W/o late M. A. Rajagopal Pillai  
West 2nd St., Pudukottai. (Transferor)
- (2) Smt. Manoranjitahm,  
W/o Venkataraman Chettiar  
Smt. Prema,  
W/o P. Sanmugham Chetter  
Sri Veluchamy,  
S/o Palaniappan Chettiar,  
East 4th Street,  
Pudukottai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and land in T. S. No. 3490, West Part of West Raja Street.  
Doc. No. 2114/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal ::

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 79/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New Block No. 38, D. S. 58, in Thennur village, situated at Thennur village, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Waryur, Doc. No. 2563/84 on 22-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Seethalakshmi Ammal alias Kunjammal,  
W/o S. A. Yegnaswami Iyer, D. No. 1/1, Viswanathapuram,  
Thennur, Trichy-17.

(Transferor)

(2) Sri N. V. Venkateswaran,  
S/o N. V. Vaidhyanatha Iyer,  
D. No. 2, Viswanathapuram, Thennur,  
Trichy-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and land in New Block 38, New D. S. 58, in Thennur village, Trichy Dt.  
Doc No. 2563/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Date : 18-3-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 80/Aug/84.—Whereas I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. C-76 in New Block No. 27 New Ward D, New T. S. No. 17 situated at Woriyur, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Woriyur Doc. No. 2396/84 in Aug 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Meenakshi Ammal,  
W/o. Vedasanthur Ramachandra Iyer,  
116, 9th Cross, Thillai Nagar,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Sri Arumugham,  
S/o. Arunachalam Pillai,  
Chickampillayar Koil St.,  
Thuraiyur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and land in New T. S. No. 17, New Block 27, New Ward D in Plot No. C-76 in Woriyur.  
Doc. No. 2396/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Madurai

Date : 18-3-85  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 81/Aug/84.—Whereas J. V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Building in S. No. 511/1A in C Block Wurvey Ward 2, situated at Karaikudi Joint II Sub-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar II, Karaikudi—Doc. No. 1634/84 on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—66 GI/85

(1) Sri M. G. Potdar,  
s/o Mahadev Govind Potdar,  
14, 5th St., Subramaniapuram,  
Karaikudi.

(Transferor)

(2) Smt. Thenamamai,  
w/o Kathiresan Chettiar,  
K. V. Street,  
Kottaiyur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House and land in Survey No. 511/1A in C Block Survey Ward 2 in Collection Ward 2 Asst. 2736 in Karaikudi Joint II Sub Dist.

Doc No. 1634/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 82/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Lands in S. No. 215/2, 3 & 4 in Vethiyur village 215/1 in Vethiyur village, situated at Vethiyur village, Ariyakudi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Karaikudi. Doc. No. 1702, 1704 and 1705/84 on 22-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) K. Thirumalaisamy, s/o  
Gopal Chettiar,  
S. Tandhi, s/o Shaimuthu,  
12, Yegappa Chettiar,  
Karaikudi.

(Transferor)

(2) Smt. Rajam w/o Gandhi,  
Sri Gandhi s/o Sonaimuthu,  
No. 3, Subramaniapuram 9th St.,  
Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5.34 acres in Survey No. 215/2, 215/2 and 215/4.  
9.30 acres in Survey No. 215/1 4.68 acres in Survey No. 215/1 and well in Vethiyur Village, Ariyakudi Group, Karaikudi.  
Doc. No. 1702, 1704 and 1705/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 83/Aug/84.—Whereas I, V. M. MUTHUKAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Lands in Survey No. 85/2A1 situated at Umayalpuram village, Musiri Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar, Musiri, Doc. No. 2018/84 on 17-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Perumal Naicker and others  
Uppiliya Street,  
Trichy Road, Musiri.

(Transferor)

- (2) S. Ramauathan,  
s/o Slaiappan,  
4, Prominate Road,  
Contonment  
Trichy.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 ac and 43 cents out of 5 ac and 79 cents in Survey No. 85/2A1 in Umayalpuram village, Musiri Taluk.  
Doc. No. 2018/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 84/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House & lands in S. No. 722/1 and Sl. No. 723/1 Pallapatti village, situated at Pallapatti Village, Alkurichi, Karur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of

Sub Registrar, Karur, Doc. No. 1149/84 on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Samsudeen Rowther,  
s/o Mohamed Ibrahim Rowther,  
Pallapatti Village,  
Karur Taluk.

(Transferor)

- (2) T. A. Kalibullah,  
s/o T. K. Mohamed Hanifa,  
Kumanan St., Pallapatti village,  
Karur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building measuring 61 cents out of 4.03 acres in S. No. 722/1 and 723/a in Pallapatti Village, Alakurichi Village, Karur Taluk.  
Doc. No. 1149/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 85/Aug/85.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 219/1 D 1 A/3 situated at Pappakurichi Village, Kattoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) Sub Registrar, Thiruverambur, Doc. No. 2594/84 on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Desiga Vinayagam and others  
VOC St.,  
Akilaprasadapuram,  
Kattoor, Trichy Dt.

(Transferor)

(2) R. Mokkiah Thevar,  
Thangathammal w/o Mokkiah Thevar,  
M. Sankar and M. Ganesan, sons of  
Mokkia Thevar, Kamban St.,  
Akilaprasadapuram,  
Kattoor, Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and land in Survey No. 219/1D 1A/3 Pappakurichi Village, Kattoor.  
Doc. No. 2594/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :—

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM LT.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 86/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing SF. No. 45/7A situated at Arantangi town (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar, Arantangi. Doc. No. 1533/84 on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) V. Subbiah, Udayar,  
s/o Velu Udayar,  
Ambalavananyandal.

(Transferor)

(2) P. Kalifullah, s/o  
Peer Mohamed Rowther,  
Arasankulam Post, Arantangi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House in S.F. No. 45/A in Arantangi Town.  
Doc. No. 1533/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 18-3-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5786.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Garha Road, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Mohar Lal Sharma,  
ES-39, Civil Lines, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Dukh Bhanjan Singh,  
14-B/5, Andheri Manish Vijay Co-operative Housing Society, Plot No. 14, Manish Nagar,  
Andheri West Bombay-400058. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 740, Urban Estates, Phase No. I, situated at Garha Road, Jalandhar & persons as mentioned in the 37-EE form registered with the Competent Authority u/s 269 AB(2) of the I.T. Act, 61. in August 1984.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 17-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5787 and 5788.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and No. as per schedule situated at Garha Road, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Gurdip Singh S/o Subedar Harnam Singh r/o Shekhan Pind teh. Jalandhar Mukhtiar of Sh. Kishori Lal S/o Anant Ram C/o M/s. Kishori Lal & sons, Shastri Market, Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Baljit Singh S/o Surat Singh r/o 155-New Jawahar Nagar, Jalandhar now at Village Nakerian Distt. Ferozepur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1119 situated at Urban Estates, Garha road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 1995 and 2185 of August, 1984 (1/2—share each deed) of the Registering Authority—Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 17-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5789-5790 & 5791.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

as per schedule situated at Basti Danishmandan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48—66 GI/85

- (1) Shri Banarsi Lal S/o Sh. Barkat Ram Shoor, 192—Adarsh Nagar, Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Sh. Teja Singh S/o Sawan Singh of Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferee)

- (2) M/s. B. S. Tradings, Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferor)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 54 Mls., 55 Mls. & 54 Mls. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2028, 2029 and 2079 respectively of dated August, 1984.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 17-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ret. No. A.P. No. 5792.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. as per schedule situated at Boot  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, (1908 16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Jalandhar on August 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Charan Kaur  
W/o. Sh. Swaran Singh  
r/o 11-Link Road, Model Town, Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurbhajan Singh S/o Shamsheer Singh  
r/o 319-Lajpat Rai Nagar, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft., situated in Boot Teh,  
Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed  
No. 1992 of August, 84 of the Registering Authority,  
Jalandhar

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 17-4-1985  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5793.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.as per schedule situated at Boot  
(and fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jalandhar on August, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shrimati Charan Kaur W/o Sh. Swaran Singh,  
r/o 11-Link Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Jitinder Pal Kaur D/o Sh. Balcharan Singh  
r/o 557-Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft. situated in Boot and  
persons as mentioned in the registered sale deed No 1993 of  
August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 17-4-85  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Srimati Charan Kaur W/o Sh. Swaran Singh,  
r/o 11-Link Road, Jalandhar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5794.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

No as per schedule situated at Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Navjit Singh Sandhu s/o Gurbhajan Singh  
r/o 319, Lajpat Rai Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property area 18 Mls 152 Sq. ft. situated in Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1994 of August 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-4-85  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5795.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. as per schedule situated at Boot  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jalandhar on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shrimati Charan Kaur W/o Sh. Swaran Singh,  
r/o 11-Link Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdip Singh, s/o Gurbax Singh  
r/o 141-Gur Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft. situated in Boot and  
persons as mentioned in the registered sale deed No. 2027 of  
August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 17-4-85

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5796.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No as per schedule situated at Boot  
(and more fully described in the schedule annexed hereto,  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
Jalandhar on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Shrimati Charan Kaur W/o Sh. Swaran Singh,  
r/o 11-Link Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Rajinder Kaur w/o Gurcharan Singh  
r/o W.S.-352, Basti Sheikh, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft. situated in Boot and  
persons as mentioned in the registered sale deed No. 2026 of  
August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 17-4-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR  
Jalandhar, the 18th April 1985

Ref. No. A.P. 5797.—Whereas, I

J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ram Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Phillaur on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abinash Chader s/o Gurdial Chand  
r/o Ram Garh Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Shri Nirmal Singh s/o Sarwan Singh  
r/o Village Jandiala Teh. Phillaur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1157 of August, 84 of the Registering Authority, Phillaur.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 18-4-1985  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5798.—Whereas, I  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No as per schedule situated at Ram Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Asha Rani w/o Abinash Chander  
R/o Ram Garh, Phillaur. (Transferor)
- (2) Shrimati Amarjit Kaur w/o Nirmal Singh  
r/o V. Jandiala Teh Phillaur (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1158 of August, 1984 of the Registering Authority, Phillaur.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar

Date : 18-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62/43933/84 85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

D-36, No. 22 (old No. 5B), situated at Ulsoor Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the I.A.C. Ac. Delhi.

Shivajinagar on 9-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

49—66 GI/85

- (1) M/s. Ambit Estates & Developments Co.,  
No. 32, Museum Road,  
Bangalore.

(Transferor)

- (2) M/s. Sunrise Apartments P. Ltd.,  
by : Mr. H. V. Kamath,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1961/84-85 dated 9-10-84]  
Property bearing No. 22, (old No. 5B), Ulsoor Road,  
Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-1985

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62/44479/84-85[ACQ]B—Whereas I, R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 24,

situated at 1 Cross, Ulsoor Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Robert Bartou Wight,  
No. 24, Ulsoor Road,  
1 Cross, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Mr. Luis De Menenjes Braganca &  
Mrs. Yvonne De Menenjes Braganca,  
No. 41, Residency Road,  
Bangalore.

- (3) Transferor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1917/84-85 dated 1-10-1984]  
Premises No. 24, Ulsoor Road, 1 Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE 560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62/44365/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 329, situated at Avenue Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Gopal,  
No. 9, 1 Cross,  
Laxmi Road,  
Shanthinagar,  
Bangalore-27.  
(Transferor)
- (2) Shri K. M. Pema,  
No. 284, Upper Palace Orchards,  
Bangalore-80.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1936/84-85 dated 26-9-1984]  
Shop premises at No. 329, Avenue Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 25th March 1985

Ref. No. C. R. No. 52/43897/84 85/ACQ/B.—Whereas J, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Uthari, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore South Tq. on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Susan Alexander,  
repd. by : Sri A. O. George,  
No. 31/1, 17th Cross, Ranganathapuram,  
Malleswaram, Bangalore-3.  
(Transferor)

(2) Shri M. K. Nagappa,  
No. 15, Bull Temple Road,  
Near Ramakrishna Circle,  
Bangalore-4.  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 3163/84-85 dated 20-8-1984.]

Property in Uthari, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62/43842/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. No. 12-1A1, TS. No. 733-1A1, situated at Kankanady Village, Jeppu Ward, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at M'lore on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Winnifred D'Souza,  
W/o S. F. D'Souza,  
Near Valemia Church,  
Kankanady  
M'lore.

(Transferor)

- (2) Shri Gregory Velerian Lobo,  
S/o. Anthony Lobo,  
Near Valemia Church,  
Kankanady,  
M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 900/84-85 dated 28-2-1984.]

Property No. RS. 12-1A1, TS. No. 733-1A1, Kankanady Village, Jeppu Ward, M'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C.R. No 62/43856/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. -00,000/- and bearing No. 1 (209), situated at Upper Palace Orchards, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. S. Prakash & K. S. Ramesh,  
M/s. C. J. Sheth Construction Co.  
No. 408, XII Main,  
Rajamaharaj Vilas Extn.,  
Bangalore-80.

(Transferor)

(1) 1. Shri Deepakraj Chopra,  
2. Vinod Kumar Chopra,  
3. Ashok Kumar Chopra &  
4. Umesh Kumar Chopra,  
No. 43, II Main Indl. Town,  
Rajajinagar, Bangalore-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1407/84-85 dated 3-8-1984.]

Portion of site bearing No.209 (New No. 1), Upper Palace Orchards, Bangalore-80

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

- (1) K. P. Aiyanna, K. P. Seetavva, K. P. Mithanna,  
K. P. Gowramma & K. P. Neelamma, Hakathur  
village, Madikeri Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1985

C. R. No. 62/44670/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000  
and bearing No.

Sy. 279/2, 279/5, 276/1 & 279/1B situated at Kaujila Vil-  
lage, Madikeri Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Mercasa on 27-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (2) M. A. Nanjappa, M. A. Suresh & M. A. Sharada,  
Kukloor village, Vivaipet Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 730/84-85 Dated 27-9-84.]

Property bearing Sy. No. 279/2, 279/5, 276/1 & 279/1B,  
Kaujila Village, Madikeri Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th March 1985

C. R. No. 62/45877/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 76/119 situated at Kadugondauhalli, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nagarathnama, 2. Muniauiappa, Kodugondauhalli, B'lore North Tq. (Transferor)
- (2) Sartaj Begum & 2. Habeeba, No. 5, 13th Cross, Vasanthanagar, B'lore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3776/84-85      Dated 25-8-1984]  
Property bearing No. 76/119, Kodugondauhalli, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th March 1985

C. R. No. 62/45068/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 910 situated at Binnamaugala I State Extension, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 29-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
50—66 GI/85

- (1) A. Sambasiva Rao, No. 1020, 12A Main Road, III Cross, HAL II Stage, B'lore-38.  
(Transferor)

- (2) B. Nataraj & Sri B. Prabhu, No. 17/19, R. No. 2 Street, old Market Road Cross, B'lore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2543/84-85 Dated 29-11-1984]  
Property bearing No. 910, Binnamaugala I Stage Extension, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-3-1985  
Seal

FORM NO. ITNS—

- (1) 1. T. Raghuchandria Shetty, 2. M. V. Shetty, 3. Viashabharaja Shetty, 4. Chandraraja Jain, 5. Jagthpal Shetty, 6. Parshivanath Shetty, 7. Jnanachandra Kuloor, Jain Compound, M'lore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. R&R Enterprises, Repd. by Mr M. Rajan,  
Paulads, P. N Rao Road, M'lore.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
• COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1985

C. R. No. 62/43893/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 833-1, T. S. No. 655-1A situated at Attavar village, M'lore.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tax of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 721/84-85 Dated 16.8.1984.]

Property bearing RS No. 833-1, TS No. 655-1A, Attavar village, M'lore.

R BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 20th March 1985

C. R. No. 62/43810/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 4, situated at Albert Street, Richmond Town, B'lore-25 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Iftikhar Ali Khan, 2. Shri Uubair Ali Khan, No. 4, Albert Street, Richmond Town, B'lore-25.  
(Transferor)
- (2) 1. Baby Sadia Farook, 2. Master Furail Farook, 3. Baby Nadia Farook, Repl. by Father Mohd. Farook No. 11/7, King Street, Richmond Town, B'lore-25.  
(Transferee)
- (3) Transferor.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 1329/84-85 Dated 3-9-1984.]

Property No. 4, Albert Street, Richmond Town, B'lore-25.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-3-1985  
Seal :

## FORM INS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1985

C. R. No. 62/43732/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing

RS No. 83-6A situated at Kadri-B-Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at M'lore on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shivamma, 2. Eknath, 3. Kushalmathi,  
4. Shivanand, Kadri, M'lore.

(Transferor)

- (2) K. Sahadeva, I.T.I. Instructor at Karwar,  
Mangaldevi Road, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 697/84-85 Date 9-8-1984]

Property bearing RS No. 83-6A, Kadri-B-Village, M'lore.

R BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/44378/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old No. 40 & 40/1, New 34-35 (1st floor) situated at 9th Cross, H. Siddaiah Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi under Document No. 2569/84-85 on 27-9-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. V. Kuppuswamy Naidu  
2. Shri P. V. Ramachandra Naidu,  
607, 10th A Main Road,  
IV Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) Smt. Zakia Begum,  
W/o Syed Alimuddin,  
124/16 8th Cross, Wilson Gardens,  
Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2569/84-85 Dated, 27-9-84)

All that property bearing old No. 40 & 40/1 new No. 24-35 (1st floor) situated at H. Siddaiah Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43902/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 237 situated at III Stage, III Phase Banashankari Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar under Document No. 2058/84-85 on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. R. Venkatesh,  
No. 1, Nanjappa Building,  
1st Cross, Lakkasandra,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Shankarappa,  
No. 417, 50 Ft Road,  
13-A Main Road, Banashankari,  
Bangalore-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2058/84-85      Dated 27-8-84)

All that property bearing No. 237 situated III Stage, III Phase, Banashankari, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985  
Sent :

## FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43831/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25/65-66E situated at Nazarbad Mohalla Lalithamahall Road, Mysore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore under Document No. 2335/84-85 on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ananda Adappa by  
P.A. Holder—  
Sri S. Balakrishna Shetty,  
119, Rajmahal Vilas Extension,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Preeti Goenka,  
"Goenka Niwas" No. 19  
Balevdoore Road, Alipore,  
Calcutta-700027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2335 84-85      Dated 18-8-84)  
All that property bearing No. 25/65-66E situated at Nazarbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-3-1985  
Seal

## FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/44374/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18, 19 20 (Old Nos. 21/1, 21/2 & 21) situated at 2nd Cross, Journalist Colony, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi under Document No. 2646/84-85 on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Susheelamma,  
No. 18-20, 2nd Cross,  
Journalist Colony,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Subhan Sheriff & Others,  
No. 56, Hospital Road,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2646/84-85 Dated Sep. 84)

All that property bearing Nos. 18, 19 & 20 (Old Nos. 21/1, 21/2 & 21) situated at II Cross, Journalist Colony, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43976/14-85/ACQ/B.—Whereas, I, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 45/1, situated at Rammandha Road, Basavangudi Bangalore-4, and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi under Document No. 2328/84-85 on 13-9-1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269 D) of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri C. Chandrashekar  
2. Sri C. Veerabhadraiah  
No. 27, 1 Main Road,  
Mariyappanpalya, Kempapura Agrahara,  
Bangalore. (Transferor)
- (2) Smt. Mustari Begum  
By G.P.A. Holder—  
Shri S. N. Inayat,  
No. 4, Elephant Rock Road,  
Jayanagar,  
Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2328/84-85 Dated 13-9-84)  
All that property bearing No. 45/1 situated at Rammandha Road, Basavangudi, Bangalore-4.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

FORM ITN-3-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore 560001, the 26th March 1985

C.R. No. 62/43983/84-85/ACQ/B.-Whereas, I,  
R. BHARDWAI,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. 89/1, situated at IV Main Road, Malleswaram,  
Bangalore(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Rajajinagar on 6-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

(1) Shri N. J. Govindaraj,  
No. 24, Balaji Nagar,  
II Stage, Madras.

(Transfer)

(2) Shri S. R. Venkatesh,  
No. 37, IV Main Road Malleswaram,  
Bangalore-3.

(Transfer)

Objections, if any, to the acquisition of the said propo  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective person  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov  
and property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2449/84-85 Dated 6-9-84)

Property bearing No. 89/1, IV Main Road, Malleswaram,  
Bangalore.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date: 26-3-1985  
Seal:

FORM 11NS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001(1) M/s. Happy Constructions,  
134, M. M. Road,  
Fraser Town,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. S. Thomas,  
Ramagondahalli Village,  
Varthur Hobli,  
Bangalore South Tq

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001 the 25th March 1985

C.R. No. 62/43967/84-85/ACQ/B - Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 41, situated at Birnamangala I Stage Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registrar of Stamps at Shivajinagar on 3-9-1984

(a) an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1610/84-85 Dated 3-9-84)

Property bearing No. 41, Birnamangala I Stage Extension, Bangalore.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 25-3-1985  
Sd/-

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43812/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 134 (78), situated at Old Madras Road, Ulsoor, Bangalore-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Kamala Yadav &  
2. B. S. Jayasimha,  
No. 8, Muniswamappa,  
Layout, Ulsoor,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri J. Patasmal,  
No. 9, Mission Compound,  
Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1315/84-85 Dated 2-8-84)

Property bearing No. 134(78), Old Madras Road, Ulsoor, Bangalore-8.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985

Seal :



## FORM ITNS

- (1) Shri Jagannatha Adappa  
By P.A. holder—  
Shri S. Balakrishna Shetty,  
No. 119, Rajmahal Vilas Extension,  
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shri Anant Vardhan Goenka,  
"Goenka Niwas", 19, Balvedere Road, Alopore,  
Calcutta-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43832/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/65-66F, situated at Nararbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2333/84-85 Dated 18-8-84)

Property bearing No. 25/65-66F, Nararbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-3-1985  
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43830/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No. 25/65A, situated at Lalitha Mahal Road, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Thimmappa Adappa,  
By P.A. Holder—  
Mr. S. Balakrishna Shetty,  
X Main, R.M. Vilas,  
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shri Ashish M. Bakre,  
'Sarnath' Warden Road,  
Bombay-6.  
By Mr. M. K. Kumar,  
No. 3347, Parimala,  
New K.R. Road, Layanagar,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2334/84-85 Dated 18-8-84)  
Property bearing No. 25/65A, Lalitha Mahal Road,  
Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Competent Authority  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Javalakshamma,  
Nandi Village  
Chickaballapur Taluk,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nomey Vergis,  
No. 251, II Stage Indiranagar,  
Bangalore-38.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001, the 25th March 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. 62/44507/84-85/ACQ[B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100 000/- and bearing  
No. 4 situated at Saraswathipuram II Main Road, Ulsoor,  
Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Shivalinggar under Document No. 1665/84-85 on 10-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1665/84-85      Dated 10-9-84)  
All that property bearing No. 4, situated Saraswathipuram  
II Main Road, Ulsoor Bangalore-8.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 25-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43834/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25/26, situated at Lalitha Mahal Road, Nazarbad Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore under Document No. 2298/84-85 on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Balakrishna Shetty,  
119, 10th Main, R.M. Vilas,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Gnish M. Bakre,  
Sambh. Warden Road,  
Bombay-400006

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2298/84-85 Dated 17-8-84)  
All that property bearing No. 25/65 situated at Lalithamal Road, Nazarbad Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 26th March 1985

- (1) 1. Shri K. S. Ramesh &  
2. Shri K. S. Prakash,  
No. 408, XII Main, Raja Mahal,  
Vilas Extension,  
Bangalore-80.

Transferor(s)

- (2) 1. Shri Dinesh Kumar Chopra,  
2. Shri Gopal Charan Chopra,  
Jayanthi Buildings, Avenue Road,  
Bangalore-2.

Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/43855/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 209(1), situated at Upper Palace Orchards, Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Gandhinagar on 3-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
52—66 GI/85

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1406/84-85      Dated 3-8-84)

Portion of site bearing No. 209 (New No. 1), Upper  
Palace Orchards, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 26-3-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43841/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 353-IL, 354, TS No. 228-IL, 229, situated at Attavar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nayami R. Kamath,  
W/o Late M. Ramadas Kamath,  
"Sriram Danu", Pandeshwar, New Road,  
Mangalore-2.

Transferor(s)

(2) 1. Shri B. Muralidhar,  
2. Mrs. Chandrakala,  
Sampat Sadan, Kankanady,  
Near Home for Aged,  
Mangalore

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 796/84-85 Dated 27-8-1984)  
Property bearing RS. No. 358-IL, 354, TS. No. 228-IL,  
229, Attavar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th April 1985

C.R. No. 62/43769/84-85[ACQ/B].—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15, situated Indiranagar I Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. A. Sudarshanamma,  
No. 36, Prithvi Avenue,  
Madras-18.

(Transferor)

- (2) M/s. Siji Ram Industries,  
Managing Partner—  
V. Balasubramanian,  
"Ramapriya", No. 2, III Cross,  
Gupta Layout, Ulsoor,  
Bangalore-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1439/84-85      Dated 16-8-84)  
Property bearing No. 15, Indiranagar I Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 4-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62/43907/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2877-2878, situated at I Main Lashkar Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 31-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. R. Subba Rao &  
2. Shri S. Ramaswamy,  
No. 2877, Halladakari,  
I Cross, Lashkar Mohalla,  
Mysore. (Transferor)
- (2) Shri Rajendra Suri Jain,  
Gyan Mandir, Mysore,  
Represented by its members. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2541/84-85 Dated 31-8-84)  
Property bearing No. 2877-2878, Halladakari, I Main,  
Lashkar Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 25-3-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 16th March 1985

C.R. No. 62/43905/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4728, situated at Shivaji Rao Road, I Cross, N.R. Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 24-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri H. V. Paramaswara Rao,  
2. Shri H. V. Prakash Rao,  
3. Shri H. V. Rama Rao,  
4. Shri H. V. Viswanatha Rao,  
No. 4728, Shivaji Road,  
I Cross, N. R. Mohalla,  
Mysore.

(Transferor)

- (2) Dr. V. V. Peter,  
No. 4728, N.R. Mohalla,  
Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2463/84-85

Dated 24-8-84)

Property No. 4728, Shivaji Rao Road, I Cross, N.R. Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 16-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th April 1985

Ref. No. RAC. No. 71/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 8/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sun Rise Builders,  
11-5-348, Red Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Nageswaramma,  
5-5-425/69, Mukhranjahi Road,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407 in Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad measuring 865 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4112/84.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad (A.P.)

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CALCUTTA,

Calcutta, the 27th February 1985

Ret. No. AC-103(R-II)Cal/84-85.—Whereas, I,  
SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 29 & 29A/2, situated at Ram Krishna Samadhi Road, Calcutta-54

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Bhagwati Devi Chamarla  
of 267A, Chittaranjan Avenue,  
Calcutta-700006.

(Transferor)

- (2) Shri Shyam Sunder Singhania  
of Room No. 19,  
40, Strand Road,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Flat No. 28, measuring area 1265 sq. ft. situated at 29 & 29A/2, Ramkrishna Samadhi Road, Calcutta-54. Registered before Competent Authority on 13-8-1984 vide Sl. No. 19 of 1984-85.

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-2-1985  
Sent -

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CALCUTTA,

Calcutta, the 27th February 1985

Ref. No. AC-110/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 15C &amp; 15D, situated at Chetla Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chitaranjan Auddy & Ors.  
of 18 Rakhal Das Auddy Road,  
Calcutta.

(Transferor)

- (2) Anag Trust  
of 33A, Raja Santosh Road,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined by Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

20 Cottahs 8 Chittacks land with structure situated at 15C & 15D, Chetla Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I-10550 of S.R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16

Date : 27-2-1985

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## GRADE-I (UNDER SECRETARY), LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE

CANDIDATES, 1985

New Delhi, the 18th May 1985

No. F.25/3/84-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination or additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned in Para 2 below against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates will be held by the Union Public Service Commission commencing on 24th September, 1985 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Training in the Gazette of India dated 18th May 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME-TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (see Annexure Para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

## Category—I

Grade-I of the Central Secretariat Service 10 (The break up of SCs and STs not intimated by Government)

## Category—II

Grade-I of the General Cadre 8 (5 for SC & 3 for ST of the Indian Foreign Service, Branch 'B') Candidates)

## Category—III

Grade-I of the Railway Board Secretariat Service 1 (SC)

The above number is liable to alteration

3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, through the attached form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011.

NOTE:—Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1985. Application Forms other than the one prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates 1985 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 1st July 1985 (15th July 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangri Sub-Division of Chamba District

Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or and for candidates residing abroad from a date prior to 1st July 1985) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangri Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangri Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 1st July 1985.

NOTE—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

M. BALAKRISHNAN

Deputy Secretary

Union Public Service Commission

## ANNEAURE

## Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see if they are eligible.

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of Centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in Centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in Centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 24th August 1985 will not be entertained under any circumstances.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative Centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2 The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian Numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidate will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through of his Department or Head of Office concerned, verify the relevant entries and complete the end of the application form and forward it to mission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms. x 7 cms. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (ii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.
- (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

Candidates should note that they must not make any entries on the Attendance Sheet attached with the application form except their name and centre of examination.

4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso-facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration Number has been issued to the candidates does not, *ipso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regard-

ing the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

8. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

9. Communication Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

10. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.